रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* *

रांची, शनिवार 14 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 157

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,200
चांदी (किलो)	89,000

ब्रीफ खबरें

राहुल पर अठावले का आया विवादित बयान

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि उनकी पार्टी राहुल गांधी के आरक्षण वाले बयान के खिलाफ देशव्यापी जूते मारो आंदोलन शुरू करेंगे. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पर जूते फेंके जाने चाहिए. अठावले ने कहा, राहुल गांधी एक बेकार आदमी हैं. जब भी वे इंग्लैंड या अमेरिका जाते हैं, तो भारत के खिलाफ बोलते हैं. उनको सबक सिखाना होगा.

अब एक और मोर्चे पर हुई जंग की आहट

मास्को। यूक्रेन संग युद्ध के बीच रूस ने पूर्वी एशिया में एक और मोर्चेपर तनातनी के संकेत दिए हैं. इससे नए मोर्चे पर जंग की आहट सुनाई देने लगी है. रूसी सेना के दो लड़ाकू विमानों ने जापान की वायुसीमा में न केवल प्रवेश किया है, बल्कि जापान के ऊपर चक्कर भी लगाए. रूस की इस हिमाकत के बाद अमेरिका के दोनों मित्र देशों (जापान और दक्षिण कोरिया) को अपने फाइटर प्लेन भेजने पड़े. इसके बाद रूसी सैन्य विमान अपनी सीमा में लौट गए.

मोदी के जन्मदिन पर अजमेर में लगेगा लंगर

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन पर अजमेर शरीफ दरगाह लंगर लगाने जा रहा है. 17 सितंबर को दरगाह प्रबंधन की ओर से 4000 किलो शाकाहारी खाना परोसा जाएगा. अजमेर शरीफ गद्दी नशीं सैयद अफशान चिश्ती के मुताबिक लंगर में भोजन चावल, शुद्ध घी, ड्राई फ्रूट आदि से बना होगा. यह खाना आस्थावानों और गरीबों में बांटा जाएगा.

पप्पू यादव भी बिहार में निकालेंगे यात्रा

पटना। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव वक्फ संवैधानिक अधिकार यात्रा निकालेंगे. इस यात्रा की 29 सितंबर से बिहार के अररिया से शुरुआत होगी. उन्होंने कहा कि हम वक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ हैं. बिहार में यात्रा सत्ता पाने के लिए होती है. कोई भी ऐसा नेता नहीं है, जो कह सकता है कि वह लाठी खाया हो, संघर्ष किया हो. बिहार में ज्यादातर नेता पीछे के दरवाजे से आ गए हैं, जो संविधान के लिए खतरा हैं.

सेंसेक्स, निफ्टी हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई। शेयर बाजार में शुक्रवार के कारोबारी सत्र में एक सीमित दायरे में कारोबार हुआ. बाजार के मुख्य सूचकांक हल्की गिरावट के साथ बंद हुए हैं. कारोबार के अंत में सेंसेक्स 71 अंक या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,890 और निफ्टी 32 अंक या 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,356 पर था. व्यापक बाजार का रुझान सकारात्मक था. सत्र की शुरुआत ही गिरावट के साथ हुई थी. - पेज 11 भी देखें

इतना डिजिटल भी नहीं होना था

कराची। पाकिस्तान आए दिन अजीबों-गरीब कारणों से चर्चा में रहता है. अब एक पिता ने अपनी बेटी की सुरक्षा में सारी सीमाएं लांघ दी हैं. पिता ने अपनी बेटी के सिर पर सीसीटीवी कैमरा लगा दिया. हैरानी कि बात यह है कि लड़की को खुद इससे कोई परेशानी नहीं है. एक्स पर वायरल हुए वीडियो में लड़की अपने सिर पर लगे एक बड़े कैमरे के साथ इंटरव्यू देते हुए बताया कि उसके पिता ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखने और उसकी सुरक्षा के लिए इसे लगाया है.

कोलकाता के आरोपी का नार्को टेस्ट नहीं

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय ने नार्को टेस्ट करने पर सहमति नहीं दी है. इसे लेकर सीबीआई की याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया. अदालत ने संजय की ओर से इस टेस्ट के लिए सहमति देने से इनकार करने के बाद सीबीआई की मांग खारिज कर दी.

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट से कोर्ट असंतुष्ट, दोबारा जांच का आदेश

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

34वां राष्ट्रीय खेल घोटाला

- झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने अप्रैल 2022 में इस घोटाले की जांच शुरू की थी

457 करोड़ रुपये का यह घोटाला बताया जाता है

झारखंड में 34वें नेशनल गेम्स घोटाले में सीबीआई की ओर से दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को विशेष कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया है. विशेष कोर्ट ने इस मामले की फिर से जांच करने का आदेश दिया है.

यह घोटाला 457 करोड़ रुपए का बताया जाता है. झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने अप्रैल 2022 में इस घोटाले की जांच शुरू की थी. उसने जांच पूरी करने के बाद 7 फरवरी 2024 को ठोस साक्ष्य का अभाव दिखाते हुए क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी. सीबीआई ने कहा था कि घोटाले का कोई पुख्ता आधार नहीं है. इसलिए इस केस को बंद किया जाए. सोशल एक्टिविस्ट पंकज यादव और सूर्य सिंह बेसरा ने इस क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट याचिका फाइल की. इस पर सुनवाई के बाद सीबीआई की स्पेशल कोर्ट के जज पीके शर्मा ने फिर से जांच का आदेश दिया है. 34वें नेशनल गेम्स का आयोजन झारखंड के रांची, जमशेदपुर और धनबाद में 12 फरवरी 2011 से 26 फरवरी 2011 तक कराया गया था. इसके लिए रांची में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया. कॉम्प्लेक्स के निर्माण से लेकर खेल सामग्री तक की खरीदारी में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगे. आयोजन शुरू होने के पहले ही घोटाले को लेकर वर्ष 2010 में झारखंड के एंटी करप्शन ब्यूरो ने एफआईआर दर्ज की. जांच के दौरान पूर्व खेल निदेशक पीसी मिश्रा, आयोजन समिति सचिव एसएम हाशमी आदि को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. लेकिन, 12 साल बीतने के बाद भी जांच पूरी नहीं हुई. बाद में हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की. इसमें अज्ञात पब्लिक सर्वेंट्स एवं अज्ञात प्राइवेट व्यक्तियों के खिलाफ जांच शुरू हुई, इस संबंध में आरसी 2/2022 के तहत सीबीआई ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की थी. मामले में सीबीआई ने गत 8 फरवरी को विशेष कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी.

साल 2011 में रांची में हुए थे 34वें राष्ट्रीय खेल

पंकज ने राष्ट्रीय खेल मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण में अनियमितता समिति के विधानसभा कमेटी के संयोजक सरयू राय और सदस्य राधाकृष्ण किशोर के निष्कर्ष और अनुशंसा पर कार्रवाई करने की मांग करते हुए प्रोटेस्ट दाखिल की थी. कोर्ट में सुनवाई के दौरान पंकज यादव ने अदालत का ध्यान परामर्शी का चयन और तत्कालीन खेल मंत्री द्वारा टेंडर खुल जाने के बाद अपने पसंदीदा सवेंदक को टेंडर दिलाने की ओर आकृष्ट कराया था. साथ ही तत्कालीन मंत्री सुदेश महतो और उनके आप्त सचिव गोपाल जी तिवारी का विदेश भ्रमण का मुद्दा भी उठाया था. वहीं सूर्य सिंह बेसरा ने विधानसभा कमेटी के सदस्यों से पूछे बगैर क्लोजर रिपोर्ट जमा कर देने पर सीबीआई की मंशा पर सवाल उठाया था. 34वां राष्ट्रीय खेल साल 2011 में रांची में हुआ था. जिसके आयोजन के बाद कई तरह की वित्तीय अनियमितता और करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के मामला सामने आये थे. इस मामले की जांच सीबीआई ने की है.

मंईयां योजना : सीएम ने जारी की दूसरी किश्त, भाजपा पर किया कड़ा प्रहार

ऐसी पटकनी देंगे कि दोबारा खड़े नहीं हो पाएंगे : हेमंत

कौशल आनंद। रांची/बोकारो

ललपनिया में मांदर पर थाप लगाते सीएम हेमंत सोरेन.

45 लाख से अधिक बहनों को करम पूर्व संध्या पर सीएम ने दी सौगात

बोले सीएम

- सब्जी-तरकारी की तरह ये लोग मंत्री-विधायक खरीदते हैं
- **भगवान बिरसा मुंडा की धरती है, न जेल से डर है, न गोली से**
- ये लोग गरीबों को पैसे नहीं देते, मगर व्यापारियों की कर्ज माफी करते हैं

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने वादों के अनुरूप मुख्यमंत्री मंईयां योजना की सितंबर की किश्त शुक्रवार को लाभुक बहनों के खाते में भेज दी. बोकारो के ललपनिया स्थित लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरेम की पवित्र भूमि में करम पूर्व संध्या पर ये धनराशि जारी की गई. सीएम ने इसके अतिरिक्त रामगढ़ और बोकारो की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया. उन्होंने राज्य की 45 लाख लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में दूसरी किस्त की राशि भेजी. मौके पर महिला, बाल समाज कल्याण मंत्री बेबी देवी, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, डॉ. इरफान अंसारी, विधायक अनूप सिंह, लंबोदर महतो, सोना राम सिंकू, योंगेद्र प्रसाद, समेत कई लोग मौजूद थे.

इस दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा पर जम कर प्रहार किया. कहा कि हमारी सरकार बनने के वक्त हमारा हुलिया कैसा था और आज कैसा है. बेईमानों ने मुझे कुत्ता, बिल्ली की तरह लुका-छिपी पर मजबूर किया. झूठा आरोप प्रत्यारोप करके इन्होंने बहुत परेशान किया. नहीं सका, तो जेल में डाल दिया. लेकिन जब किसी पर गरीब गुरबा का हाथ होता है, तो उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर पाता है. कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आने वाले पांच साल में एक-एक लाख रुपए पहुंचाने का काम करेंगे. पहले विपक्ष वाले लोग सब अपनी जेब में भर लेते थे. हम लोग अधिकार मांगते हैं, तो जेल भेज देते हैं. हम न जेल से डरे हैं, न गोलियों से डरे हैं. यह भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो कान्हू और विनोद बिहारी महतो की धरती है. आपका आशीर्वाद बना रहे, तो हम लोग विजयी होते रहेंगे. ये लोग सरकार गिराने में लगे हुए हैं. कभी विधायक खरीदते हैं, कभी मंत्री खरीदते हैं. विधायक, मंत्री को तो ऐसे खरीदते हैं, जैसे कोई सब्जी-तरकारी खरीदता हो. इनके पास गरीबों को देने के लिए पैसा नहीं है, महिलाओं को देने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन बड़े-बड़े व्यापारियों का कर्जा माफ करने का पैसा इनके पास है. ये लोग उड़ कर झारखंड आ रहे. हिंदू-मुस्लिम, अगड़ा पिछड़ा करेंगे. आपस में लड़वा कर राजनीतिक रोटी सेकेंगे. ये लूटने वाले लोग हैं. लेकिन गठबंधन की सरकार ने मजबूती से मोर्चा संभाल रखा है. दो-तीन महीने के बाद फिर ऐसी पटखनी देंगे कि दोबारा झारखंड में ये लोग कभी खड़ा नहीं हो पाएंगे.

लुगुबुरू में की पूजा-अर्चना

इससे पूर्व सीएम ने बोकारो जिला अंतर्गत ललपनिया स्थित धार्मिक स्थल लुगुबुरु घांटाबाड़ी धोरोमगाढ़ में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य वासियों की उन्नति, सुख - शांति एवं खुशहाली तथा स्वस्थ जीवन की कामना की.

बोकारो को 302 और रामगढ़ को 431 योजनाओं की मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम में बोकारो एवं रामगढ़ जिले को लगभग 753 करोड़ 44 लाख हजार रुपए की 733 योजनाओं का तोहफा दिया है. इसमें रामगढ़ जिला अंतर्गत 40872.20 लाख रुपए की 431 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास शामिल है, जबकि बोकारो जिला अंतर्गत 52594.26 लाख रुपए की 302 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास संपन्न हुआ. वहीं, दोनों जिलों के हज़ारों लाभुकों के बीच लगभग 342 करोड़ 90 लाख रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया.

केजरीवाल को सशर्त जमानत

बाहर आये दिल्ली के सीएम, बोले- जेल की सलाखें मुझे कमजोर नहीं कर सकीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

जेल से बाहर निकलने के बाद समर्थकों का अभिवादन करते केजरीवाल.

शराब घोटाला मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को बड़ी राहत मिली है. सुप्रीम कोर्ट ने 156 दिनों बाद सीएम केजरीवाल को बेल दे दी. केजरीवाल शुक्रवार की शाम तिहाड़ जेल से बाहर आ गए. बाहर आने के बाद उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लाखों लोगों ने मेरे लिए दुआ की, उन लोगों की दुआओं की वजह से बाहर आया हूं. जेल की सलाखें केजरीवाल के हौसले के कमजोर नहीं कर सकतीं. मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जैसे ऊपरवाले ने अभी तक मुझे ताकत दी, ऐसे ही भगवान मुझे रास्ता दिखाता रहे, मैं देश सेवा करता रहूं और जितनी राष्ट्रविरोधी ताकतें हैं, जो देश बांटने और कमजोर करने का काम कर रही हैं, मैं जिंदगी भर उनस लड़ता रहूं. केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, सांसद संजय सिंह, पंजाब के सीएम भगवंत मान और अन्य नेताओं- कार्यकर्ताओं के साथ तिहाड़ से अपने आवास तक रोड शो भी किया.

इससे पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए उन्हें सशर्त दे दी. जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्वल भुइयां की बेंच ने शर्तों और 10 लाख के निजी मुचलके पर दिल्ली के सीएम को जमानत दी. केजरीवाल पर वही शर्तें रहेंगी, जो ईडी के केस में मिली बेल के दौरान थीं. इससे पहले शीर्ष अदालत ने सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध नहीं माना था, पर कहा कि किसी भी नेता को बहुत दिनों तक जेल में नहीं रखा जा सकता. सीएम केजरीवाल को सरकारी काम और सरकारी फाइलों पर साइन करने से भी मनाही होगी. केजरीवाल को बेल मिलने पर आम आदमी पार्टी के नेताओं में हर्ष का माहौल है. पार्टी नेताओं इसे सत्य की जीत बताया है. पार्टी नेताओं मिठाइयां बांटी और पटाखे भी छोड़े.

हम केजरीवाल को बेल का आदेश देते हैं

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एफआईआर अगस्त 2022 में दर्ज हुई थी और 4 चार्जशीट दायर की जा चुकी हैं और ट्रायल कोर्ट ने संज्ञान ले लिया है. निकट भविष्य में केस के पूरा होने की संभावना नहीं है. केजरीवाल बेल के लिए तीन शर्तों को पूरा करते हैं और हम बेल का आदेश देते हैं. चार्जशीट दाखिल करना इन परिस्थितियों में एक महत्वपूर्ण है? इस संबंध में, हम अपीलकर्ता को ट्रायल कोर्ट तक सीमित नहीं कर रहे हैं. हम केजरीवाल को 10 लाख रुपए के बेल बांड के अधीन जमानत पर रिहा करने का निर्देश देते हैं.

सीबीआई को फिर पिंजरे का तोता कहा

जस्टिस उज्जल भुइंया ने सीबीआई को जमकर फटकार लगाई. फैसला सुनाते हुए कहा कि ये गिरफ्तारी अनुचित थी. गिरफ्तारी का उद्देश्य केजरीवाल को जेल से बाहर आने से रोकना था. सीबीआई की गिरफ्तारी केवल ईडी के मामले में अर्थहीन बेल देने का उपाय था. सीबीआई को पिंजरे में बंद तोते की धारणा को दूर करना चाहिए. मैं उन शर्तों से गंभीर आपत्ति रखता हूं, जो केजरीवाल को कार्यालय में प्रवेश करने या फाइलों पर हस्ताक्षर करने से रोकती हैं, लेकिन मैं न्यायिक संयम के कारण टिप्पणी नहीं कर रहा हूं क्योंकि यह एक अलग ईडी मामले में था.

ईडी वाली शर्तों के साथ आए बाहर

- केजरीवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने वही शर्तें लगाई हैं, जो उन्हें ईडी के केस में बेल के दौरान मिली थीं.
- **केस की मेरिट पर कोई बयानबाजी नहीं करेंगे.**
- सीएम दफ्तर जाने, सरकारी काम करने, केस पर टिप्पणी करने पर रोक.
- **ऐसे में सरकार के कामकाज में अब भी दिक्कत बनी रहेगी.**
- एनसीसीएसए की बैठक भी नहीं कर पाएंगे.
- **वह दिल्ली शराब नीति से जुड़े मामले में अपनी भूमिका के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे.**
- वह किसी भी गवाह से बातचीत नहीं करेंगे या मामले से जुड़ी किसी भी आधिकारिक फाइल तक पहुंच नहीं रखेंगे.

ट्रेंडिंग न्यूज

राहत

बीएसएनएल 5जी का इंतजार खत्म!

नई दिल्ली। बीएसएनएल नेटवर्क की डिमांड में तेजी से उछाल आया है. इस बीच बीएसएनएल ने 5G नेटवर्क रोल आउट करने से लेकर 4जी नेटवर्क का जाल तक बिछाया जा रहा है. बीएसएनएल को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि बहुत जल्द 5जी नेटवर्क की शुरुआत होने वाली है. कंपनी ने इसके लिए टीसीएस से हाथ भी मिलाया है और टाटा की तरफ से नया डेटा सेंटर भी स्थापित किया जा रहा है. बीएसएनएल का 5जी नेटवर्क आने के बाद ग्राहकों को राहत मिलेगी.

मुश्किल

कंगना के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज

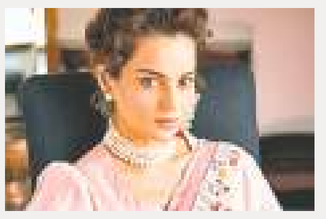

आगरा। फिल्म अभिनेत्री और मंडी से सांसद कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. आगरा कोर्ट में अधिवक्ता ने कंगना रनौत के किसानों के खिलाफ बयानों को आधार बना कर कोर्ट में वाद दायर किया है. दायर वाद में कहा गया है कि कंगना ने 2021 में दिल्ली बार्डर पर धरने पर बैठे लाखों किसानों पर अभद्र टिप्पणी कर उनको हत्यारा और बलात्कारी होने का आरोप कहा था. कंगना पर एमपी एमएलए कोर्ट में राष्ट्रद्रोह वाद दायर हुआ है.

बदलाव

पोर्ट ब्लेयर का बदल गया नाम

अंडमान। केंद्र सरकार ने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदल दिया है. अंडमान-निकोबार द्वीप की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नया नाम श्री विजयपुरम होगा. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट में बताया कि देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के पीएम नरेंद्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम श्री विजयपुरम करने का निर्णय लिया है. श्री विजयपुरम नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है.

नई पॉलिसी **चीन में सरकार बढ़ा रही रिटारयमेंट उम्र, अगले साल से करेगी लागू नया कानून**

पेंशन पर टेंशन या बढ़ती बुजुर्ग आबादी का दबाव?

एजेंसी। बीजिंग

चीन की सरकार अपने कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ा रही. सरकार के अनुसार, नेशनल पीपुल्स कांग्रेस ने शुक्रवार को यह घोषणा की. यह पॉलिसी 15 साल में धीरे-धीरे लागू की जाएगी. इसमें पुरुषों के लिए रिटायरमेंट की एज बढ़ा कर 63 साल की जाएगी. महिलाओं के लिए सेवानिवृत्ति की आयु उनकी भूमिका के आधार पर 55 और 58 साल की जाएगी.

चीन में फिलहाल सेवानिवृत्ति की आयु पुरुषों के लिए 60 और महिलाओं के लिए श्रमिक वर्ग में (ब्लूकॉलर) 50 साल, जबकि ऑफिस में काम करनेवाले वर्ग में (व्हाइट कॉलर) 55 साल है. सेवानिवृत्ति की यह आयु चीन की आबादी और अर्थव्यवस्था में सबसे कम है. चीनी अर्थव्यवस्था व आबादी की स्टडी करनेवाले शिउजियान पेंग ने इसकी वजह बताई है. उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर लोग रिटायर होने की उम्र पर पहुंच रहे हैं. इसलिए पेंशन फंड पर काफी दबाव है. इसलिए मुझे लगता है कि अब इस दिशा में गंभीरता से काम करने का समय आ गया है.

2035 40 करोड़ लोग हो जाएंगे 60 के पार : पिछली बार चीन में रिटायरमेंट उम्र साल 1950 में तय की गई थी. उस वक्त वहां पर लाइफ एक्सपेक्टेंसी करीब 40 साल थी. चीन सरकार की यह पॉलिसी अगले साल से अमल में आ जाएगी. लोगों की जन्मतिथि के आधार पर धीरे-धीरे बदलाव होता रहेगा. पॉलिसी के साथ रिलीज चार्ट में इसका उदाहरण भी दिया गया है. मसलन, अगर कोई व्यक्ति जनवरी 1971 में पैदा हुआ है, तो वह 61 साल और सात महीने की उम्र में अगस्त 2032 में रिटायर होगा. इसी तरह मई 1971 में पैदा हुआ व्यक्ति जनवरी 2033 में 61 साल आठ महीने की उम्र में रिटायर होगा. विशेषज्ञों के मुताबिक उम्रदराज लोगों की बढ़ती जनसंख्या ने चीन के इस फैसले में अहम भूमिका निभाई है. 2024 के अंत तक चीन में 60 साल से अधिक लोगों की संख्या करीब 300 मिलियन (30 करोड़) होगी. वहीं, 2035 तक यह संख्या बढ़ कर 400 मिलियन (40 करोड़) होने का अनुमान है. यह अमेरिका की आबादी से भी ज्यादा होगा.

बुजुर्गों की बढ़ती आबादी पूरी दुनिया की चिंता

चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज ने पूर्व में बताया था कि तब तक पब्लिक पेंशन फंड खत्म हो चुके होंगे. काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में वैश्विक स्वास्थ्य के सीनियर फेलो यानझोंग हुआंग ने कहा कि पेंशन और सोशल बेनफिट्स का खत्म होना, केवल चीन की समस्या नहीं है. यह हर जगह हो रहा है. लेकिन चीन में बुजुर्गों की बढ़ती आबादी बहुत बड़ी चुनौती है. चीन में युवा लोग बढ़ती महंगाई का हवाला देकर बच्चे पैदा नहीं कर रहे हैं. इसके चलते वहां पर युवा आबादी में लगातार कमी आ रही है. 2022 में, चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने बताया था कि पहली बार देश में पिछले साल की तुलना में साल के अंत में 850,000 कम लोग थे. 2023 में, जनसंख्या में दो मिलियन की गिरावट और आई.

जमशेदपुर से नई आवास योजना का शुभारंभ करेंगे पीएम मोदी

विशेष संवाददाता। रांची

- दो करोड़ आवासों का करेंगे आवंटन, इसमें झारखंड के भी 20 हजार आवास शामिल

आने वाले 15 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी जमशेदपुर से दो करोड़ नई आवास आवंटन योजना का शुभारंभ करेंगे. इस मौके पर मोदी झारखंड में आवास योजना के अन्तर्गत झारखंड के 20 हजार लाभार्थियों को जमशेदपुर से स्वीकृति पत्रों का भी वितरण करेंगे. ये बातें झारखंड प्रभारी सह केद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली से एक वीडियो जारी करके दी.

उन्होंने बताया कि झारखंड में थोड़ा काम तेजी से होना चाहिए था. हमने लगातार प्रयत्न किये, क्योंकि 1 लाख 13 हजार से ज्यादा मकान झारखंड में बनने हैं. अभी तक राज्य सरकार ने इतनी ही औपचारिकता पूरी करके स्वीकृति पत्र और मकानों के निर्माण के लिए अकाउंट नंबर डाले हैं. उसकी कुछ औपचारिकता पूरी करनी होती हैं. इसमें राज्य ने धीमी गति से काम किया, इसलिए इतने ही हितग्राहियों को लाभ मिलेगा. लेकिन लक्ष्य 1 लाख 13 हजार 195 का है, उसके लिए 187 करोड़ 79 लाख की राशि झारखंड को जारी की जा चुकी है. शिवराज ने कहा कि 16 सितंबर को पीएम मोदी गुजरात जाएंगे और 17 को भुवनेश्वर में कई योजनाओं का शुभारंभ करेंगे.

रिम्स की रिपोर्ट- एचआईवी (एड्स) पॉजिटिव है, सदर अस्पताल लोहरदगा समेत तीन अन्य लैब की जांच रिपोर्ट- निगेटिव यानी एड्स नहीं है

वो आत्महत्या करने जा रही थी, पति ने हिम्मत दी तो जान बची

संवाददाता । रांची

एचआईवी, यानी एड्स. नाम सुनते ही आंखों के सामने अंधेरा छाने लगता है. दुनिया भर में इसे खतरनाक बीमारी के रूप में जाना जाता है. जिसे हो जाए, उसकी मौत तय है. घर वाले, पास-पड़ोस के लोग सब कटने लगते हैं. शरीर कमजोर पड़ता जाता है और एक दिन वह मर जाता है. यही बीमारी अगर किसी महिला को हो जाए, तो कल्पना कीजिए, उस महिला पर क्या बीतेगी. एक झटके में महिला सबके सामने चरित्रहीन मान ली जाती है. उसकी पूरी जिंदगी नर्क बन जाती है, मामला तब और संगीन हो जाता है, जब वह ग्रामीण इलाके की हो. छह सितंबर की शाम का वक्त लोहरदगा निवासी महिला के लिए मनहूस शाम साबित हुआ था. उसके हाथ में रिम्स की जांच रिपोर्ट थी, रिम्स के नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन का वह परचा, जिसमें लिखा था कि उसे एड्स (एचआईवी पॉजिटिव) है. एक बार तो उसने आत्महत्या करने का मन बना लिया. परचे में एक नंबर अंकित है- जेएचआरएनसी-007-24-1....9. इस जांच रिपोर्ट के मुताबिक महिला के शरीर में एचआईवी (एड्स)-01 मौजूद पाया गया है.

छह सितंबर को रिम्स से जारी रिपोर्ट की कॉपी.

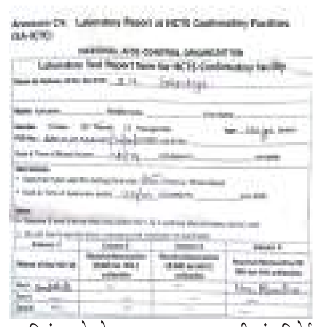
12 सितंबर को लोहरदगा सदर अस्पताल की जांच रिपोर्ट

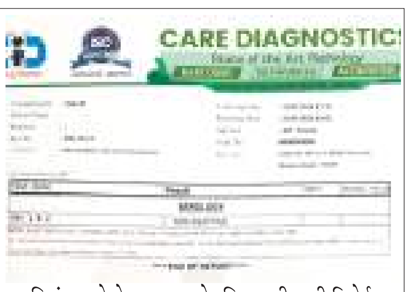

11 सितंबर को केयर डायग्नोसटिक्स की जारी रिपोर्ट.

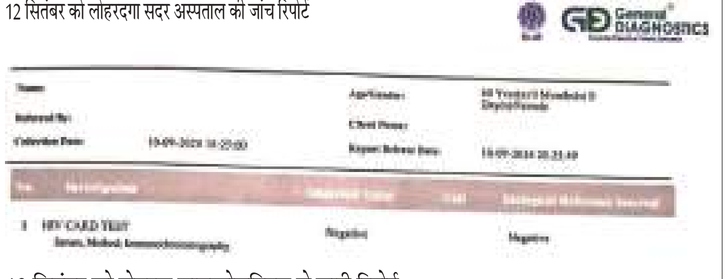

10 सितंबर को जेनरल डायग्नोसटिक्स से जारी रिपोर्ट.

लोहरदगा निवासी महिला की हालत यह हो गयी थी कि वह किसी से नजर नहीं मिला पा रही थी. उसे समझ में नहीं आ रहा था कि यह लाइलाज बीमारी उसके शरीर में कैसे आ गई. उसने खुद को खत्म करने, यानी आत्महत्या कर लेने का फैसला कर लिया. ऐसे कठिन वक्त में महिला के पति ने उसका साथ दिया. जब पति साथ में खड़ा हो गया, तो दूसरे लोग भी हिम्मत देने साथ आए. फिर 10 सितंबर को महिला ने जनरल डाइग्नोस्टिक सेंटर में एड्स की जांच कराई. शाम में रिपोर्ट मिली, जिसमें एड्स निगेटिव बताया गया. इसके बाद महिला ने केयर डायग्नोस्टिक में जांच कराई. 11 सितंबर को मिली रिपोर्ट में एड्स नो रिएक्टिव बताया गया. यानी एड्स निगेटिव. इसके बाद महिला ने 12 सितंबर को एक बार फिर लोहरदगा सदर अस्पताल में अपनी जांच कराई, रिपोर्ट नो रिएक्टिव यानी निगेटिव बताई गई.

दो निजी और एक सरकारी जांच घर की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद महिला के परिजनों ने रिम्स प्रबंधन से इस बारे में बात की. महिला के परिजनों के मुताबिक रिम्स के एक चिकित्सक ने पहले तो इधर-उधर की बात की. फिर मामले को लेकर चुप रहने की सलाह दी. साथ ही यह भी चेताया कि मीडिया में ना जाएं. महिला के परिजनों का सवाल है कि आखिर इन 12 दिनों तक महिला ने जो मानसिक पीड़ा को झेला है, उसके लिए कौन जिम्मेदार है. अगर महिला ने कुछ कर लिया होता, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होती. आखिर एड्स जैसी गंभीर बीमारी के मामले में भी राज्य का सबसे बड़ा अस्पताल कैसे इतना लापरवाह हो सकता है. इस खबर को लिखे जाने तक रिम्स प्रबंधन ने इसके जिम्मेदार के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई की है, ऐसी जानकारी नहीं मिली है.

हे राम, ईनका तो ढेरे बउरईनी धईले है, पैरवा धरती पर पड़िए न रहिस है

संजय सिंह

अपने झारखंड में एक से एक कलाकार नेताजी लोगन हैं. तनिका सा पावर का मिलता है, बउरईनी धर लेता है. अब देखिए न एगो दलबदलु नेताजी और हैं. जेने देखिन फायदा ओने ही लपक लिए. हालांकि नेताजी पहिले अकेले ही अपना दम देखा चुके हैं. लेकिन बाद में धड़ाधड़ पाला बदले लगे. एतना पाला बदले कि उनको खुद भी ठीक से याद न रहता है कि कब कौन सा पार्टीया में घुसिया गए थे. नेताजी निर्दलीय जीत गिए, तो बिहार वाली पार्टिया के तीर से निशाने साधे लगे. लेकिन इहां सिर्फ हॉफे-डिप देवे में दिन गुजर जाता रहा. नेताजी को कुछो भेंटा न रहा था, तो तड़पड़ाईल थे. जेने-तेने तांकझांक कईले थे. जुगाड़ में लगल थे कि मौका मिले तो चौका जड़ देंगे. अभी नेताजी अभी तीर-धनुष लेले निशानेवाजी कईले हैं. पहिले तीरे ले के घूमले थे. मौका ताड़े,

चुनावी चकल्लस

तो कमल खिलावे लगी चल दिए. फायदे में भी रहे, जीते तो मंत्री भी बन गये. पढ़ावे-लिखावे के साथे -साथ लगे दारुओ बेचे-बेचवाए. उस समय लाले लाल बत्ती गाड़ी का फोकासी था. लाले लाल हो गिये थे नेताजी. अब दारू बेचे-बेचवावे वाला मंत्री जी कमे समय में लाले लाल हो जाएंगे, तो भला ऊ पार्टिया के बड़का नेतवन को पचेगा. भाई जो लोगन लग गिये इनका पतईया गुल करावे में. बेचारे के कुछ पते न चला और कमल छाप के घाघ नेताजी लोगन उनका टिकटवा खा-पचा गिए. बाद में ऊ पार्टिया वाला नेताजी लोगन इनको ऐन चुनावे के मौके पर अईसन साइड धरा दीहिन कि बेचारे लगे हांफे. हंफनी के बेमारी धर लीहिस थी. अब नेताजी मौका के तलाश में जुट गए. उसी समय तीर-धनुषवाली पार्टिया में वेंकेसी को बारे में नेताजी को पता चला. नेताजी ताड़ लीहिन. समझ गिये कि मौका फाइन है, तो धीरे से ढुकिया जाया जाए, नेताजी ढुकियाए तो तीर-धनुष से जीतियो गये. लेकिन अपना लुर-लच्छन के कारण ढेरे दिन तक ई पार्टिया में साइडे धईले रहे. कुछ करेला, कुछ कहे ला कोनो तरह का मौके न मिल रहा था. लेकिन गुटूर-पुटूर कईले रहते थे. एक बार तो ई नेताजी को लाटसाहिब के यहां से बुलावा भी आ गया. नेताजी खुशी से उछले लगे. नेताजी के शपथियाए लगी बुलाहटा था. नेताजी सूट-बूट पहिनले घर से निकल लिए, मन में लड्डुइयां फूटिए रहा था. लेकिन ई का, आधे रास्ते में नेताजी के फोन आ गईस, कहल गया कि अभी रुकिए जाओ. बेचारे नाक धुनलले आधा रास्ता से लौट गये. खूबे खिसियाए. अंडोबंड भी बोले लगे. जाति से लेके धरम-करम तक पर लेक्चर देवे लगे. लेकिन कहते हैं न.. नारयस्य त्रियाचरित्रम पुरुषस्य भाग्याम कोऊ न जानत -कोऊ न जानत... आखिरकार ई नेताजी के किस्मतवा तीर-धनुषवाली पार्टी के बड़का नेताजी लोगन ने पलटवा ही दी. मंत्री बना दीहिस. अब तो बैजू बाबू के बउरईनी धईले है. मंत्री पद बरदाश्ते न हो पा रहा है. अबकियो बैजू बउरनी महोदय के पढ़ाई-लिखाई करावे के साथे दारू बेचे-बेचवावे के जिम्मेवारी मिलल है. नेताजी लगल हैं कि लक्ष्मी मईया उन पर कृपा बरसा दें. लेकिन जइसे ही नेताजी के बड़का जिम्मेवारी मिली है, नेताजी के बउरनी जोर-शोर से धर लीहिस है. नेताजी तो नेताजी, अब तो उनके लाडले को भी हूटर लगी गाड़ीसे सफर करे का बेमारी घर लीहिस है. बेटाजी लोगन भी बाजार पहुंचते हैं, तो हूटर लगल गाड़ी मौहाल बनाइले रहते है. नेताजी का पैरवा पहिले धरातल पर रहा करता था, आजकल बऊराइल हैं, तो चउवे पर चल रहे हैं. ठस्सा मेनटेन कईले हैं. नेता जी एतने नहीं किए हैं, दुनो बेटाजी के भी अपना प्रतिनिधि बना दीहिन है. अब क्या है, बेटा जी लोगन भी खुद के मंत्री से कम न बुझ रहिस है. पूरा फुटानी कईले है. लेकिन ज्यादा इतराए के जरूरत न है. जनता सब देख रहिस है. दो-तीन महीने में कही जनता, जनार्दन हो गई न नेताजी. तो बुझिए लीजिए का होवेवाला है. वईसे इहो चर्चा है कि ई बउरईनी नेताजी फिरो कीचड़ में कमल खिलावे के भी जुगाड़ में जेने-तेने हाथ पैर मारले हैं. अब देखिए, आगे-आगे होता है क्या?

राजकुमार गुप्ता ने किया था खुलासा, योगेंद्र साव ने बनाया था टाइगर गिरोह

10 साल बाद जेल से बाहर निकला नक्सली संगठन टाइगर का सरगना राजकुमार गुप्ता

विधि संवाददाता । रांची

झारखंड के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव द्वारा कथित तौर पर बनाये गये नक्सली संगठन टाइगर का सरगना राजकुमार गुप्ता दस साल बाद जेल से बाहर निकला. राजकुमार गुप्ता को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी. वह अपहरण के एक मामले में सजा काट रहा था. जय प्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार, हजारीबाग से वह शुक्रवार को सुबह बाहर आया. साल 2013-14 में राजकुमार गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. उसने अपने बयान से खुलासा किया था कि झारखंड के तत्कालीन कृषि मंत्री झारखंड टाइगर ग्रुप के मुख्य संचालनकर्ता हैं. इसके बाद योगेंद्र साव को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था.

साल 2013-14 में झारखंड टाइगर ग्रुप का पतरातू से लेकर लातेहार तक रंगदरी, लेवी और धमकी का खौफ चलता था. गिद्दी पुलिस द्वारा राजकुमार गुप्ता को पकड़ने के बाद गिरोह के पूरे नेटवर्क, संचालन और सहयोग करने वालों का खुलासा हुआ था. राजकुमार ने अपने बयान में यह स्वीकार किया था कि झारखंड सरकार के तत्कालीन कृषि मंत्री के इशारे पर वह घटनाओं को अंजाम देता है, जिसमें इनके भाई व अन्य रिश्तेदार सहयोग करते हैं. इस खुलासे के बाद तत्कालीन हेमंत सरकार की किरकिरी हुई थी. तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने योगेंद्र साव से इस्तीफा ले लिया था. मामले को लेकर गिद्दी थाना में मामला दर्ज किया गया था. बाद में इसकी जांच अपराध अनुसंधान विभाग ने भी किया था, जिसमें यह इसके बयान की पुष्टि भी हुई थी कि योगेंद्र साव इसके लगातार संपर्क में रहे हैं. मामले का ट्रायल फिलहाल रांची कोर्ट में चल रहा है.

सुप्रीमो दिनेश गोप के सहयोगी निवेश को बेल देने से ईडी कोर्ट का इनकार

संवाददाता। रांची

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप के सहयोगी निवेश कुमार को बेल देने से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने इनकार कर दिया है. निवेश पर आरोप है कि वह दिनेश गोप का फंड मैनेज करता था और पीएलएफआई द्वारा लेवी के रूप में वसूली गयी राशि को अलग-अलग जगह इन्वेस्ट करने में मदद करता था. निवेश ने दिनेश गोप को खिलौने वाले हथियार दिखाकर उससे ठगी की थी. जांच में यह बात भी सामने आयी थी कि धुर्वा के निवेश कुमार ने पीएलएफआई को विदेशी हथियार दिलाने के के नाम पर लाखों रुपये ठगे. उसने वीडियो कॉल के माध्यम से दिनेश गोप को नकली विदेशी हथियारों की तस्वीर दिखायी थी. उसे यह कर पैसे ठगे थे कि उसके पास अत्याधुनिक हथियार है. फिलहाल निवेश न्यायिक हिरासत में है.

ब्रीफ खबरें

पूजा सिंघल की बेल पर सुनवाई 19 सितंबर को

रांची । सस्पेंडेड आइएएस पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में 19 सितंबर को सुनवाई होगी. शुक्रवार की सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से बहस के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने 19 सितंबर की तारीख निर्धारित की है. ईडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी. जिसके बाद ईडी ने पूजा सिंघल और सीए सुमन सिंह को गिरफ्तार किया था. दोनों से हुई पूछताछ में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी. ईडी की छापेमारी के दौरान सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुआ था.

सप्तगिरी उल्का आज और कल झारखंड में रहेंगे

रांची। विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का अपने दो दिवसीय दौरे पर 14 सितंबर को रांची आयेंगे. वहीं सह प्रभारी डॉ बेला प्रसाद 15 सितंबर को झारखंड आएंगे. दोनों नेता क्रमशः अपने दो और सात दिवसीय दौरे में मैराथन मीटिंग करेंगे. यह जानकारी देते हुए प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि उल्का 14 सितंबर को सुबह 11 बजे से पूर्वी सिंहभूम एवं तीन बजे से चाईबासा में पश्चिम सिंहभूम, 15 सितंबर को सुबह 11. 30 बजे से सरायकेला खरसावां जिले के कांग्रेस नेताओं अग्रणी संगठन विभाग के नेताओं से बैठक कर विचार विमर्श करेंगे. वहीं सह प्रभारी बेला प्रसाद सात दिवसीय दौरे में 15 सितंबर को रांची आएंगे. 16 सितंबर को रामगढ़, 17 सितंबर को हजारीबाग, 18 सितंबर को कोडरमा, 19 सितंबर को चतरा, 20 सितंबर को गढ़वा और 21 सितंबर को पलामू जिले के नेताओं कार्यकर्ताओं से बैठक एवं अलग-अलग मुलाकात करेंगे.

मनी लॉन्ड्रिंग केस

नीरज मित्तल और रामप्रकाश भाटिया को बेल देने से हाईकोर्ट का इनकार

रांची। सरकारी टेंडर में कमीशन के जरिये करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने और उस कमाई को वैध बनाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी निलंबित इंजीनियर इन चीफ वीरेंद्र राम के सहयोगी नीरज मित्तल और राम प्रकाश भाटिया की जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है. इससे पहले रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट ने भी दोनों को बेल देने से इंकार कर दिया था. वीरेंद्र राम पर अपने पद पर रहते हुए करोड़ों रुपए की अवैध कमाई करने का आरोप है. वहीं नीरज मित्तल और राम प्रकाश भाटिया पर जेल में बंद निलंबित अभियंता प्रमुख वीरेंद्र राम के पैसों के निवेश में सहायता करने का आरोप है. दोनों को ईडी ने दिल्ली से गिरफ्तार किया था. दोनों के खिलाफ ईडी आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है. जिस पर कोर्ट संज्ञान ले चुका है.

हाईकोर्ट ने आठ अभ्यर्थियों के लिए पोस्ट रिजर्व रखने का दिया निर्देश

रांची । झारखंड हाईकोर्ट में लैब असिस्टेंट नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की बेंच ने जेएसएससी को उन आठ अभ्यर्थियों के लिए पोस्ट रिजर्व रखने का निर्देश दिया है, जिन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है. इस संबंध में दिव्यांशु राज और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गयी थी. दरअसल जेएसएससी ने लैब असिस्टेंट के पद पर नियुक्ति निकाली थी. नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन में रखी गयी शर्त और नियुक्ति नियमावली में अंतर था. जिसके खिलाफ आठ लोगों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता अपराजिता भारद्वाज ने प्रार्थियों की ओर से बहस की.

लैब असिस्टेंट नियुक्ति

कोल लिंकेज से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी इजहार को कोर्ट ने दी बेल

रांची । लिंकेज का 86568 टन कोयला मंडी में बेच कर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने के आरोपी व हजारीबाग के चर्चित कोयला कारोबारी इजहार अंसारी की बेल पर हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया है. हाईकोर्ट ने उसे कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है. इससे पहले रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने इजहार को बेल देने से इनकार करते हुए उसकी याचिका खरीज कर दी थी. जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में अपनी बेल के लिए गुहार लगायी थी. दरअसल, कोल लिंकेज से जुड़े मामले को लेकर ईडी ने इसी वर्ष 16 जनवरी को इजहार अंसारी के ठिकानों पर छापेमारी की थी. छापेमारी के बाद ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था. तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं.

पीएम के जमशेदपुर दौरे को लेकर बिजली विभाग ने तीन अफसर प्रतिनियुक्त किये

विशेष संवाददाता । रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर 15 सितंबर को झारखंड के जमशेदपुर आ रहे हैं. पीएम के आगमन को लेकर बिजली विभाग ने तीन अफसरों की प्रतिनियुक्ति की है. ऊर्जा विभाग, विद्युत निरीक्षणालय रांची सर्कल ने विद्युत निरीक्षक प्रफुल कुमार गुप्ता, सहायक विद्युत निरीक्षक शैलजानंद प्रकाश और अजय कुमार सिंह की प्रतिनियुक्ति की है. तीनों अधिकारी जमशेदपुर के गोपाल मैदान में बिजली व्यवस्था देखेंगे. साथ ही जरूरी दिशा-निर्देश के तहत बिजली व्यवस्था को संचालित करेंगे.

जनसभा और रोड शो भी करेंगे मोदी

बता दें कि 15 सितंबर को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में पीएम मोदी जनसभा को संबोधित करेंगे. साथ ही रोड शो भी करेंगे. वे लगभग 21 हजार करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं का भी उद्‌घाटन करेंगे. वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत भी करेंगे. एक लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों के बीच दो-दो लाख रुपये की राशि भी खाते में भेजी जायेगी.

सभी अस्पतालों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन लागू होगा

संवाददाता । रांची

राज्य के सभी अस्पतालों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन लागू होगा. इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है. इसे लेकर शुक्रवार को रांची के सभी प्राइवेट अस्पतालों के प्रबंधन के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बैठक की. बैठक की अध्यक्षता राज्य अभियान निदेशक पवन कुमार ने किया. उन्होंने अस्पताल प्रबंधनों से इसे लागू करने पर चर्चा की. साथ ही बताया कि दूसरे राज्यों के मुकाबले झारखंड में कम अस्पताल डिजिटल मिशन का इस्तेमाल कर रहे हैं. जो अस्पताल डिजिटल मिशन के तहत काम कर रहे हैं, उन्हें डिजिटल हेल्थ इंसेंटिव स्कीम के तहत प्रोत्साहन राशि भी मिल रहा है. इसलिए दूसरे अस्पतालों को भी इसके तहत काम करने चाहिए.

डिजिटल मिशन के तहत सभी जिला अस्पतालों में स्कैन एंड शेयर की सुविधा शुरु की जा रही है. इसे सभी निजी अस्पतालों में भी शुरु किया जाना है. सभी निजी अस्पतालों में एबीडीएम लागू किया जायेगा और इसे प्रोत्साहन राशि से जोड़ा जायेगा. आज की बैठक में ऑर्किड हॉस्पिटल, गुरुनानक अस्पताल, लाइफ केयर, रिंची हॉस्पिटल, मेदांता सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, रानी हॉस्पिटल, जगन्नाथ हॉस्पिटल, मां रामप्यारी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल के प्रतिनिधि शामिल हुए. कार्यक्रम में एबीडीएम के संयुक्त निदेशक राजन कुमार, मोनिका राणा के अलावा उनकी टीम के सदस्य उपस्थित थे.

कलह अंतरकलह को चुनाव से पहले कर लिया जाएगा दूर : देवशरण भगत

लोहरदगा आजसू में टूट, चुनाव में कैसे होगा बेड़ा पार!

हुसैन अंसारी । रांची/ लोहरदगा

ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) लोहरदगा में बिखराव की तरफ तेजी से बढ़ रहा है. झारखंड आंदोलन में शामिल रहे पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की मृत्यु के बाद से पार्टी के प्रत्याशी लगातार दो बार चुनाव हार चुकी हैं. आजसू ने दोनों बार कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत को प्रत्याशी बनाया था. मान-सम्मान की कमी और दो बार की हार के कारण कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता चला गया. अब अंदरुनी कलह चरम पर है. यहां तक कि दिवंगत कमल किशोर भगत का भाई अनिल भगत ने भी पार्टी से नाता तोड़ करके झापिपा में ज्वाइन कर लिया है. आजसू के बहुत सारे कार्यकर्ता अनिल भगत के साथ पार्टी छोड़ चुके है. इनमे आजसू पार्टी के प्रधान सचिव विलियम कुजूर , जिला कार्यकारी अध्यक्ष राम नारायण प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह, वरीय उपाध्यक्ष प्रदीप ठाकुर, जिला कोषाध्यक्ष सह पेशरार प्रखंड प्रभारी संजू सिंह, जिला प्रवक्ता रामचंद्र गिरि, महिला नेत्री संगीता साहू, बिंदु देवी, किस्को प्रखंड सचिव मनोज उरांव समेत दर्जनों कार्यकर्ता आजसू पार्टी को छोड़कर झापीपु का दामन थाम लिया.

आजसू एनडीए का महत्वपूर्ण घटक है और उसने लोहरदगा सीट पर अपना दावा कर रखा है. हालांकि अभी तक कोई फैसला नहीं हो पाया है. यह अलग बात है कि एक दशक पहले तक आजसू के लिए सबसे सुरक्षित सीटों में एक माना जाने वाला लोहरदगा विधानसभा अब हाथ से निकलता हुआ नजर आ रहा है.

लोहरदगा में पार्टी की स्थिति पर हमने आजसू के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत से बात की. उन्होंने कहा कि लोहरदगा में आजसू पार्टी मजबूत है और आगे भी रहेगा. राजनीति में लोगों का इधर-उधर, आना-जाना लगा रहता है, इससे थोड़ा बहुत नुकसान जरूर होता है. उन्होंने कहा कि लोहरदगा में आजसू पार्टी के भीतर जो भी अंदरुनी मामले चल रहे हैं, उसे दूर करने के लिए पार्टी नेतृत्व काम कर रहा है. डॉ भगत को उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव से पहले सबकुछ ठीक कर लिया जाएगा. पार्टी के भातर अंतर्कलह को लेकर हमने पार्टी के केंद्रीय महासचिव नीरू शांति भगत से भी बात करने की कोशिश की, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी.

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 14 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 157 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

तापमान

29.9° अधिकतम | 24.0° न्यूनतम

ब्रीफ खबरें

आलमगीर के ओएसडी को जमानत से इंकार

रांची। टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने जमानत देने से इंकार करते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी है. बता दें कि संजीव लाल को ईडी ने पूछताछ के बाद 11 मई को गिरफ्तार किया था. संजीव लाल के निजी सहायक के ठिकाने से एजेंसी ने 35 करोड़ रुपये से ज्यादा नकद बरामद किए थे. इससे पहले बुधवार को दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था.

बहाली में 14 अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ी

रांची। उत्पाद सिपाही भर्ती प्रक्रिया में शुक्रवार को 14 अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ गई. इनमें साहिबगंज जिले में छह और गिरिडीह जिले में आठ अभ्यर्थियों की तबीयत खराब हो गई. इन सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इनका इलाज चल रहा है. बता दें कि उत्पाद सिपाही भर्ती में अब तक 12 अभ्यर्थियों की मौत हो चुकी है. इसके बाद झारखंड सरकार ने भर्ती परीक्षा को कुछ दिनों के लिए स्थगित भी कर दिया था.

पुलिसकर्मियों का लंबित भत्ता शीघ्र लागू होगा

रांची। पुलिसकर्मियों के लंबित सभी भत्ता को यथाशीघ्र लागू करने का सीएम हेमंत सोरेन ने भरोसा दिया है. झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष व महामंत्री ने शुक्रवार को सीएम से मुलाकात की. उन्होंने राज्य के पुलिसकर्मियों को वर्दी, राशन, वाहन समेत अन्य भत्ता को पुनरीक्षित दर से लागू करने हेतु अनुरोध किया गया. साथ ही करमा पूजा पर पुलिस केंद्र, रांची में शनिवार को आयोजित होनेवाले कार्यक्रम में शामिल में होने के लिए भी सीएम हेमंत सोरेन को आमंत्रित किया.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव आज रांची में

रांची। पीएम नरेंद्र मोदी के झारखंड दौरे के पूर्व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, रेल एवं इलेक्टॉनिक्स एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार की शाम रांची पहुंचेंगे. इसके उपरांत वे रविवार को टाटानगर स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेनों के उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहेंगे.

बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार का मरहम : बफर स्टॉक के प्याज को सस्ते दरों पर बेचने का निर्देश

रांची में आठ जगहों पर 35 रुपये प्रति किलो मिल रही प्याज

शुभम किशोर। रांची

आम से लेकर खास लोगों की रसोई में आलू और प्याज बेहद जरूरी खाद्य पदार्थों में से एक है. अगर इनकी कीमत बढ़ती है, लोगों का बजट बिगड़ जाता है. वर्तमान में प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं. ऐसे में केंद्र सरकार प्याज की कीमत को नियंत्रित रखने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है. केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बढ़ते हुए मूल्य

पर नियंत्रण के लिए बफर स्टॉक के प्याज को सस्ते दरों पर बेचने का निर्देश दिया है.

इस क्रम में रांची सहित आधा दर्जन बड़े शहरों में 35 रुपये प्रति किलो की दर पर प्याज की बिक्री शुरू की गई है. झारखंड की राजधानी रांची में नेफेड और एनसीसीएफ की तरफ से आठ स्थल चिह्नित किए गए हैं, जहां मोबाइल वैन लगाकर किफायती दरों पर प्याज की बिक्री शुरू की गई है. आमलोगों के लिए कांके रोड (स्पीकर निवास के पास), पिस्का मोड़, मोरहाबादी, चांदनी चौक (कांके), लालपुर चौक, बिरला मैदान, बहु बजार और बरियातू में मोबाइल वैन के माध्यम से 35 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज की बिक्री की जा रही है.

देशभर में प्याज की कोई कमी नहीं है : निधि खरे

निधि खरे, उपभोक्ता मामलों की सचिव.

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि नेफेड और एनसीसीएफ के मोबाइल वैन के अलावे विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, सफल आउटलेट और केंद्रीय भंडार पर भी कम कीमत पर प्याज खरीदा जा सकता है. देश में प्याज की कोई कमी नहीं है. बफर स्टॉक के तहत 4.7 लाख टन प्याज की खरीद की गई थी. किसानों और व्यापारियों के पास भी पर्याप्त प्याज का भंडारण है. सरकार ने प्याज की कीमतों पर नजर रखने के लिए 550 केंद्रों पर निगरानी रखी है. निधि खरे ने बताया कि रांची के अलावा दिल्ली-एनसीआर में 50, मुंबई में 50, चेन्नई में 19, गुवाहटी में 11 और भुवनेश्वर में 10 जगहों पर मोबाइल वैन के माध्यम से किफायदी दर पर प्याज बेचे जा रहे हैं. अगले कुछ दिनों में देश के अन्य शहरों में भी सस्ती कीमत पर प्याज की बिक्री शुरू होगी.

धनिया पत्ता 300 और प्याज 50 रुपये किलो

रांची। राजधानी के बाजारों मे इन दिनों साग-सब्जियों का दाम आसमान पर है. महंगाई से लोगों की जेब ढीली हो रही है. सब्जियों के दामों ने लोगों को परेशान कर दिया है. कई सब्जियों के दाम आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गए हैं. धनिया पत्ता 300 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि प्याज 50 रुपये, शिमला मिर्च 100 रुपये, हरी मिर्च 70, फूलगोभी 60 रुपये, मद्रासी ओल 50 रुपये, बंधा गोभी 40 रुपये, लाल और सफेद आलू 30-35 रुपये प्रतिकिलो की दर से बिक रही है. वहीं, करैला 40 रुपये, फ्रेंचबिन 60 रुपये प्रतिकिलो पर पहुंच गई है. जबकि, बैगन 30 रुपये, बोदी 20 रुपये और कद्दू 40 रुपये प्रति किलो बिक रहा है.

पुराने विस मैदान में बिना परमिशन बनाया जा रहा था दुर्गा पूजा पंडाल

पंडाल का निर्माण प्रशासन ने रुकवाया, समिति में रोष

संवाददाता। रांची

पुराना विधानसभा मैदान में श्री रामलला पूजा समिति द्वारा भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण करवाया जा रहा है. शुक्रवार को पंडाल निर्माण कार्य को पुलिस प्रशासन द्वारा रोक दिया गया. इसके विरोध में समिति के सदस्य, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, रांची विधायक सीपी सिंह ने रोष व्यक्त किया है. समिति के महासचिव कुणाल आजमानी ने कहा कि पिछले 13 दिनों से पूजा पंडाल का निर्माण कार्य चल रहा था, लेकिन अचानक पूजा पंडाल में काम करने वाले कारीगरों को जगन्नाथपुर थाना की पुलिस ने काम बंद करने का आदेश दे दिया, जबकि यह जगह एचईसी को आठ लाख रुपये देकर भाड़े पर ली गई है.

पंडाल निर्माण का कार्य रोके जाने की सूचना जैसे ही शहर की पूजा समितियों के पदाधिकारियों को मिली, तो सभी पुराना विधानसभा मैदान पहुंचे. श्री रामलला पूजा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पूजा पंडाल के निर्माण से पहले जिला प्रशासन के सभी वरीय अधिकारियों को पत्र के माध्यम से दुर्गा पूजा आयोजन व भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराये जाने से संबंधित सूचना दे दी गयी थी. कुणाल आजमानी ने कहा कि किसी ने पूजा पंडाल निर्माण में किसी तरह का कोई भी दिशा-निर्देश नहीं दिया. अब जब पूजा पंडाल का निर्माण कार्य चल रहा है, तो विघ्न डाला जा रहा है. दुर्गा पूजा पंडाल में प्रतिमा का निर्माण कार्य भी आधे से अधिक हो गया है. ऐसे में बेवजह पंडाल रोकने का आदेश दिया जाना समझ से परे है.

परमिशन के बिना नहीं होगा पंडाल का निर्माण : कुणाल आजमानी ने बताया कि श्रीराम लला पूजा समिति के सदस्यों ने जगन्नाथपुर थाना प्रभारी से मुलाकात की, तो उन्होंने कहा कि बिना परमिशन के पंडाल का निर्माण हो रहा था, इसलिए निर्माण कार्य रोक दिया गया है. वरीय अधिकारियों का आदेश लाने के बाद ही पंडाल का निर्माण शुरू हो सकेगा. बता दें 98 लाख की लागत से अयोध्याधाम के श्री राम लला मंदिर के प्रारूप पर पंडाल बनाया जा रहा है.

पुराना विधानसभा मैदान में मौजूद हटिया विधायक नवीन जायसवाल व पूजा समितियों के पदाधिकारी.

पंडाल तो बनकर रहेगा : नवीन जायसवाल

हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि शहर में बनने वाले पूजा पंडालों में बहुत भीड़ बढ़ जाती है. ऐसे में शहर से थोड़ा हट करखुली जगह पर पूजा पंडाल का निर्माण किया जा रहा है. ऐसे में पूजा पंडाल के निर्माण कार्य को पुलिस द्वारा रोका जा रहा है और कहा गया कि ऊपर से आदेश है. ये ऊपर से आदेश किसका है, ये सिर्फ तुष्टीकरण के लिए ऐसा किया जा रहा है, लेकिन अब ये पूजा पंडाल बनकर रहेगा.

आज संरक्षक संजय सेठ करेंगे बैठक

श्री रामलला पूजा समिति के मुख्य संरक्षक सह केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ शनिवार दोपहर 12 पंडाल परिसर में बैठक कर दुर्गापूजा के आयोजन को सफल बनाने पर विचार-विमर्श करेंगे. भव्य पंडाल का निर्माण कार्य कैसे किया जाए, इस पर भी विचार-विमर्श होगा. पंडाल निर्माण कार्य रोके जाने के मुद्दे पर मंत्री संजय सेठ भी अदिकारियों से बातचीत करेंगे.

पीएम के दौरे को लेकर तैयारी अंतिम चरण में

रांची। पीएम मोदी के जमशेदपुर आगमन को लेकर पुलिस-प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है. सारी तैयारी एसपीजी की निगरानी में चल रही है. पीएम के सोनारी एयरपोर्ट पहुंचने के बाद एवं उनके यहां से लौटने तक पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी तत्परता के साथ डटे रहने के लिए कहा गया है. पीएम की सुरक्षा को लेकर सोनारी से टाटानगर स्टेशन एवं गोपाल मैदान तक के क्षेत्र को जोन में बांटकर अधिकारियों को जिम्मेवारी दी गई. प्रत्येक जोन में एडीएम एवं डीएसपी रैंक के अधिकारी को तैनात किया जाएगा. उसके बाद सब जोन में इंस्पेक्टर एवं सब इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती होगी.

लोहरदगा में 26 सितंबर को योगी की जनसभा

रांची/लोहरदगा। लोहरदगा में आगामी 26 सितंबर को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम प्रस्तावित है. यहां योगी विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और परिवर्तन संकल्प रथ को रवाना करेंगे. कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शामिल होंगे. यूपी के सीएम के कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को व्यवस्था प्रमुखों का चयन किया गया. भाजपा दक्षिणी प्रमंडल प्रभारी सह प्रदेश भाजपा मंत्री गणेश मिश्र ने बताया कि परिवर्तन संकल्प रथ का स्वागत सेन्हा, राणा चौक, गुदरी बाजार, पावरगंज चौक और साइडिंग में होगा. उन्होंने कहा कि झारखंड की गठबंधन सरकार के प्रति जनता में आक्रोश है.

इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम में एलईडी लाइट व अन्य सामानों के लिए टेंडर

रांची के मोरहाबादी स्थित मंदिर मैदान में बना इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम.

संवाददाता। रांची

- सात साल में भी स्टेडियम का उद्घाटन नहीं हो सका

मोरहाबादी स्थित मंदिर मैदान में बने इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम के लिए एलईडी लाइट सहित कई सामानों के लिए टेंडर निकाला गया है. जारी टेंडर में एलईडी लाइट, इन्वर्टर बैट्री सेट, ब्लॉक फोटो, सेन्टर टेबल, एल्युमिनियम सीढ़ी, एग्जॉस्ट फैन, अलमारी सहित अन्य आवश्यक सामग्रियों के लिए टेंडर निकाला गया है. टेंडर जमा करने की अंतिम तारीख 24 सितंबर रखी गई है.

बता दें कि 12 नवंबर 2017 को तत्कालीन सीएम रघुवर दास और खेल मंत्री अमर कुमार बाउरी ने इस स्टेडियम के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था. करीब पांच करोड़ की लागत से इसके भवन और तीन बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण होना था. स्टेडियम का निर्माण 2022 में हो गया, लेकिन बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण में पेच फंसता रहा और लगभग सात साल बाद भी स्टेडियम न तो हैंडओवर हुआ और न ही इसका उद्घाटन हो सका. वर्तमान में स्टेडियम में कुछ न कुछ काम चल ही रहे हैं. चाहे वो स्टेडियम परिसर में लगभग 40 लाख की लागत से पेवर ब्लॉक लगाने का काम हो या फिर एलईडी लाइट का काम. बता दें स्टेडियम के अंदर बैठने के लिए दर्शक स्टैंड और जिम भी बनाया गया है.

दुकान में आग लगने से 25 लाख के सामान राख

रांची। तुपुदाना ओपी क्षेत्र में आव्या इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में शुक्रवार को आग लगने से 25 लाख से अधिक के सामान जल कर राख हो गये. अगलगी का कारण शॉट सर्किट बताया गया. इस घटना में दुकान में रखी फ्रिज, एसी, एलईडी, वाशिंग मशीन, गीजर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स सामान जल गए. दुकान की संचालक प्रीति सिंह ने बताया कि सुबह जैसे ही दुकान का शटर खोला, अंदर से धुंआ और आग की तेज लपटें शटर की ओर आ रही थीं. आनन-फानन में फायर बिग्रेड को सूचना दी. इसके बाद दो दमकल मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद आग बुझाया गया. लेकिन तब तक सारे सामान राख हो चुके थे.

डीवीसी लगाएगी 1600 मेगवाट का नया पावर प्लांट

विशेष संवाददाता। रांची

- कोडरमा में अल्ट्रा क्रिटिकल सुपर थर्मल पावर प्लांट बनेगा
- 2027 तक प्लांट की दोनों यूनिट को पूरा करने का लक्ष्य

सेंट्रल पावर सेक्टर की कंपनी दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) अपनी पावर उत्पादन क्षमता को बढ़ाने जा रही है. डीवीसी, कोडरमा में दूसरे चरण के तहत 1600 मेगावाट का पावर प्लांट लगाएगी. पूर्व से यहां 500-500 मेगावाट की दो यूनिट है. दूसरे चरण में यहां 800-800 मेगावाट का दो यूनिट बनाया जाना है. दोनों यूनिट का निर्माण वर्ष 2027 तक पूरा करना है. इसके शुरू होने से डीवीसी के कोडरमा प्लांट की कुल क्षमता 2600 मेगावाट की हो जाएगी.

एसबीआई ने 10,050 करोड़ का लोन मंजूर किया : कोडरमा प्लांट के लिए एसबीआई ने 10,050 करोड़ रुपये के लोन की स्वीकृति दी है. इस प्लांट को कुल 14 हजार करोड़ की लागत से बनना है. यह अल्ट्रा क्रिटिकल सुपर थर्मल प्लांट पावर प्लांट होगा. बताया गया कि इस प्लांट से झारखंड जितनी बिजली लेना चाहेगा, उतनी दी जाएगी. इसके लिए पहले से ही पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) करना होगा. नई दिल्ली में कोडरमा प्लांट के लिए डीवीसी और एसबीआई के अधिकारियों के बीच लोन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए.

इस दौरान एसबीआई के एमडी अश्विनी कुमार तिवारी, डिप्टी एमडी गुलशन मलिक व अमिताभ चटर्जी और डीवीसी के पदाधिकारियों में मेंबर फायनेंस अरूप सरकार, इडी फायनेंस जॉयदीप मुखर्जी व सीजीएम दुर्गेश मैती उपस्थित थे.

जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाये जाने के निर्णय को चुनौती

विधि संवाददाता। रांची

जमशेदपुर टाउन (फाइल फोटो).

- झारखंड हाईकोर्ट ने फिलहाल सरकार के निर्णय पर रोक लगाने से इंकार किया
- सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा एक मामला निष्पादन के बाद अगली सुनवाई करेगा हाईकोर्ट

झारखंड सरकार द्वारा पूरे जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने बताया कि इसी तरह के एक मामले में जवाहरलाल शर्मा द्वारा जमशेदपुर को नगर निगम बनाने और इंडस्ट्रियल टाउन नहीं बनने को लेकर वर्ष 2018 में ही सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई है. मामला शीर्ष अदालत में लंबित है.

एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की खंडपीठ को महाधिवक्ता ने बताया कि इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर सहमति भी जताई है कि राज्य सरकार चाहे तो जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाया जा सकता है. राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जवाहरलाल शर्मा बनाम झारखंड सरकार की रिट याचिका निष्पादित होने के बाद निर्धारित की है. बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट में इस मामले को लेकर सौरभ विष्णु की ओर से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता रोहित सिन्हा ने पैरवी की.

बृहद शहरी इलाके को नगर निगम बनाने का आग्रह : झारखंड हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में झारखंड सरकार द्वारा 23 दिसंबर 2023 के नोटिफिकेशन के तहत पूरे जमशेदपुर की 15460 एकड़ जमीन को मिला कर इंडस्ट्रियल टाउन बनाये जाने के निर्णय को चुनौती दी गई है. इसमें टाटा स्टील की फैक्ट्री और उसकी कॉलोनी के साथ-साथ जमशेदपुर नोटिफाइड एरिया कमेटी भी शामिल है. प्रार्थी ने झारखंड सरकार के इस नोटिफिकेशन को रद्द करने का आग्रह किया है. साथ ही साथ जमशेदपुर के बृहद शहरी इलाके में संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत नगर निगम बनाने का निर्देश जारी करने का का आग्रह किया है. प्रार्थी सौरभ विष्णु का कहना है कि जमशेदपुर के इंडस्ट्रियल टाउन बनने से वहां की देखरेख की जिम्मेदारी जमशेदपुर डीसी की अध्यक्षता में टाटा स्टील के पास है. इससे इंडस्ट्रियल टाउन पूरी तरह टाटा स्टील के हाथों में चली गई है. पूरे जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाने से म्युनिसिपल कमिश्नर की पोस्टिंग और मेयर के चुनाव से जनता वंचित हो जाएगी.

गोलबंदी | बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ 16 को पाकुड़ में होगी आदिवासी ग्राम प्रधानों की बैठक

रेत में सिर गाड़ लेने से सच्चाई नहीं बदल जाती : चंपाई

विशेष संवाददाता। रांची

- मांझी परगना महासम्मेलन में शामिल होंगे चंपाई सोरेन
- ग्राम प्रधान के अलावा कई आदिवासी अगुवा हिस्सा लेंगे

झारखंड के संथालपरगना प्रमंडल में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा गरमा गया है. पाकुड़ जिले के कुछ गांवों में हाल में आदिवासियों और हिंदुओं पर हमले की घटनाओं के बाद लोगों में आक्रोश हैं. आदिवासी समाज के लोग अब घुसपैठ के खिलाफ आंदोलन के लिए गोलबंद हो रहे हैं. आदिवासी समाज ने इस मुद्दे पर 16 सितंबर को पाकुड़ जिले के हिरणपुर में पारंपरिक आदिवासी स्वशासन व्यवस्था के तहत ग्राम प्रधानों का महासम्मेलन बुलाया है. 'मांझी परगना महासम्मेलन' के नाम से होने वाले इस आयोजन में झारखंड के पूर्व सीएम और भाजपा नेता चंपाई सोरेन खास तौर पर शिरकत करेंगे.

पाकुड़ में अल्पसंख्यक हो चुका है आदिवासी समाज : चंपाई ने कहा है कि इस महासम्मेलन में समाज के पारंपरिक ग्राम प्रधानों एवं अन्य मार्गदर्शकों के साथ बैठ कर हम लोग घुसपैठ और अपनी ही जमीन से बेदखल होते आदिवासियों की समस्या का कारण समझने तथा समाधान तलाशने पर मंथन करेंगे. इसी दिन बाबा तिलका मांझी और वीर सिदो कान्हू के संघर्ष से प्रेरणा लेकर आदिवासी समाज अपने अस्तित्व और माताओं, बहनों व बेटियों की अस्मत बचाने के लिए सामाजिक जन आंदोलन शुरू करेगा. चंपाई ने कहा कि पाकुड़ ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ विद्रोह करने वाले वीर शहीदों की धरती है. आज उसी पाकुड़ में हमारा आदिवासी समाज अल्पसंख्यक हो चुका है. अब इसी धरती से पूरे संथालपरगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ संघर्ष का ऐलान होगा.

वोट बैंक के आंकड़े छिपा रहे हैं कुछ राजनीतिक दल

भाजपा में शामिल होने के बाद से ही बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर चंपाई सोरेन सख्त तेवर अपनाए हुए हैं. बांग्लादेशी घुसपैठ को गंभीर समस्या बताते हुए उन्होंने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक लंबा पोस्ट किया. उन्होंने नाम लिये बिना पूर्व सीएम पर निशाना साधा. कहा, वोट बैंक के लिए कुछ राजनीतिक दल भले ही आंकड़े छिपाने का प्रयास करें, लेकिन शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सिर गाड़ लेने से सच्चाई नहीं बदल जाती. वोटर लिस्ट पर नजर डालने से ही यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारी माटी, हमारी जन्मभूमि से हमें ही बेदखल करने में बांग्लादेशी घुसपैठिए काफी हद तक सफल हो गए हैं.

संथाली टोला में आदिम जनजाति का अस्तित्व खत्म

पाकुड़ के जिकरहट्टी स्थित संथाली टोला और मालपहाड़िया गांव का उदाहरण देते हुए चंपाई ने कहा कि यहां अब आदिम जनजाति का कोई सदस्य नहीं बचा है. आखिर वहां के भूमिपुत्र कहां गए? उनकी जमीनों, उनके घरों पर अब किसका कब्जा है? इसके साथ-साथ वहां के दर्जनों अन्य गांवों-टोलों को जमाई टोला में कौन बदल रहा है? अगर वे स्थानीय हैं, तो फिर उनका अपना घर कहां है? वे लोग जमाई टोलों में क्यों रहते हैं? किस के संरक्षण में यह गोरखधंधा चल रहा है? चंपई सोरेन ने पाकुड़ या आसपास के लोगों से इस बदलाव का हिस्सा बनने की अपील की है.

शहर में आज

1. करमा पर्व, शहर में कई जगह कार्यक्रम, दिन के 10 बजे
2. पर्यषण पर्व, दिगंबर जैन भवन में सिबह सात बजे से
3. प्रदेश कांग्रेस की बैठक कांग्रेस भवन में दिन के 11 बजे से

ब्रीफ खबरें

राजद ने रघुवंश बाबू की पुण्यतिथि मनाई

रांची। राजद प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को समाजवादी नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री मनरेगा मैन डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई. इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश के उपाध्यक्ष अनीता यादव, युवा राजद अध्यक्ष रंजन कुमार, महासचिव मंतोष यादव, सचिव चंद्रशेखर भगत, रामकुमार यादव, सचिव अजय यादव, लालू यादव, शुभम ठाकुर, सोनी बारला, मती फूलमणि बारला समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल थे.

रांची मंडल की तीन ट्रेनों की समयसारिणी बदली

रांची। रांची रेल मंडल से चलने वाली तीन ट्रेनों की संबलपुर स्टेशन की समयसारणी में परिवर्तन किया गया है. 18309 संबलपुर- जम्मू तवी एक्सप्रेस का 2 जनवरी 2025 से संबलपुर स्टेशन से प्रस्थान 10:50 बजे होगा. 18311 विशाखापत्तनम - बनारस एक्सप्रेस का यात्रा प्रारंभ 1 जनवरी 2025 से संबलपुर स्टेशन पर आगमन 12:35 बजे एवं प्रस्थान 12:45 बजे होगा. 18310 जम्मू तवी संबलपुर एक्सप्रेस 17 सितंबर से संबलपुर स्टेशन पर आगमन 16:30 बजे होगा.

लोक अदालत में 18 मामले निष्पादित

रांची। झालसा के निर्देशानुसार जिला विधिक प्राधिकार समिति (डालसा) द्वारा यूको बैंक की मेन रोड स्थित मुख्य शाखा में स्थाई लोक अदालत का आयोजन किया गया. पांच दिवसीय (9 से 13 सितंबर) तक यूको बैंक में आयोजित स्थाई लोक अदालत शिविर में यूको बैंक की 12 शाखाओं के कुल 18 विवादित मामलों का निष्पादन किया गया. इसके तहत 35.69 लाख रुपए की ऋण राशि का निपटान किया गया.

शोकसभा में याद किये गये सीताराम येचुरी

रांची। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुर के निधन पर शुक्रवार को शोक सभा में वक्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया. मौके पर सीटू अध्यक्ष भवन सिंह, सीपीएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, प्रदेश राजद महासचिव कैलाश यादव, सीपीएम के राज्य सचिव मंडल समीर दास, सीपीएम के अमल पांडेय, हटिया मजदूर युनियन के महासचिव हरेंद्र यादव ने अपने विचार रखा. निर्णय लिया कि येचुरी की स्मृति में मीटिंग 18 सितंबर को एसडीसी सभागार में होगी.

सरना कोड पर घोषणा करें पीएम : कांग्रेस

रांची। आगामी विधानसभा चुनाव का मोर्चा संभालने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड आ रहे हैं. उम्मीद है कि कोरे आश्वासन और झूठे वादों की बरसात नहीं करेंगे. पांच वर्षों तक झारखंड की उपेक्षा करने वाले फिर झारखंड आकर भोली-भाली झारखंडी जनता को ठगने का प्रयास करेंगे. यह बातें प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहीं. उन्होंने कहा कि आखिर प्रधानमंत्री झारखंड क्या करने आ रहे हैं. झारखंडी जनता के हित में कौन सा निर्णय उन्होंने लिया है. उनके मंत्री और नेता उन्हीं के इशारे पर झारखंड को सांप्रदायिकता के हवाले करने की तैयारी में है.

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का संवाद आपके साथ कार्यक्रम जारी, देवघर और गिरिडीह में कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

हमारी उदासीनता के कारण हमारे वोटर मतदान केंद्र तक नहीं पहुंच पाते हैं : महतो

विशेष संवाददाता।रांची

- कहा–नेतृत्व की कार्यशैली को देखकर लोगों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी

संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने शुक्रवार को देवघर, गिरिडीह जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं नेताओं अग्रणी संगठन मोर्चा के सदस्यों से मुलाकात कर उनसे संपर्क स्थापित किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं की बातें सुनता हूं कि उनकी क्या वेदना है. संगठन की मजबूती में उन्हें क्या परेशानियां हैं, ताकि उसे दूर किया जा सके. आज हमें आत्म चिंतन की जरूरत है कि चुनाव के दिन और चुनाव के दौरान हमारी कैसी भूमिका होनी चाहिए. हमारे लोग अपनी पूरी क्षमता का उपयोग चुनावी जंग को जीतने में कर पा रहे हैं या नहीं इसका आकलन जरूरी है. हमारी सक्रियता चुनाव के दिन बूथवार मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में होनी चाहिए. हमारी उदासीनता के कारण हमारे समर्थक मतदाता भी मतदान केंद्र तक आने में रुचि नहीं दिखाते. संगठन की असली परीक्षा चुनाव के दिन होती है और इसकी पूरी जिम्मेवारी संगठन के निचले क्रम के कार्यकर्ताओं की होती है. हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम उन्हें मजबूत करें, हमें अपने अंदर अनुशासन को लाना होगा, तभी पूरी क्षमता के साथ संगठन में काम कर सकेंगे. नेतृत्व की कार्यशैली को देखकर लोगों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी. इस मौके पर पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्र लेख, मुन्नम संजय, रवींद्र वर्मा सोशल मीडिया अध्यक्ष गजेंद्र सिंह,सुनील सिंह, अभिलाष साहू,राजेश चंद्र राजू, फैयाज केसर,प्रोफेसर उदय प्रकाश,रवि केसरी सहित कई उपस्थित थे.

स्क्रीनिंग कमेटी सात विस के इच्छुक प्रत्याशियों से मिली

विधानसभा चुनाव हेतु गठित स्क्रीनिंग के अध्यक्ष गिरीश चोड़नकर, सदस्य पूनम पासवान, प्रकाश जोशी ने शुक्रवार को चतरा, सिमरिया, रामगढ़, हजारीबाग, मांडू, कोडरमा, बरही विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले इच्छुक उम्मीदवारों, जिला अध्यक्षों,वरीय नेताओं,कार्यकर्ताओं से मुलाकात की. इस दौरान इन्होंने क्षेत्रवार परिस्थितियों तथा उम्मीदवारों के संबंध में अवगत हुए. इस दौरान प्रदेश मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी एवं सत्यनारायण सिंह उपस्थित थे.

कहा : घुसपैठ के जरिए खतरनाक खेल खेल रही है भाजपा, कोर्ट स्वतः संज्ञान ले

घुसपैठ पर केंद्र सरकार के हलफनामे पर झामुमो ने उठाए गंभीर सवाल

विशेष संवाददाता।रांची

बांग्लादेशी घुसपैठ पर केंद्र सरकार के द्वारा हाईकोर्ट में जमा किए गए हलफनामे पर झामुमो ने जमकर हमला बोला है और कई गंभीर सवाल खड़ किए. कहा कि जो शपथ पत्र दायर हुआ है, फिर उसकी सुनवाई अगले मंगलवार को होगी. लेकिन कहीं इस बात का जिक्र नहीं है कि बांग्लादेश से कितने लोग संथाल परगना के इलाके में आकर रह रहे हैं. शपथ पत्र में 2011 के सेंसस को एक आधार बनाया गया.

उसमें 1961 को बेसलाइन माना गया और 2011 का सेंसस दिया गया. मतलब 50 साल का समय. शपथ पत्र पर सवाल खड़े करते कहा कि तब आदिवासियों का प्रतिशत इतना था और मुस्लिमों का इतना था और ईसाइयों का इतनी था और अब ये इतना रह गया. उसमें कहीं संख्या नहीं है. छह जिले को लेकर न्यायालय में शपथ पत्र दायर किया. आप आदिवासी लिखते हैं तो बताइएगा ना कि वो सरना है या गैर सरना. संथाल परगना में पुराने समय से खासकर साहिबगंज, राजमहल पाकुड़ ये इलाका बाग्ला भाषी इलाका है. भाषा से धर्म विभाजित नहीं होता है. ईसाई बढ़ गए. ईसाई को अलग से इंडिकेट कर दिया. क्या वो आदिवासी से अलग हो गये. केंद्र सरकार ने मजाक बना कर रखा है. एनआरसी की बात शपथ पत्र में आती है. उनके सांसद संथाल परगना को तोड़ने की बात कहते हैं. ये खेल हमलोग समझते हैं. ये बहुत खतरनाक खेल है. इस प्रकार से राज्य में विभाजनकारी गतिविधियां तेज किये हैं. ये कबीर, गुरुनानक, बुद्ध और महावीर का देश है. कैसी-कैसी ओछी बात होती है. राजनीतिक मुद्दा है सामने लाइए. मैं हाईकोर्ट से विनती करता हूं कि आप इसमें स्वतः संज्ञान लें. कोर्ट की शर्तें पार्टी दफ्तरों में ना लिखी जाएं. उक्त बातें पार्टी प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

मुद्दाविहीन भाजपा सांप्रदायिक डेमोग्राफी की बातें कर रही

सुप्रियो ने कहा कि जब देश आजाद हुआ था, तब 33 करोड़ लोग थे, आज 150 करोड़ हैं. अब भ्रम की स्थिति पैदा की जा रही है. चुनाव सामने आ रहा है तो भाजपा के पास मुद्दा नहीं रह गया, इसलिए सांप्रदायिक डेमोग्राफी की बात कर रहे हैं. न्यायालय में यदि कुछ चल रहा है तो पार्टी के दफ्तरों में क्यों उसकी आलोचना हो रही है. राजनीतिक दल का दफ्तर न्यायालय नहीं है. न्यायालय की कार्रवाई में राजनीतिक दल को यदि आना है, तो उनको इंटर वेनर बनना पड़ेगा. क्या भाजपा इस केस की इंटर वेनर है, जो उनके दफ्तर में ये बात होती है. कोर्ट में शपथ पत्र जमा हुआ है. कोर्ट को ये तय करना है कि उसपर सुनवाई होगी या नहीं. उसपर बहस होगी. चीजें सामने आएंगी. विवेचना होगी. कोर्ट अपना फैसला सुनाएगा. जो उनसे वाकिफ नहीं होंगे वो और ऊपर की अदालत में जा सकते हैं.

50 साल में तो पूरे देश का डेमोग्राफी चेंज हुई है

उन्होंने कहा कि मैं रांची का बहुत पुराने वासिंदे से बात कर रहा था. उनकी उम लगभग 97–98 साल थी. हमने उनसे पूछा कि रांची में लोग कब से आ रहे हैं. तब उन्होंने हमसे कहा कि 1952 से जब एचईसी का निर्माण होना शुरू हुआ, तब से लोग आने लगे. उस वक्त रांची में पूरे जिले की आबादी 3 लाख से भी कम थी और आज रांची शहर की आबादी 35 लाख से ज्यादा है. उस वक्त मूलतः रांची में आदिवासी सबसे बड़ी कम्युनिटी थी और बंगाली उसके बाद का कम्युनिटी थी, शहर के अंदर. लेकिन आज की स्थिति ऐसी है कि बंगाली कम्युनिटी कई कारणों से दूसरी सबसे बड़ी कम्युनिटी नहीं है. यह डेमोग्राफी चेंज इन 50 वर्षों में पूरे हिंदुस्तान का हुआ है.

'तुष्टीकरण की राजनीति झामुमो को घुसपैठ की सच्चाई देखने नहीं दे रही'

विशेष संवाददाता।रांची

भाजपा ने झामुमो पर पलटवार किया है. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने शुक्रवार को झामुमो को नसीहत दी कि वह तुष्टीकरण और वोट बैंक के चश्मे को खोल कर अगर केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के उप सचिव के द्वारा दायर किए गए उच्च न्यायालय में एफिडेविट को पढ़ेंगे, तो उन्हें घुसपैठ के विषय में सारा कुछ स्पष्ट हो जाएगा. प्रतुल ने कहा सिर्फ वोट बैंक का तुष्टीकरण की राजनीति के कारण झामुमो सच्चाई से इन्कार कर रही है. प्रतुल ने कहा कि केंद्र सरकार गृह मंत्रालय के उप सचिव के द्वारा उच्च न्यायालय में दिए एफिडेविट के पॉइंट नंबर 35 में स्पष्ट लिखा है कि झारखंड के संथाल परगना के 6 जिलों में घुसपैठ पाकुड़ और साहिबगंज के इलाके से हुई जो पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश से नजदीक का इलाका है. इसी बिंदु में यह भी लिखा है कि इन सीमावर्ती जिलों में बड़े संख्या में मदरसे बनाए हैं. प्रतुल ने कहा कि केंद्र सरकार के इसी एफिडेविट में वर्णित है कि 2021 में केंद्र ने राज्य सरकार को दो बार पत्र लिख कर 203 और एक बार 145 घुसपैठिए की सूची सौंप थी. केंद्र ने राज्य को इस पर कार्रवाई करने को भी कहा था. मगर राज्य सरकार उसको दबा कर बैठ गई. प्रतुल ने कहा हेमंत सोरेन राजधर्म नहीं निभा रहे हैं.

राम मंदिर के स्वरूप के पंडाल पर पर सरकार को आपत्ति क्यों : प्रतुल

प्रतुल ने कहा कि धुर्वा के पुराने विधान सभा मैदान में राम मंदिर के स्वरूप के बन रहे पंडाल को लेकर सरकार जबरदस्ती तनाव उत्पन्न कर रही है. 500 वर्ष बाद रामलला अयोध्या में विराजमान हुए हैं और अगर राम मंदिर के स्वरूप का भव्य पंडाल बन रहा है, तो इस पर सरकार को आपत्ति क्यों? राम मंदिर स्वरूप पंडाल हिंदुस्तान में नहीं तो क्या पाकिस्तान में बनेगा? प्रतुल ने यह भी कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा पाकिस्तान से आए मुसलमान के लिए किस आधार पर हक मांग रही है? सीएए कानून के तहत इस्लामिक राष्ट्रों में जो पीड़ित अल्पसंख्यक थे उनको नागरिकता देने का प्रावधान था. तो इस्लामी राष्ट्र में मुसलमानों को प्रताड़ित किया जाता हो इस सोच को तो 21 तोपों की सलामी बनती है.

पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने सीएम पर साधा निशाना, पूछा

पांच वर्ष में कितने दुष्कर्मियों को सजा मिली

विशेष संवाददाता।रांची

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता गीता कोड़ा ने आदिवासी,दलित महिलाओं के माध्यम से हेमंत सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार में राज्य की बहन -बेटियों पर लगातार खतरे बढ़ रहे हैं. बेटियां आज असुरक्षित हैं और अपराधी बेलगाम हो गए हैं. पिछले पांच वर्षों में राज्य में सात हजार से अधिक दुष्कर्म की घटनाएं राज्य सरकार के रिकॉर्ड में दर्ज हैं, जिनमें से अधिकांश घटनाएं आदिवासी दलित समाज की बहन- बेटियों के साथ ही घटी हैं. चाहे रूपा तिर्की की संदेहास्पद मौत

- कहा–पिछले पांच वर्षों में राज्य में सात हजार से अधिक दुष्कर्म की घटनाएं

का मामला हो,या रुबिका पहाड़िया को 52 टुकड़ों में काट कर फेंकने.अपने घर में सोई अंकिता पर पेट्रोल डाल कर उसे जलाकर मार डालने, दरोगा संध्या टोपनो को गो तस्करों द्वारा ट्रक से कुचलकर मार देने जैसे जघन्य अपराधिक मामले पुलिस रिकार्ड में दर्ज हैं. इससे पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में राज्य की महिलाओं की स्थिति कैसी रही है और उनके साथ कैसे-कैसे जुल्म हुए हैं. ये बड़ी दुर्भाग्यजनक स्थिति है कि हेमंत सरकार के लिए बेटियों की इज्जत नहीं वोट बैंक प्रिय है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि अब तक कितने बलात्कारियों को राज्य सरकार ने सजा दिलाई है. फास्ट ट्रैक कोर्ट में कितने मामले लंबित हैं.राज्य की बेटियां हेमंत सरकार के कुर्सी मोह को जान चुकी है. इन्हें बेटियों के सम्मान से कुछ भी लेना देना नहीं है.

झारखंड शराब व्यापारी संघ का संशोधन प्रस्ताव

रांची। झारखंड शराब व्यापारी संघ ने नई शराब नीति में कुछ संशोधन का प्रस्ताव रखा है, कृपया सरकार के राजस्व और शराब व्यापारियों दोनों के हित के लिए निम्नलिखित संशोधन पर विचार करें. निवेदन है कि पूर्व की नीतियों एवं उक्त बिंदुओं पर विचार करते हुए निम्न संशोधन करने की कृपा की जाए ताकि सरकारी राजस्व की बढ़ोतरी हो सके **संशोधन विचार :** सभी खुदरा शराब की दुकानों में देशी और विदेशी दोनों प्रकार की शराब की बिक्री की अनुमति दी जानी चाहिए ताकि राजस्व में वृद्धि हो, देशी और विदेशी शराब की दुकानों में बिक्री को नियंत्रित करने के लिए नियम बनाए जाए ताकि विसंगतियों से बंधा जा सके.

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम को लेकर हुई समीक्षा बैठक

स्वास्थ्य सेवाओं पर की गई चर्चा

संवाददाता।रांची

स्वास्थ्य विभाग रांची की ओर से शुक्रवार को शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में आयोजित की गयी. इस बैठक का उद्देश्य शहरी क्षेत्र में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा व आगामी माह की योजना पर विस्तार से चर्चा करना था. बैठक में परिवार नियोजन सेवाओं की समीक्षा, एचएमआईएस पोर्टल पर सटीक डेटा प्रविष्टि, और गुणवत्ता मूल्यांकन पर प्रमुख रूप से चर्चा की गई. इस बैठक का उद्देश्य शहरी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और उन्हें और अधिक प्रभावी बनाना था. बैठक की अध्यक्षता डीआरसएचओ डॉ असीम माझी ने की. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को क्यूआईसी कमेटी सह डाटा कमेटी की बैठक में मासिक डाटा की समीक्षा करने के बाद ही पोर्टल पर डाटा एंट्री करना सुनिश्चित करने को कहा. बैठक में परिवार नियोजन सेवाओं की मौजूदा स्थिति और उनकी गुणवत्ता में सुधार के उपायों पर जोर दिया गया. बैठक में यह भी चर्चा की गई कि परिवार नियोजन सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने के लिए किस प्रकार की रणनीतियों को लागू किया जा सकता है.

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम को लेकर हुई समीक्षा बैठक में मौजूद अधिकारी.

पथ निर्माण, आरएमसी और जुडको को प्रधान सचिव ने दिया स्पष्ट निर्देश

संवाददाता।रांची

नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने सम्बंधित विभागों को नवरात्र से पहले हरहाल मे सड़कों पर उभरे गड्ढों को भरने का निर्देश दिया है.

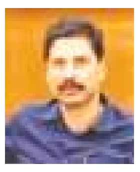

प्रोजेक्ट भवन स्थित सचिव कक्ष मे शुक्रवार को रांची नगर निगम, जुडको और पथ निर्माण विभाग के साथ हुई बैठक में प्रधान सचिव ने यह निर्देश दिया. सड़कों की हालत पर प्रधान सचिव ने कहा कि दोषी और लापरवाह अभियंता हर हाल मे दंडित होंगे. उन्होंने निर्देश दिया कि तत्काल सड़कों का निरीक्षण किया जाए, टूटे डिवाइडर को जगह पर लाकर पुनर्स्थापित किया जाए. सड़कों के किनारे उग आई झाड़ी की सफाई करते हुए वहां हरियाली के लिए पौधे लगाए जाएं. सुनील कुमार ने जुडको को निर्देश दिया कि पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदे गये गड्ढों को ब्लैक टॉप करते हुये भरा जाए. विशेष परिस्थिति में तकनीकी कारणों से ब्लैक टॉप नहीं करना है. प्रधान सचिव ने रांची मे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और जमशेदपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया.

सीएम से वार्ता कर श्रमिक संघ की बैठक करायेंगे सुनिश्चित : डॉ अंसारी

ऊर्जा श्रमिक संघ अध्यक्ष मंत्री से मिले

संवाददाता।रांची

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार को मंत्री डॉ इरफान अंसारी के आवासीय कार्यालय कक्ष में उनसे मुलाकात की. मंत्री ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम में जारी आउटसोर्स के संबंध में विस्तृत जानकारी अजय राय से ली. उन्होंने श्रमिक संघ के अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि वो इस संबंध मे मुख्यमंत्री से वार्ता कर श्रमिक संघ की बैठक सुनिश्चित करायेंगे, ताकि समय रहते इस पर समाधान निकाला जा सके. अजय राय ने बताया कि

प्रोजेक्ट भवन घेराव कार्यक्रम की तिथि की घोषणा की जायेगी. उन्होंने मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह व्यक्तित्व रूप से भी श्रमिक संघ का सहयोग बराबर करते आ रहे हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि वो आउटसोर्स हटाने के साथ साथ कर्मियों की मांगों पर भी सहानुभूति पूर्वक सहयोग कर इस पर समाधान करायेंगे.

श्रमिक संघ की मांगें : आउटसोर्स व्यवस्था खत्म कर उर्जा निगम पुरानी व्यवस्था करे, मानदेय 1000 रुपये से ऊपर अनुभव के आधार पर चार वर्गों में तय हो, नियमित नियुक्ति में प्राथमिकता तय हो, 10 वर्ष से ऊपर सेवा देने वाले कर्मियों का नियमित नियुक्ति हो, एरियर घोटाले की जांच हो और उसका भुगतान सुनिश्चित हो.

पहल बीएयू में बिरसा हरियाली रेडियो स्टेशन का कृषि मंत्री ने किया उद्घाटन, कहा

किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए छात्र प्राथमिकता हों

संवाददाता।रांची

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शुक्रवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में बिरसा हरियाली रेडियो स्टेशन का उद्घाटन किया. यहां से हररोज तीन घंटे पूर्वाह्न 11 से अपराह्न 2 बजे तक किसानों, महिलाओं, बच्चों, स्वास्थ्य, मौसम विज्ञान, स्थानीय संस्कृति, सरकारी योजनाओं आदि से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण होगा. 50 प्रतिशत कार्यक्रम हिंदी में होंगे तथा 50% कार्यक्रमों का प्रसारण स्थानीय भाषा नागपुरी में किया जाएगा. इस रेडियो स्टेशन का कार्यक्रम 107.8 मेगाहर्ट्ज एफएम पर पहाड़ी-पठारी क्षेत्रों में 10 किलोमीटर के रेडियस में तथा मैदानी क्षेत्रों में 20 किलोमीटर के रेडियस में सुना जा सकेगा. यह स्टेशन 50 वॉट एफएम ट्रांसमीटर से युक्त है. सामुदायिक रेडियो से केंद्र या राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों को छोड़ कर अन्य प्रायोजित कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं है. प्रसारण हेतु कंटेंट और सामग्री तैयार करने के लिए विभिन्न संकायों में वैज्ञानिकों की समिति गठित की गई है. कार्यक्रम तैयार करने और प्रस्तुति में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं का भी सहयोग लिया जा रहा है. मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस रेडियो के माध्यम से आसपास के किसानों और ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित होगा. नई तकनीक और सूचनाओं के माध्यम से उनका सशक्तिकरण होगा. कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए विद्यार्थी प्राथमिकता होने चाहिए. उन्हें स्तरीय शिक्षा, बेहतर माहौल एवं सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए. छात्र कल्याण से संबंधित कोई मामला लंबित नहीं रहना चाहिए. क्षेत्र के लिए उपयोगी शोध परिणामों के माध्यम से किसानों का सामाजिक आर्थिक उन्नयन होना चाहिए तथा महिला किसानों के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए. उन्होंने शिक्षकों-कर्मियों की प्रोन्नति तथा खाली पदों पर नियुक्ति के लिए शीघ्र आवश्यक प्रयास करने का भी आश्वासन दिया.

बीएयू में बिरसा हरियाली रेडियो स्टेशन के अवसर पर बोलतीं कृषि मंत्री.

चेन्नई में स्थापित हुआ था सामुदायिक रेडियो स्टेशन

गौरतलब है कि देश का पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन वर्ष 2004 में अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में स्थापित किया गया था और 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन जुलाई 2024 में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय जनसंचार संस्थान, आइजोल (मिजोरम) में किया था. सामुदायिक रेडियो को समाचार प्रसारण की अनुमति नहीं होती है.

District Health Society, Ranchi (Jharkhand)

Tender No. DHS/RAN/01/2024-25 .... (DHS) **Date: 12.09.2024**

Very Short Tender Notification

Civil Surgeon-Cum-Chief Medical Officer, Ranchi invites separate Technical and price Bids (Two Bid System) through tender from the registered and eligible firms for Rate Contract of Sickle Cell Test Kit for All CHC & DH Ranchi District.

The Blank tender documents with detail conditions can be obtained from office & through website www.sadarhospital.com

Sl. No	Particulars	Details
1.	Name of the work	Rate contract for Supply of Sickle Cell Kit
2.	Date/Time of Start of Submission of Bids.	13.09.2024
3.	Last Date/time for receipt of bids	20.09.2024, 03:00 PM
4.	Bid Opening and submission of sample Date	21.09.2024 11:30 AM
5.	EMD in Favoring "DIST RURAL HEALTH SOCITY, RANCHI"	Rs. 25,000.00 (Twenty-five Thousand Only)
6.	Application Fee (Non-Refundable) in favoring "DIST RURAL HEALTH SOCITY, RANCHI	Rs. 500.00 (Five Hundred Only)
7.	Venue for Getting & Submission of tender Document	District Health Society, Civil Surgeon Office, Ranchi Pin code - 834001
8.	Contact Number	9470357559, 7319825488
9.	Affidavit, Tender Fee and EMD हाथों हाथ जमा करने की अंतिम तिथि	20.09.2024, 03:00 PM

Memo No. 1333 (DHS) Ranchi/ Dated 13.09.2024

Sd./- **Civil Surgeon cum CMO, Ranchi**

रांची विवि के दीक्षांत मंडप में करम पूर्व संध्या पर लोक नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं.

रांची विवि के दीक्षांत मंडप में रहा मस्ती का आलम, सरना नवयुवक संघ ने किया करम पूर्व संध्या कार्यक्रम का आयोजन

मांदर की थाप पर थिरके छात्र-छात्राओं के पांव

संवाददाता रांची।

रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में शुक्रवार को सरना नवयुवक संघ द्वारा आयोजित करम पूर्व संध्या हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इसमें रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय विभाग, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि समेत 32 आदिवासी हॉस्टलों के छात्र छात्राओ ने भाग लिया. समारोह में सुबह से ही छात्र छात्राओं मे करम पूर्व संध्या समारोह को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा था. छात्र छात्राएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए. सामूहिक गीत प्रस्तुत करने से पहले तैयार किये गये गीतों को नृत्य मंडली के कलाकार गुनगाना रहे थे. सबसे पहले आकांक्षा आदिवासी बालिका छात्रावास की छात्राओं ने कुड़ुख गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया. लालपाड़ साड़ी और पुरुष सफेद धोती, गंजी और माथे पर पीले रंग की पट्टी और मोर का पंख पहने थे. जनजातीय भाषाओं मे मुंडारी, कुड़ुख़, खडिया, संथाली के विद्यार्थियो ने एकल गीत, सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया. मांदर, ढोल, नगाड़ा और झाल के तालों से ताल मिलाकर नृत्य प्रस्तुत किया गया. छात्राए सफेद रंग का कांसी फूल, पेपर कटिंग से बना लाल, पीला और सफेद रंग का खोपा लगाकर लोगो को अपनी ओर आकर्षित कर रही थीं. छात्र छात्राओं के गले से निकले गीतों के साथ मांदर, ढोल, नगाड़े की आवाज गूज रही थी. वही महिलाओं के पैरो में बंधे पायल और घुंघरू की मधुर आवाज मांदर और नगाड़ों से मिल कर अजब समां बांध रही थी.

दो पत्रिकाओं का विमोचन : इस अवसर पर दो पत्रिका का विमोचन किया गया, जिसमें अद्दी धरम और अयंग खेखेल नामक पुस्तकें शामिल हैं.

ये हुए सम्मानित : दिल्ली विवि के मानव दर्शन अधिकार के सहायक प्रोफेसर डॉ. आशा गौतम उरांव, सेवन स्टार्स एकेडमी के निदेशक डॉ. बिंदेश्वर बेक, सरना नव युवक संघ राउरकेला ओडिशा के पूर्व अध्यक्ष मणिलाल केरकेट्टा , समाज सेवा के क्षेत्र में बहुरा उरांव , शल्य चिकित्सा विभाग रिम्स विभाग के अध्यक्ष डॉ शीतल गिलुआ को सम्मानित किया गया.

सजाये गये अखरा के मुख्य द्वार : रांची। करम पर्व आज शाम सात बजे से पूजा पाठ शुरू होगी.रांची के सभी अखरा को फूल माला ,रंग बिरंगे लाइट से सजाया जा चुका है. अखरा के मुख्य गेट को पूरी तरह से सुसज्जित किया गया है. घर की कुंवारी लड़कियां अपने भाई के लिए दिन भर उपवास रखेगी . पारंपरिक वाद्य यंत्र के साथ युवा युवतियां करम डाली गांव के सीवाने पर जायेंगे. वहां करम पेड़ की पूजा पाठ करेगे. जलअर्पित करेगे. करम देव से विनती करेगे.उसके बाद पेड़ की तीन शाखाए को विधि विधान से काटेगे.शाम तीन से चार बजे लोग अखरा मे वापस लौटेगे. करम डाली लाने वाले युवाओ का पारंपरिक रूप से लोग स्वागत करेगी. उन्हें नाचते गाते अखरा में प्रवेश करायेंगे. इसी बीच युवतियां घर में पीठा रोटी पकाने का काम करेगी. वही हरमु अखरा मे शाम 7.30 बजे युवाओ द्वारा गांव में घुमकर तेल जमा करेगे. कोटवार के लिए लकड़ी चंदा करेगी. रात आठ बजे गांव से इकट्ठा तेल से अखरा में गाड़ा करम डाली के समीप दिया जलायेगे. रात नौ बजे मुख्य अतिथि शामिल होगे.

सरला बिरला विवि में करम परब पर कार्यक्रम

रांची ।सरला बिरला विश्वविद्यालय में करमा पूजा के अवसर पर करम परब 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया. एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने इस अवसर पर कहा कि करम पेड़ समृद्धि और शक्ति का सूचक है. उन्होंने आदिवासी समाज की सामूहिकता और एकता से सभी को सीख लेने की सलाह दी. विवि के प्रभारी कुलपति एसबी डांडीन ने प्रकृति की रक्षा से जुड़े कुछ हालिया उदाहरणों का जिक्र करते हुए लोगों से प्रकृति संरक्षण पर जोर देने को कहा. कुलसचिव प्रो वीके सिंह ने करम परब से पर्यावरण की रक्षा करने की शिक्षा मिलने की बात कही. नर्सिंग विभाग की प्राचार्या डॉ. सुभानी बाड़ा ने सिंधु घाटी सभ्यता से आदिवासियों के जुड़ाव की चर्चा करते हुए करमा और धरमा के पौराणिक कथा सुनायी. इस अवसर पर मनमोहक सांस्कृतिक और रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए. कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए.

अरगोड़ा मैदान में करम परब पूर्व संध्या संगोष्ठी-सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता ।रांची

झारखंड के कला संस्कृति निदेशालय के द्वारा शुक्रवार को अरगोड़ा मैदान में करम परब पूर्व संध्या संगोष्ठी-सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. आयोजन का शुभारंभ कला संस्कृति विभाग के निदेशक आसिफ एकराम के द्वारा राज्य के वरिष्ठ कलाकार पद्मश्री मुकुन्द नायक, पद्श्री मधु मंसुरी हंसमुख,

महावीर नायक, मनपूरन नायक, देवदास विश्वकर्मा, राकेश रमन, डॉ. शकुंतला मिश्र, राजकुमार नागवंशी के साथ सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया. सभी अतिथियों ने करम पर्व की महत्ता के संबंध में अपना वक्तव्य रखा. निदेशक आसिफ ने करम परब पर सभी को शुभकामनाएं दी गई और कहा कि प्राकृतिक पर्व करम परब के मूल उद्देश्य को आज भी प्रासंगिक हैं. उन्होंने यह संकल्प लेने का अनुरोध किया कि प्रकृति की महता को समझते हुए भविष्य की पीढ़ी के लिए सभी को प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए. कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा करमा पर्व पर आधारित नागपुरी, मुंडारी, खड़िया, कुड़ुख, कुरमाली, करसा, खेरवार, संथाली गीत नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियां की गई.

डीएसई ने चडरी मध्य विद्यालय का किया निरीक्षण, कुव्यवस्था पर जताई नाराजगी

संवाददाता।रांची

रांची जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) बादल राज ने शुक्रवार को राजकीय मध्य विद्यालय चड़री का निरीक्षण किया. निरीक्षण क्रम में विद्यालय परिसर में काफ़ी गंदगी पायी गई. विद्यालय में चार शिक्षक पदस्थापित हैं. प्रधानाचार्य कक्ष व्यवस्थित नहीं था. विद्यालय में कक्षाओं के लिए कमरों का अभाव पाया गया. जिसकी वजह से कक्षाएं संयुक्त रूप से संचालित की जा रही थीं. कक्षा सातवीं के साथ कक्षा चार और के.जी के बच्चों को और कक्षा आठवीं के साथ तीसरी कक्षा के बच्चों को बिठाया गया था. जिसपर डीएसई

ने छात्रों को उनके बौद्धिक स्तर के अनुसार आसपास की कक्षाओं का संयोजन करते हुए एक साथ बिठाने का निर्देश दिया. छात्र बहुत से आसान सवालों का भी जवाब नहीं दे पा रहे थे. छात्रों के टॉयलेट बहुत ही गंदगी स्थिति में पाये गये. मध्यान भोजन का किचन गंदा पाया गया. डीएसई ने मध्यान भोजन को साफ सुथरे तरीके से एवं मेनू के अनुसार संचालित करने का निर्देश दिया.

श्रीजैन श्वेतांबर संघ का क्षमापना कल

रांची। श्रीजैन श्वेतांबर संघ का क्षमापना कार्यक्रम रविवार को श्रद्धाभाव से मनाया जाएगा. मौके पर जैन मंदिर, डोरंडा से सुबह आठ बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी. इसके बाद मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे. 30 उपवास करने वाले तपस्वी मयंक बेगानी और समाज के सभी तपस्या करने वालों का सम्मान किया जाएगा. दिन के एक बजे से स्वामी वात्सल्य चलेगा. अध्यक्ष संपतलाल रामपुरिया और सुभाषचंद बोथरा ने समाज के लोगों से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है. उल्लेखनीय है कि पर्युषण पर्व पर जैन समाज की ओर से प्रतिदिन विशेष अनुष्ठान किये जा रहे हैं.

जैन समाज ने की उत्तम संयम धर्म की आराधना

संवाददाता ।रांची

दिगंबर जैन धर्मावलंबी पर्वराज पर्यूषण के छठे दिन शुक्रवार को उत्तम संयम धर्म की पूजा-आराधना कर भक्ति में रमे रहे. शहर के दोनो मंदिरों में सुबह शांतिधारा के साथ विशेष पूजन-अर्चना की गयी. संगीतमय वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण गुंजायमान रहा. दिगंबर जैन मंदिर, जेजे रोड में जहां प्रदीप कुमार, अनन्त कुमार काला परिवार और राजेंद्र कुमार, संजय कुमार बड़जात्या परिवार ने शांतिधारा की, वहीं वासुपूज्य जिनालय में प्रदीप कुमार, निशांत कुमार अजमेरा और कैलाशचंद, मनीष कुमार बड़जात्या

परिवार को इसका अवसर मिला. सामूहिक पूजन के दौरान पंडित निखिल शास्त्री ने सुगन्ध दशमी व्रत के नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला. दोपहर बाद जिन मंदिरों की वंदना करते हुए अष्टांग धूप से प्रभु की आराधना की गयी. अनुयायियों ने आठों कर्मों के नाश करने के भाव से चौबीस तीर्थंकरों के समक्ष धूप अर्पण किया.सांझ ढलते अनुयायियों ने श्रीजी की आरती उतारी. उत्तम संयम धर्म पर शास्त्री जी का प्रवचन हुआ. फिर जैन युवा जागृति की ओर से बंदनवार सजाओ प्रतियोगिता हुई.

शहर के पूजा पंडाल

राजस्थान मित्र मंडल में श्रीकृष्ण लीला के साथ होगा माता का दर्शन

संवाददाता ।रांची

पुआल से बना राजस्थान मित्र मंडल का पूजा पंडाल इस वर्ष दर्शनार्थियों को लुभाएगा. सेवा सदन पथ स्थित पंडाल के नजदीक पहुंचते ही दर्शनार्थी पहले बजरंगबली का दर्शन करेंगे. आगे बढते ही मुरलीधर की बाल लीला को जीवंत करता दृश्य मन मोहेगा. फिर भव्य दरबार में मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं का दर्शन करते हुए श्रद्धालु जैसे ही बाहर निकलेंगे, उन्हे मीना बाजार बरबस ही आकर्षित करेगा. दिल्ली के कुक की ओर से लगाए गए फूड कॉर्नर के साथ चकरी काटते कई तरह के झूले का आनंद लेते हुए सभी बाहर आएंगे. अध्यक्ष अशोक पुरोहित और सचिव मंटू जालान ने बताया कि कुछ इसी तरह की व्यवस्था पूजा समिति की ओर से इस बार की गयी है.

प्रतिमाओं की लागत दो लाख : मां दुर्गा की प्रतिमा में इस बार दो लाख रुपये खर्च आने अनुमान है. 15 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी देवी-देवताओ की प्रतिमाओ की मनोहारी छटा देखते ही बनेगी. स्वर्ण रहित आभूषणों से सजी मां के आदमकद स्वरूप के क्या कहने. मंटू जालान बताते हैं कि अनूठे अंदाज में की गयी साज-सज्जा की खूबसूरती काबिले तारीफ होगी. पिस्का मोड़ के शिल्पकार पिंटू मंडल सहयोगियो के साथ प्रतिमा गढ़ चुके हैं. रंग-रोगन का काम किया जा रहा.

गठित समिति में ये हैं शामिल : मुख्य संरक्षक विनय सरावगी, अध्यक्ष अशोक पुरोहित, सचिव मंटू जालान, मुख्य संयोजक आलोक साहू, सह संयोजक मानू शर्मा पंडित जी, सौरव सरावगी, संजू शर्मा, कोषाध्यक्ष शशांक शर्मा, विष्णु नवहाल, संजय जाजोदिया, मुन्ना शर्मा, कमल अग्रवाल, मनीश कुमार मिक्की सहित बड़ी संख्या में सदस्य पूजनोत्सव के सफल आयोजन में योगदान दे रहे हैं.

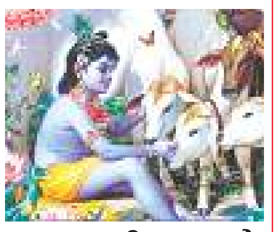

15 लाख की लागत से तैयार हो रहा पंडाल

मंडल का पूजा पंडाल लगभग 15 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा है. 40 लंबा, 25 उंचा और 40 फीट चौड़े पंडाल का ढांचा खड़ा किया जा चुका है. साथ ही साज-सज्जा का काम भी तेजी से चल रहा है. श्रीकृष्ण लीला दृश्य को उकेरने में चित्रकार जुटे हैं. डेकोरेशन के लिए 17 टन पुआल से रस्सा गुथा जा रहा है. सिर्फ पुआल से पंडाल निर्माण का काम बिलकुल पहली बार हो रहा है. मेदिनीपुर जिला के तपन दास के निर्देशन में दर्जनो कारीगर रात-दिन काम कर रहे हैं, ताकि मौसम की बेरुखी के बाद भी वक्त पर काम पूरा हो जाए. कारीगरों की टीम में महिलाएं भी शामिल हैं.

न्यूज अपडेट

मनाया गया श्रीराधा-कृष्ण का जन्मोत्सव

रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की ओर से श्रीराधा-कृष्ण का जन्मोत्सव शुक्रवार को श्रद्धा पूर्वक धूमधाम से मनाया गया. पंचरत्न बिल्डिंग में पूजा-अर्चना से उत्सव की शुरुआत हुई. इसके बाद भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू हुआ, जो घंटो चला. बांसुरी कृष्ण की बाजेगी प्रेम में राधा नाचेगी ... और मीठे रस से भरो री राधा रानी लगे ... जैसे भक्ति गीतो पर नाचती-झुमती महिलाओ का उत्साह और भक्ति देखते ही बन रहा था. मौके पर लड्डू गोपाल प्रतियोगिता भी हुई. विजयी प्रतिभागियों के साथ सभी को पुरस्कृत किया गया. सभी ने लजीज व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया.

पद्मा एकादशी आज, बालाजी मंदिर में होंगे अनुष्ठान

रांची। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि शनिवार को पद्मा एकादशी का व्रत-अनुष्ठान कर श्रद्धालु श्रीहरि की भक्ति में रमे रहेंगे. मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति के सुख, सौभाग्य में बढोतरी होती है. इसी भाव से बड़ी संख्या में भक्तगण व्रत-उपवास कर नेम-निष्ठा से पूजा-अर्चना करते हैं. श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर तिरुपति बालाजी मंदिर में भी विशेष अनुष्ठान किया जाएगा. दर्शन-पूजन को सुबह से तांता लगा रहेगा. मंदिर के रंजन सिंह ने बताया कि सुबह सात बजे दैनिक पूजन-आरती के बाद आम भक्तो के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे. श्रद्धालु नाम और गोत्र से संकल्प कराकर पूजन करेंगे.

दिव्यांगजनों के साथ मनाया विश्व फर्स्ट एड दिवस

रांची। सीआरसी नामकुम रांची में विश्व फर्स्ट एड दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को लघु नाटिका ''हॉस्पिटल से पहले'' के माध्यम से स्पेशल एजुकेशन इंटेलेक्चुअल एंड डेवलपमेंटल डिसेबिलिटी के छात्रों ने फर्स्ट एड के महत्व पर जागरूकता प्रदान की गयी. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीआरसी डायरेक्टर सूर्यमणि प्रसाद ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं. डॉ. प्रीति तिवारी ने कहा कि सभी को अपने घर, ऑफिस, विद्यालय एवं गाड़ियों में फर्स्ट एड किट अवश्य रखना चाहिए. चौधरी राजेश रंजन ने फर्स्ट एड के इतिहास पर संक्षिप्त विवरण दिया.

जुलूस ए मोहम्मदी पर सुरक्षा, सफाई की मांग

रांची ।झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने 16 सितंबर को जश्न ए ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर जुलूस ए मोहम्मदी (स.)

निकाले जाने वाले मार्ग पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था के लिये झारखंड के सभी उपायुक्त को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों एवं प्रखंडों में मुस्लिम धार्मिक अल्पसंख्यकों का जुलूस ए मोहम्मदी (स.) का आयोजन किया जाता है. जुलूस के अवसर पर उन मार्गों पर प्रशासनिक व्यवस्था, साफ सफाई, लाईट एवं पेयजल की उचित व्यवस्था आवश्यक है. जश्न ए ईद मिलादुन्नबी के कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासनिक एवं अन्य की उचित व्यवस्था करने का कष्ट करें, ताकि इस अवसर पर जुलूस मार्ग पर किसी तरह का कोई व्यवधान न हो और शांति एवं सौहार्दपूर्ण जुलूस निकाला जा सके.

शिक्षा

पैसे की कमी नहीं बन रही बाधा, प्रतियोगिताओं में गरीब विद्यार्थी भी गाड़ रहे झंडे

मौलाना आजाद स्टडी सेंटर गरीब बच्चों के लिए वरदान

रेहान अहमद।रांची

अंजुमन इस्लामिया का मौलाना अबुल कलाम आजाद स्टडी सेंटर गरीब विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हो रहा है. इसके चलते गरीबों की पढ़ाई में पैसों की कमी बाधा नहीं बन पा रही है और वे तैयारी कर राष्ट्रस्तरीय प्रतियोगताओं में झंडे गाड़ रहे हैं. स्टडी सेंटर के कन्वेनर मो. लतीफ आलम ने बताया कि यहां स्टडी सेंटर 2016 से संचालित है. सुबह सात बजे से 10 तक यहां पढ़ने वाले बच्चों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है. केवल आई कार्ड का सालाना रजिस्ट्रेशन शुल्क 100 रुपये लिये जाते हैं. जिनके पास आई कार्ड

होता है, उन्हें ही स्टडी सेंटर में प्रवेश कर पढ़ने की अनुमति मिलती है. उन्होंने बताया कि इसके साथ ही अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी भी यहां विद्यार्थियों को कराई जाती है. सरकारी बहाली, जेएसएससी, एसएससी, जे टैक, रेलवे, सी टैक आदि की तैयारी कम से कम दर पर कराई जाती है. जेएसएससी की तैयारी 1000 रुपये, सी टैक 1500 रुपये, इंग्लिश स्पोकेन 1000 रुपये शुल्क पर करायी जाती है. सभी तैयारियों में करीब 3000 रुपये का खर्च आता है. वहीं अन्य बड़े कोचिंग संस्थानों जैसे उड़ान, करतान, इन फैसेज आदि में प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी में 15 से 30 हजार रुपये तक का शुल्क लिया जाता है.

वर्ष 2023-24 में स्टडी सेंटर के सफल विद्यार्थी

हमारे यहां से इस वर्ष 2023-24 के सफल हुए विद्यार्थियों में उत्पाद सिपाही के दौड़ में 7 छात्र सफल हुए, पीजीटी में 4 विद्यार्थयों को नियुक्ति पत्र मिला. बीपीएससी बिहार में 1 विद्यार्थी सफल हुआ, जमशेदपुर नगर निगम में 1 विद्यार्थी ने निकाला, पंचायत सचिव में 15 विद्यार्थी सफलता हासिल किये हैं. वहीं बीते आठ वर्षों में मौलाना आजाद के स्टडी सेंटर से 500 से अधिक विद्यार्थी झारखंड व अन्य राज्यों में सरकारी नौकरियों में अपनी सेवा दे रहे हैं.

नीट व जेईई की भी होगी तैयारी : लतीफ आलम

स्टडी सेंटर के कनवेनर मो लतीफ आलम ने कहा कि इस स्टडी सेंटर को थोड़ा सा सरकारी सहयोग प्राप्त हो जाये तो इसे बच्चों की शिक्षा के लिये और बेहतर बनाया जायेगा. इसके लिये मंत्री हफिजुल हसन से संपर्क कर सहयोग की बात रखा गया है. उन्होंने आश्वासन दिया है. उन्होंने कहा कि सहयोग मिल जाने के बाद यहां छात्रों को नीट, जेईई की भी तैयारी कराई जायेगी, कंप्यूटर सेंटर भी स्थापित कर बच्चों को कंप्यूटर ट्रेनिंग दी जायेगी. ग्रामीण क्षेत्रों में भी जगह-जगह स्टडी सेंटर खोलने की तैयारी है.

20 की आधी रात से प्रचार पूरी तरह होगा बंद

संवाददाता ।रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2024-25 के चुनावी आचार संहिता पर शुक्रवार को चुनाव कमेटी द्वारा सभी प्रत्याशियों के साथ बैठक की गई. चुनावी प्रक्रियाओं से अवगत कराते हुए चुनाव पदधारी ललित केडिया व अंचल किंगर ने संयुक्त रूप से बताया कि चुनाव के 24 घंटे पूर्व (20 सितंबर की मध्य रात्रि) से चुनाव प्रचार पूरी तरह बंद रहेगा. प्रत्येक उम्मीदवार यह जरूर सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा सदस्यों को एक दिन में केवल एक ही मैसेज भेजा जायेगा. आमसभा 21 सितंबर से 30 दिन पूर्व बने लाइफ, कॉरपोरेट लाइफ और पैट्रोन सदस्य तथा 90 दिन पूर्व बने जेनरल एफिलियेटेड,

कॉरपोरेट जेनरल कैटगरी के सदस्य ही मतदान प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं. मतदान से पूर्व जेनरल व एफिलियेटेड बॉडी के सदस्यों का किसी प्रकार का बकाया नहीं होना चाहिए. उम्मीदवार किसी प्रकार की शिकायत होने पर चुनाव पदाधिकारी को लिखित रूप से आपत्ति दे सकते हैं. चुनाव समिति ने इस बात का सख्त निर्देश देते हुए कहा कि चैंबर या चैंबर से जुडे संगठनों के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी आचार संहिता का उल्लंघन मानी जायेगी. ऐसा करने पर संबंधित उम्मीदवार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी. प्रत्याशियों को चुनाव प्रचार के दौरान चैंबर के लोगों का उपयोग नहीं करने, मतदान स्थल पर साफ-सफाई की व्यवस्था में सहयोग करने, चुनावी बैठकों में केवल चैंबर के सदस्य ही उपस्थित रहें यह सुनिश्चित करने, चुनावी गतिविधियों के आयोजन के लिए चैंबर भवन का उपयोग नहीं करने की बात भी कही गई. रिजल्ट से असंतुष्ट प्रत्याशी पुर्नमतगणना शुल्क के साथ 23 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक पुर्नमतगणना की अपील कर सकते हैं. बैठक में प्रत्याशियों के साथ चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री थे.

ब्रीफ खबरें

सीएम की पेशी से छूट वाली याचिका पर सुनवाई एक को

रांची। सीएम हेमंत सोरेन के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में उनकी ओर से दाखिल सशरीर उपस्थिति से छूट से संबंधित याचिका पर शुक्रवार को आंशिक सुनवाई हुई. हेमंत के वकील प्रदीप चंद्रा ने कोर्ट से समय की मांग की. इसके बाद अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तिथि एक अक्टूबर को निर्धारित की है.

जंगल गये वृद्ध पर भालू ने किया हमला

राहे। प्रखंड क्षेत्र के अंबाझारिया पंचायत अंतर्गत सुअरमारा गांव के 70 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति रामचरण सरदार को भालू ने हमला कर घायल कर दिया है . घटना शुक्रवार सुबह 5 बजे की है. परिजनों ने बताया कि वृद्ध व्यक्ति सुबह खेत में मछली पकड़ने के लिया जा रहा था. अचानक से झाड़ी से भालू निकल कर हमला कर दिया.

रूमा ट्रेडर्स ने गांव में किया पौधरोपण

सोनाहातू । रूमा ट्रेडर्स जामुदाग ने पंचायत जनप्रतिनिधि सम्मेलन एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया . इस कार्यक्रम में जामुदाग, तेलवाडीह और तेतला पंचायत के मुखिया, पंसस व वार्ड सदस्य मौजूद थे . मौके पर रूमा ट्रेडर्स के प्रोपराइटर बिपिन जयसवाल, मुखिया करिश्मा देवी, फणिभूषण सिंह मुंडा आदि शामिल थे.

विद्यालय में करम से पूर्व कार्यक्रम का आयोजन

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत एस एस उच्च विद्यालय (2) में आज शुक्रवार के दिन करम पर्व को लेकर विद्यार्थियों के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष बीना देवी उपस्थिति रही. विद्यालय की छात्राओं द्वारा करम वृक्ष की डाली को विद्यालय प्रांगण में गाड़ा गया था .

जामुदाग गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर

सोनाहातू। प्रखंड के जामुदाग गांव में शुक्रवार को 63 केवी का नया ट्रांसफार्मर का विधिवत पूजन के बाद चालू किया गया . ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना विधायक सुदेश महतो को दी गयी . विधायक के पहल पर गांव में नया ट्रांसफार्मर लगाया गया. सुषेण प्रमाणिक , रूप कुमार साहू, बुद्धेश्वर कोइरी,छवि स्वांसी,श्याम मुंडा ने बधाई दी.

चान्हो में करम पूर्व संध्या का आयोजन

चान्हो। सोमा टाना भगत आदिवासी उच्च विद्यालय टांगर में शुक्रवार को बड़े ही धूमधाम से शिक्षक दिवस करम पूर्व संध्या मनाया गया. मुख्य अतिथि का स्वागत बुके देकर और माला पहना कर किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया.

सीआईएसएफ जवानों के लिए कार्यशाला का आयोजन

डकरा। वीआईपी सभागार में सीआईएसएफ जवानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और तनावमुक्त जीवन पर एक कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यशाला का संचालन प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक एवं काउंसलर डॉ. भूमिका सच्चर द्वारा किया गया. उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन के हर चरण में महत्वपूर्ण है .

रातू थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

रातू। करमा पूजा एवं ईद मिलाद उन नबी के मद्देनजर शुक्रवार को रातू थाना परिसर में शांति समिति की बैठक पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी राम नारायण सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई. उन्होंने सदस्यों से दोनों पर्वों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के अपील की. उन्होंने किसी भी घटना की सूचना प्रशासन को देने की अपील की.

हिसरी गांव के समाज सेवी का निधन, शोक

रातू। रातू प्रखंड के हिसरी निवासी 78 वर्षीय त्रिभुवन राम तिवारी का शुक्रवार को निधन हो गया. वे लम्बे समय से बीमार थे. शुक्रवार को उन्होंने कटहल मोड़ स्थित रिंचि अस्पताल में अंतिम सांस ली. वे अपने पीछे दो पुत्र और दो पुत्री समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए है. शनिवार को हिसरी स्थित मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा.

मुरी प्रखंड के पिस्का गांव में 8 अगस्त 2023 को कुआं धंसने से हुई थी छह लोगों की मौत

एक साल बाद भी पीड़ित परिवारों को नहीं मिला सरकारी मुआवजा

संवाददाता। रांची

प्रखंड के मुरी में एक वर्ष पूर्व 18 अगस्त 2023 को कुआं धंसने से 6 लोगों की मौत हो गई थी. हादसे के एक साल बीत जाने के बाद भी पीड़ित परिवार को सरकारी मुआवजा नहीं मिल पाया है. पीड़ित परिवार के सदस्य ने बताया कि एक साल से वे मुआवजे के इंतजार में हैं. पीड़ित परिवार के अलग अलग कारण बता कर अभी तक मुआवजा नहीं मिल पाया है.मनोहर मांझी की पत्नी ने बताया कि मुआवजा लेने के लिए कई बार प्रखंड कार्यालय का दौरा किया. हर बार कोई न कोई बात बताकर वापस भेज दिया जाता है. वहीं विष्णु चरण मांझी की पत्नी ने भी अपना दर्द सांझा करते हुए कहा,क्या बोले बाबू खेत में काम करके जीवन यापन कर रहे है. अभी तक सरकार से कोई मदद नहीं आया. इसी तरह की बात.बहादुर मांझी के परिजनों ने भी कहा. मुआवजा लेने के लिए एक साल में दर्जनों बार प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा चुके है. हर बार कोई ना कोई बात बोल कर हमें वापस भेज दिया जाता है.धनंजय मांझी,रमेश चंद्र मांझी,मनोहर मांझी व गुरूपद मांझी के परिजनों ने अपना दर्द सांझा किया है.वहीं स्थानीय विधायक सुदेश कुमार महतो ने घटना के बाद मुआवजा दिलाने की घोषणा किया था.

घटना के बाद राहत बचाव कार्य की फाइल फोटो

लेकिन, आज तक प्रशासन से मुआवजा के नाम पर एक ढेला तक नहीं मिला है. इस मामले में मुखिया सोमरा मांझी ने बताया कि घटना के बाद मुआवजा के लिए प्रखंड कार्यालय में कागजात जमा किया गया था.वहीं इस मामले में स्थानीय विधायक को फोन पर संपर्क करने पर उनका फोन स्वीच ऑफ बोल रहा था.

क्या था मामला : मुरी ओपी क्षेत्र के पिस्का गांव में एक बैल कुएं में गिर गया था. जिसे निकालने की प्रक्रिया चल रही थी. बैल को निकालने के लिए चार लोग कुएं में उतरे और बाकी गांव के लोग कुएं के ऊपर से बैल को रस्सी से खींचने का काम कर रहे थे. तभी अचानक ही पूरे कुएं की मिट्टी धंस गई. जो चार लोग नीचे कुएं में उतरे हुए थे, उनके अलावा तीन अन्य लोग भी कुएं के अंदर मिट्टी में दब गए.

विधायक ने आर्थिक मदद की: परिजन

परिजनों ने कहा कि विधायक ने अपने स्तर से सभी पीड़ित परिवारों की आर्थिक सहायता भी की है. परिवार के सदस्य ने कहा हम सभी परिवारों को राशन भी दिया था. राज्य सरकार से अपील है कि हमें जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए. वहीं प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पीड़ित परिवार को प्रधानमंत्री राहत कोष से सहायता राशि देने की मांग की थी.

विधायक लोगों को गुमराह कर रहे : अमित

इस मामले में पूर्व विधायक अमित महतो से पूछने पर कहते है कि विधायक लोगों को गुमराह कर रहे है. इस तरह के घटना पर मुआवजा का कोई प्रावधान नहीं है. हां अगर मुख्यमंत्री या कोई मंत्री अपने विवेका अनुदान से पैसा दे तो ये संभव है. वैसे सरकार को इस मामले में पहल करनी चाहिए .हम अपने तरफ से प्रयास करेंगे पीड़ित परिवार का जीवन सामान्य हो सके.

विधानसभा चुनाव : कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व का फोकस सीटिंग सीट जीतने पर

18 सीटिंग सीट हर हाल में अपनी झोली में डालना चाहती है कांग्रेस

- 18 के बाद और सीटें जीतने पर भी बनाई जा रही है रणनीति
- कई विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को अपनों से ही ज्यादा खतरा

कौशन आनंद। रांची

नया प्रदेश अध्यक्ष मिलते ही कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर रेस हो गई है. पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी 18 सीटिंग सीट को हर हाल में अपनी झोली में डालने की रणनीति बनायी है. ये सीट कैसे फिर से पार्टी के खाते में आए, इसपर गहन चिंतन-मनन चल रहा है. कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने भी प्रदेश नेतृत्व को साफ शब्दों में कह दिया है कि पार्टी का फोकस पहले सीटिंग सीट को जीतने पर हो. इसके बाद ही अन्य सीटों पर ध्यान दिया जाए. नए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी इसी दिशा में काम करना शुरू कर चुके हैं. इसको लेकर पार्टी के सांसदों, मंत्रियों और विधायकों समेत जिला कमेटियों को स्पष्ट दिशा निर्देश दिया गया है. सांसद, मंत्री और विधायक भी अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं.

अभी कांग्रेस के खाते में हैं ये सीटें : कांग्रेस के पास फिलहाल पाकुड़, जामताड़ा, पोड़ैयाहाट, महागामा, जरमुंडी, बरही, बेरमो, झरिया, बड़कागांव, मांडू, मांडर, खिजरी, जमशेदपुर पश्चिमी, जगरनाथपुर, कोलेबिरा, सिमडेगा, मनिका और लोहरदगा विधानसभा सीट है. इसे सीटों पर पार्टी पुनः जीत हासिल करना चाहती है. वहीं एक सीट रामगढ़, जहां से कांग्रेस की ममता देवी विधायक थीं, मगर उनके जेल जाने के बाद हुए उपचुनाव में आजसू पार्टी ने इस सीट को अपने खाते में झटक लिया. कांग्रेस ने इस सीट को आगामी विधानसभा चुनाव में अपने खाते में करने के लिए पूरा जोर लगा दिया है.

केशव महतो कमलेश, प्रदेश अध्यक्ष.

लोहरदगा में अंदरुनी कलह कहीं न कर दे 'खेला'

कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण सीटिंग सीट लोहरदगा में चुनाव बहुत ही रोचक होने जा रहा है. इस सीट से कांग्रेस विधायक दल के नेता और हेमंत सरकार में मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव विधायक हैं. वहीं लोहरदगा लोकसभा सीट से कांग्रेस के ही सुखदेव भगत सांसद हैं. मगर, जिस तरह से हमेशा ही दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के बीच अपासी अंतर्कलह चल रहा है, उससे इस सीट पर खेला होने की उम्मीद है. लोहरदगा विधानसभा सीट से सुखेदव भगत ने अपने पुत्र का नाम आगे किया है. वहीं, सीटिंग विधायक व मंत्री की दावेदारी लाजमी है. अब पार्टी किसे टिकट देती है, यह देखने वाली बात होगी. मगर कोई भी मैदान में उतरे, मुकाबला काफी रोचक होने की उम्मीद है. वैसे पीछले बार भाजपा और आजसू अलग-अगल चुनाव लड़े थे, जिसका सीधा फायदा गठबंधन के प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव को हुआ था. मगर इस बार भाजपा और आजसू मिल कर चुनाव लड़ेंगे. ऐसे में कांग्रेस के लिए इस सीट से जीत की राह आसान नहीं होगी.

जरमुंडी सीट को बचाना भी पार्टी के लिए कड़ी चुनौती से कम नहीं

जरमुंडी विधानसभा से कांग्रेस के सीटिंग विधायक और पूर्व कृषि मंत्री बादल पत्रलेख की सीटिंग सीट को बचाना पार्टी के लिए इस बार इतना आसान नहीं होगा. 2019 में एनडीए में बिखराव था और यूपीए एकजुट. मगर इस बार एनडीए भी एकजुट है. ऊपर से लोकसभा चुनाव में पत्रलेख का पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने में खराब प्रदर्शन भी टेंशन का बड़ा कारण है. इसके कारण ही बादल पत्रलेख को मंत्री पद गंवानी पड़ी. उस पर से यह चर्चा भी जोरों पर है कि इस बार वे भाजपा में जा सकते हैं. अगर ऐसा हुआ, तो नए चेहरे के साथ जरमुंडी सीट का बचाना कांग्रेस के लिए कड़ी चुनौती से कम नहीं होगी.

बड़कागांव विधानसभा की डगर भी इस बार आसान नहीं होगी

हजारीबाग लोकसभा में एक विधानसभा सीट बड़कागांव, कांग्रेस का सबसे सुरक्षित सीट मानी जाती है. पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के जेल जाने के बाद पार्टी ने उनकी पुत्री अंबा प्रसाद को मैदान में उतारा और वह जीत का परचम लहराने में कामयाब रहीं. मगर इसके पीछे 2019 के विस चुनाव में एनडीए का बिखराव भी कांग्रेस प्रत्याशी की जीत का बड़ा कारण था. इसबार इस सीट से पिता और पुत्री, दोनों ने अपनी-अपनी दोवदारी प्रस्तुत कर दी है. निश्चित ही कांग्रेस पार्टी किसी एक को ही चुनाव मैदान में उतारेगी, मगर उसे एनडीए से इस बार कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है.

लोकसभा चुनाव में खिजरी से लीड, पर राह आसान नहीं

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस राजेश कच्छप के सहारे खिजरी सीट को भाजपा से छीनने में सफल हुई थी. इस बार के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को खिजरी से लीड मिली. यानी कि राजेश कच्छप की अपनी सीट पर पकड़ ठीक-ठाक है. इसका फायदा उन्हें मिलेगा. टिकट भी करीब-करीब पक्का माना जा रहा है. मगर इस बार उनके लिए अपनी सीट को बचाना इतना आसान भी नहीं होगा. 2019 में उन्हें महज 5469 वोटों के अंतर से जीत मिली थी. उसका कारण भी एनडीए का बिखराव और झाविमो के भी चुनाव मैदान में होना रहा था.

सिमडेगा सीट काफी कम वोटों के अंतर से जीती थी कांग्रेस पार्टी

सिमडेगा सीट की बात करें, तो इस सीट पर भी कांग्रेस प्रत्याशी भूषण बाड़ा केवल 285 वोटों से ही जीते थे. यहां भी वही कहानी दुहराई गई थी. एनडीए में बिखराव और झाविमो के चुनाव मैदान में होने के फायदा कांग्रेस को मिला. मगर काफी कम अंतर से बाड़ा ने जीत दर्ज की थी. वहीं, इस बार की कहानी बदली-बदली नजर आ रही है.

न्यूज अपडेट

बाइक सवार अपराधियों ने दुकानदार को मारी गोली

किरीबुरु। जगन्नाथपुर थाना के जैंतगढ़ ओपी अन्तर्गत बाबूसाई निवासी पिन्टू नोना नामक दवा दुकानदार सह जमीन कारोबारी को मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात अपराधियों ने जैंतगढ़ क्षेत्र में गोली मारी. यह घटना 13 सितम्बर की रात लगभग 09.30 बजे के आसपास की बताई जा रही है. घायल पिन्टू को लोगों ने नजदीक के चम्पुआ अस्पताल ले गये हैं जहां इलाज जारी है एवं उसे कटक रेफर करने की बात कही जा रही है. पिन्टू पर अपराधियों ने दो गोली चलाई, जिसमें एक गोली हाथ में तथा दूसरा पैर में लगने की बात कही जा रही है. लोगों ने बताया की पिन्टू का दुकान जैंतगढ़ से खुंटियापदा जाने वाला रोड में है. वाह दुकान बंद कर पैदल अपने घर बाबूसाई जा रहा था. बाबूसाई मोड़ पर जैसे हीं वह पहुंचा तभी मोटरसाईकल सवार दो लोग गोली चलाकर फरार हो गये. इस घटना के पीछे का वजह पता नहीं चल पाया है, जिसकी जांच पुलिस कर रही है. लेकिन जैंतगढ़ में गोली चालन की शायद यह पहली घटना से लोगों में भय है. जैंतगढ़ झारखंड-ओडिशा सीमा पर स्थित है.

जन पंचायत कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

रातू। झारखंड नवनिर्माण दल रातू एवं नगडी प्रखंड की संयुक्त बैठक शुक्रवार को रातू स्थित कार्यालय में बांदे उरांव की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में सीपीआई (एम) के दिवंगत महासचिव कामरेड सीताराम येचुरी के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. मुख्य अतिथि झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं पर कहा है कि लूट खसोट कर मंत्री अफसर मस्त हैं, वहीं आम जनता इन समस्याओं से पस्त हो गई है . बैठक में मांगा उरांव, बसंत बडाईक, राम लखन साहू, चिलगू उरांव, हीरालाल सिंह, कयूम अंसारी, आनंद पाहन, रमेश उरांव, गुड़िया देवी, आदि उपस्थित थे.

मैकलुस्कीगंज में करमा पूर्व संध्या महोत्सव का आयोजन

खलारी । केंद्रीय सरना समिति मैकलुस्कीगंज के द्वारा खलारी कोयलांचल क्षेत्र के मैक्लुस्कीगंज में करमा पूर्व संध्या महोत्सव का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता, कांग्रेस पार्टी की झारखंड प्रदेश सचिव इंदिरा देवी तूरी, लपरा पंचायत की मुखिया पुतुल देवी,पुष्पा खलखो,सुनीता खलखो,रंथू उरांव समेत अन्य लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता कमल मुंडा एव संचालन सुशील उरांव ने किया. विधायक विकास सिंह मुंडा सहित अन्य अतिथियों ने सरना स्थल पर पूजा अर्चना की.

उप-मुखिया ने चाकू मारकर सौतेले भाई की हत्या की

नामकुम। थाना क्षेत्र की हाहाप पंचायत के उप-मुखिया एतवा पाहन ने अपने सौतेले भाई मनु पाहन (19 वर्ष) की चाकू मारकर हत्या कर दी. घटना गुरुवार की देर रात करीब साढ़े दस बजे की है.घटना के बाद से आरोपी फरार है. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया.पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है.आगे की कार्रवाई जारी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक मनु पाहन एवं जगरनाथ एक माँ के और एतवा पाहन एवं सोमा एक माँ के बेटे है.सभी गांव में ही रहते हैं.

करम आदिवासियों की संस्कृत पहचान दिलाता है : बिगा मिंज

इटकी। प्रखंड के चचगुरा महरा पतरा मैदान में शुक्रवार को सरना समिति चचगुरा की ओर से 22 वां करमा पूजा की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया.जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो ने कहा कि झारखंड में करमा पर्व का विशेष महत्व है. मौके पर सैकड़ो आदिवासी युवक युवतियों मांदर थाप और पारंपरिक गीत पर जमकर थिरकते नजर आये. कार्यक्रम में खद्दी उरांव, महिंद्र गोप, विशाल उरांव, आलोक खलखो, सन्नी कच्छप, सधुनु मिंज, सुखदेव, बबलू गुप्ता, चारो उरांव, रवि उरांव, विकास गोप, शासी साहू,बुदनाथ कच्छप, प्रीतम, प्रदीप सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे.

स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए पेवरर्स ब्लॉक उखाड़ फेंका

बुंडू। बुंडू बड़ा तालाब नगर पंचायत के लिए दुधारू गाय बन गया है. बनाते रहिए बिगाड़ते रहिए और पैसा निकासी कर कमीशन खाते रहिए. पहले साढ़े चार करोड़ की लागत से तालाब के मेड़ पर सड़क बनाया और सड़क के दोनो किनारे पेवरर्स ब्लॉक बिछाया. सड़क बनाने के साथ ही सड़क जगह जगह दर्जनों जगह टूटकर बड़ी बड़ी दरारें बन गयी है. अब सड़क किनारे स्ट्रीट लाईट लगाने और केबल बिछाने के लिए सड़क किनारे के पेभर ब्लॉक को उखाड़ कर फेंक दिया गया है. कुछ महीने पूर्व तालाब के चारों ओर बोल्डर पिच बिछाने के लिए बड़े बड़े बोल्डर हाईवा ट्रक से लाकर सड़क किनारे गिरा कर छोटे छोटे टुकड़े किये गये.

सोनाहातू ने चार स्वर्ण तथा एक रजत पदक जीता

सोनाहातू। रांची में आयोजित जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता में सोनाहातू प्रखंड ने 4 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक जीता है. अकेले पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने तीन स्वर्ण तथा एक रजजीतात पदक जीता है. अंडर 17 खो खो प्रतियोगिता में कस्तूरबा की टीम स्वर्ण पदक,लंबी कूद में सीता कुमारी स्वर्ण पदक, डिक्स थ्रो में प्रतिमा कुमारी स्वर्ण पदक, 400मीटर रिले रेस में रजत पदक जीता है. प्रखंड के प्लस टू विद्यालय लांदूपडीह के छात्र अंडर 17 ऊंची कूद में गोकुल मछुवा ने स्वर्ण पदक जीता है.

रिम्स की स्नेहा को फेमिली एडोप्शन प्रोग्राम में देश भर में पहला स्थान

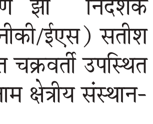

रांची। रिम्स के 2021 बैच की मेडिकल स्टूडेंट स्नेहा सिंधु ने फेमिली एडॉप्शन प्रोग्राम की निबंध प्रतियोगिता में ऑल इंडिया प्रथम रैंक हासिल की है. इस प्रतियोगिता में देश भर से 7000 से अधिक प्रविष्टियां भेजी गईं थीं, जिसमें से स्नेहा के निबंध को सबसे बेहतर चुना गया. प्रतियोगिता फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम (एफएपी) की शुरुआत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा छात्रों को चिकित्सा अभ्यास के क्षेत्र से परिचित कराने के लिए की गयी थी. इससे न केवल किसी बीमारी के क्लीनिकल लक्षणों को समझने में मदद मिलती है.

अंतर क्षेत्रीय संस्थान वॉलीबॉल में भुवनेश्वर विजेता एवं रांची उप-विजेता

रांची। सीएमपीडीआई में तीन-दिवसीय अंतर क्षेत्रीय संस्थान वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुक्रवार को समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने विजेता व उप-विजेता टीम को पुरस्कृत किया. जबकि कस्तूरी महिला सभा की अध्यक्ष रूपाली गुप्ता, किरण झा निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) सतीश झा, क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची के क्षेत्रीय निदेशक जयंत चक्रवर्ती उपस्थित थे.टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मुख्यालय-रांची बनाम क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर के बीच हुआ.

टीएसपीसी कमांडर दिवाकर गंझू दस्ते का सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

बुढ़मू थाना पुलिस ने टीएसपीसी के एरिया कमांडर दिवाकर गंझू दस्ता का सक्रिय सदस्य नीरज उरांव को गिरफ्तार किया है. ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि टीएसपीसी का एरिया कमांडर दिवाकर गंझू दस्ता का सक्रिय सदस्य है, अपने घर पर आया हुआ है. सूचना के बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में थाना प्रभारी बुढ़मू सहित सशस्त्र बल के साथ एक छापेमारी टीम का गठन किया गया. छापेमारी टीम ने नीरज उरांव के इन्दुवाटोला स्थित उमेडंडा में छापेमारी कर नक्सली को गिरफ्तार किया. एसपी ने बताया कि नीरज उरांव गत 20 अगस्त को छापर 4 नम्बर कॉलोनी के पास टीएसपीसी के दस्ता सदस्यों के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बनाने में शामिल था. जहां से इनके तीन सहयोगी प्रकाश गंझू, राहुल कुमार लहरी एवं मोनू कुमार गोडाईत उर्फ भोभा को करबाईन हथियार, गोली, बाइक और पर्चा सहित अन्य सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन नीरज उरांव भागने में सफल रहा था. पूर्व में नीरज उरांव टीएसपीसी के सब जोनल कमांडर पहाड़ी जी उर्फ रामेश्वर महतो एवं उनके दस्ता सदस्यों के लिए खाना पहुंचाने, ठेकेदारों का मोबाइल नम्बर उपलब्ध करवाने और पैसा उगाही का काम करता था. नीरज उरांव टीएसपीसी के एरिया कमांडर दिवाकर के दस्ता का सक्रिय सदस्य मोनू गोड़ईत से सम्पर्क में आकर बालू घाट से अवैध पैसा की उगाही करने, लेवी एवं रंगदारी के लिए ठेकेदारों का मोबाईल नम्बर दिवाकर गंझू को उपलब्ध करने एवं लेवी का पैसा पार्टी से लाने का काम करने लगे.

योग्य लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिया जाएगा : बीडीओ

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड के डाडी. पंचायत सचिवालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज ने इस मौके पर कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का पोर्टल अभी बंद है जिसके कारण ऑनलाइन आवेदन नहीं हो पा रहा है तथा मनरेगा कर्मी हड़ताल में है इसलिए जॉब कार्ड नहीं बन पा रहा है. लेकिन शेष दर्जनों प्रकार की योजनाएं जो सरकार आपके लिए लायीं है उसका लाभ उठाने की जरूरत है. इस मौके पर प्रखंड प्रमुख कंचन उरांव ने कहा कि डाडी.पंचायत में रिकॉर्ड स्तर पर 595 आवेदकों ने अबुआ आवास योजना के लिए आवेदन किया है. यह जागरूकता

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथिगण.

का ही परिचायक है. वहीं डाडी. पंचायत की मुखिया सुमिला मिंज ने कहा कि डाडी.पंचायत में नियमानुसार योग्य लाभुकों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा. इसके पूर्व डाडी.की महिला समूह के कार्यकर्ताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज, प्रमुख कंचन उरांव तथा मुखिया सुमिला मिंज का भव्य स्वागत किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवी मनोज कुमार साहु उर्फ बजरंग साहु, मंगल साहु, पूर्व प्रमुख सुशीला बरला, सीडीपीओ मुनेश्वरी बाड़ा, जेएसएलपीएस की बीपीएम सविता सांगा, 15 वित्त की समन्वयक अनिमा बरला, पर्यवेक्षिका जयसवाल, बीएफटी अमर कुमार सिंह, कर्रा सोसायटी की अनिमा तिर्की, सहिया आरती देवी आदि शामिल थे.

आयोजन तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस मिड-डर्माकॉन का शुभारंभ, देश भर से 600 चिकित्सक हो रहे शामिल

सरकार डॉक्टरों के साथ हमेशा खड़ी हैं : बन्ना गुप्ता

संवाददाता। रांची

रांची के होटल बीएनआर चाणक्य में शुक्रवार से तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस मिड-डर्माकॉन का शुभारंभ हुआ. स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कांफ्रेस का उद्घाटन करते हुए कहा कि झारखंड सरकार व स्वास्थ्य विभाग यहां के डॉक्टरों के साथ हमेशा खड़े हैं.

हमने यहां कई बार डॉक्टरों के हित के लिए मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की भी कोशिश की, लेकिन विपक्ष ने मुद्दा बनाकर उसमें अड़चने डाल दिया. लेकिन भरोसा दिलाता हूं कि जल्द झारखंड में

तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस मिड-डर्माकॉन के उद्घाटन सत्र में शामिल चिकित्सक.

डॉक्टरों के लिए एमपीए लागू होगा. उन्होंने कहा कि झारखंड हर स्पेशलाइज्ड ट्रीटमेंट की दिशा में काफी आगे बढ़ रहा है. चर्म रोग का भी अपने राज्य में काफी बेहतर इलाज हो रहा है. उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में देश- विदेश के एक्सपर्ट डॉक्टर चिकित्सा के एडवांसमेंट की जानकारी साझा करते हैं, इससे चिकित्सकों को काफी कुछ सीखने को मिलता है.

डॉक्टरों ने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए : ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि इस नेशनल कॉन्फ्रेंस के पहले दिन चिकित्सकों का प्रेजेंटेशन सेशन शुरू हुआ. शाम छह बजे तक एक्सपर्ट डॉक्टरों द्वारा 50 से ज्यादा अलग-अलग टॉपिक पर चिकित्सकों ने अपने विचार रखे. एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों ने त्वचा से संबंधित विभिन्न बीमारियों पर अपने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए. इसमें देश भर से 600 डॉक्टर शामिल हुए है. ये सभी स्कीन, सेक्स ट्रांसमिशन, विटलिगो, सोरयसिस, इंफेक्शन जैसी बीमारियों पर तीन दिन तक अपने-अपने अनुभव साझा करेंगे.

हिंदी की अनिवार्यता, उपादेयता और स्वीकार्यता : एक विस्तृत अध्ययन

डॉ आशुतोष प्रसाद
वरिष्ठ राजभाषा विशेषज्ञ

भारत में भाषा का प्रश्न सदैव ही संवेदनशील और विचारणीय रहा है. एक बहुभाषी देश होने के नाते यहां विभिन्न भाषाओं की बहुलता है, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है. हिंदी, जो भारत की राजभाषा है, न केवल उत्तर भारत बल्कि देश के कई हिस्सों में संचार, शिक्षा, प्रशासन और साहित्यिक अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हुई है. इसके बावजूद हिंदी की अनिवार्यता, उपादेयता और स्वीकार्यता पर आज भी बहस जारी है. आइए, आज इन्हीं पक्षों पर करें बात...

हिंदी की अनिवार्यता : हिंदी की अनिवार्यता भारतीय संदर्भ में कई कारणों से महत्वपूर्ण है

1. राष्ट्रीय एकता का माध्यम : हिंदी भाषा को एकीकृत भारत का प्रतीक माना जाता है. भारत में भाषा और संस्कृति के संदर्भ में भिन्नता है, लेकिन हिंदी ने एक राष्ट्रीय भाषा के रूप में सभी को जोड़ने का काम किया है. हिंदी का सामान्य ज्ञान होने से एक व्यक्ति देश के किसी भी कोने में जाकर आसानी से संवाद कर सकता है.

2. राजकीय कार्यों में हिंदी की भूमिका : भारत के संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया है. संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार, हिंदी संघ की आधिकारिक भाषा है. केंद्रीय सरकार और कई राज्य सरकारों में प्रशासनिक कामकाज और दस्तावेज़ीकरण हिंदी में होता है. कई विभागों में हिंदी का प्रयोग सरकारी कार्यों में अनिवार्य किया गया है.

3. शिक्षा क्षेत्र में हिंदी का महत्व : प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक हिंदी का एक महत्वपूर्ण स्थान है. विशेष रूप से हिंदी भाषी क्षेत्रों में, यह भाषा प्राथमिक माध्यम के रूप में उपयोग होती है, और कई प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी में सवाल-जवाब का विकल्प होता है.

हिंदी की उपादेयता : हिंदी की उपादेयता को हम विभिन्न क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से देख सकते हैं

1. व्यापार और संचार : भारत की बड़ी आबादी हिंदी भाषी है. व्यापारिक दृष्टिकोण से हिंदी का ज्ञान न केवल उत्तर भारत बल्कि मध्य वपश्चिमी भारत में आवश्यक है. बाजार में सफलतापूर्वक कारोबार करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल आवश्यक है. विज्ञापन और जनसंपर्क में हिंदी का प्रयोग अधिक होता है.

2. मीडिया और मनोरंजन : हिंदी ने भारतीय मीडिया, विशेषकर फिल्म और टेलीविजन उद्योग में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है. बॉलीवुड, जो कि विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, हिंदी फिल्मों से व्यापक पहुंच बनाए हुए है. हिंदी समाचार चैनल, रेडियो, और समाचार पत्र भी लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने के प्रमुख साधन हैं.

3. डिजिटल युग में प्रासंगिकता : इंटरनेट के माध्यम से हिंदी में विभिन्न सामग्री उपलब्ध है, जिससे शिक्षा, सोशल मीडिया और ई-कॉमर्स में हिंदी का प्रयोग बढ़ा है. आज, कई टेक कंपनियां अपने उत्पादों को हिंदी में लॉन्च कर रही हैं, जिससे इंटरनेट यूजर्स के लिए हिंदी का महत्व बढ़ गया है.

भविष्य में हिंदी की संभावनाएं

चुनौतियों के बावजूद हिंदी अपनी सरलता, व्यापकता और संपर्क की क्षमता के कारण निरंतर बढ़ रही है. डिजिटल प्लेटफार्मों, मोबाइल ऐप्स और सोशल मीडिया ने हिंदी को पुनर्जीवित किया है. सरकार द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उठाए गए कदम इसके भविष्य को और भी उज्ज्वल बना रहे हैं.

हिंदी की स्वीकार्यता : हिंदी बहुसंख्यक के बोलने की भाषा है. फिर भी स्वीकार्यता की चुनौतियां हैं

1. बहुभाषी देश में हिंदी की भूमिका : कुछ राज्य हिंदी की जगह स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं. दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, हिंदी के प्रति अस्वीकार्यता का माहौल है. यहां हिंदी को सरकारी कार्यों या शिक्षा के माध्यम के रूप में अपनाने का विरोध किया जाता है.

2. अंग्रेजी का बढ़ता प्रभाव : शहरी इलाकों में अंग्रेजी को अधिक प्रतिष्ठा और व्यावहारिकता के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है. सरकारी और निजी क्षेत्रों की कई नौकरियों में अंग्रेजी भाषा का ज्ञान अनिवार्य होता जा रहा है, जिससे हिंदी भाषियों को पिछड़ने का खतरा बढ़ जाता है.

3. प्रवासी भारतीयों में हिंदी की स्थिति : कई देशों में हिंदी भाषी प्रवासी अपनी भाषा को बचाए रखने के लिए विभिन्न संगठनों के माध्यम से प्रयासरत हैं. फिर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की स्वीकार्यता सीमित है.

सुगम पथ बनाती एवं चुनौतियों से जूझती हिंदी

डॉ. कमल कुमार बोस
शिक्षाविद्, संस्कृतिकर्मी

हिंदी का विश्वव्यापी विराट रूप हम सबके लिए गौरव का विषय है. यह हिन्दी के अनवरत संघर्ष का ही परिणाम है कि लोकल से ग्लोबल बनने की दिशा में हिन्दी के बढ़ते कदम अति सराहनीय है. वैश्विक मानचित्र पर भारत का निरन्तर बढ़ता वर्चस्व भी इसका प्रमुख कारण है. पश्चिम में विकास से अघाए एवं अतिसंतृप्त मन को भारत में मौजूद विकास की अनन्त सम्भावनाएं आकर्षित कर रही हैं. भारत से दूर विदेशों में बसे अनेक भारतीयों के अन्तस में यह इच्छा भी बढ़ती जा रही है कि उनके बच्चे हिन्दी भाषा जरूर सीखें. भारत विश्व का बड़ा और आकर्षक बाजार है. भारत के विस्तृत आर्थिक परिदृश्य से विदेशी कम्पनियां प्रभावित हैं. उन्हें शिद्दत से यह महसूस हो रहा है कि भारत में कदम जमाने के लिए हिन्दी ज्ञान जरूरी है. प्रबल आवश्यकता इस बात की है कि विश्व भर में हिन्दी प्रचारित-प्रसारित हो एतदर्थ हिन्दी शिक्षण-प्रशिक्षण की दिशा में नई प्रविधि एवं शोध किया जाय. इसके लिए मानक पाठ्यक्रम के निर्माण पर भी जोर दिया जा रहा है.

शास्त्रीय बंधन से मुक्त हो

विश्व के मानचित्र पर एवं वैश्विक जनमानस में हिन्दी की छवि मूर्त हो सके, इसलिए यह भी जरूरी है कि हिंदी को शास्त्रीय बंधन से मुक्त किया जाय, भाषिक आडंबर से भी हिंदी भाषा मुक्त हो, हिन्दी की सभी शैलियों को खुली हवा में सांस लेने की छूट दी जाय, बनावटी और आडम्बरपूर्ण भाषा से बचने की जरूरत है. अरबी-फारसी के अल्फाज हिंदी के दुश्मन हैं- इस गलतफहमी से बचने की नितान्त आवश्यकता है. प्रान्तीय बोलियां भी हिन्दी के साथ चले. हिन्दी हमेशा परम्परा व प्राचीनता रूपी दादी की पोशाक पहनी रहे, यह भी जरूरी नहीं.

हावी है ग्लोबल सोच

सभी प्रायोजनिक क्षेत्रों में हिंदी ने शब्द-संग्रह और शब्द-निर्मिति से लेकर भाषिक संरचना तक सबका निरन्तर विकास किया है. इतने प्रकार की हिन्दी हमारे आस पास के दैनिक व्यवहार में हैं कि भाषा चिन्तक भी विस्मित और विचलित हैं. इंटरनेट से लेकर टेलीविजन तक कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक अमृतसर से लेकर ऐजल तक, फेसबुक से लेकर मिनीबुक तक हिन्दी की प्रयुक्तियां इतनी बहुआयामी हैं कि इक्कीसवी सदी की हिंदी के सामने नित नई चुनौतियां उभर रही हैं. एक चुनौती तो हिन्दी भाषा के परिसर में सब ओर व्याप्त भूमण्डलीकरण, उत्तर आधुनिकता, उत्तर उपनिवेशवाद बाजार-वाद आदि की आंधी तो है ही, जिसने सोच विचार कर सारे प्रच लित और स्वीकृत मानकों को अपदस्थ करने की ठान ली है. स्वभावतः हम हिंदी के बारे में जो वैश्विक परिपेक्ष्य में बातचीत के अभ्यासी हो गए हैं और हिंदी का कोई भी पक्षधर इक्कीसवी सदी की दहलीज पार करने बाद ग्लोबल सोच से इतर नहीं सोचता.

आत्ममुग्धता से बाहर निकले हिंदी

आज हिन्दी में पोर्टल, ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग, ई-मेल भेजने और पाने की सुविधा इंटरनेट पर उपलब्ध है. तमाम इलेक्ट्रॉनिक श्रव्य दृश्य माध्यमों और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी नए क्षेत्रों में विकसित हो रही है. लेकिन आज भी अंग्रेजी में डीटीपी तकनीक जितनी विस्तृत और सुलभ है उतनी हिन्दी में होना अभी बाकी है. विश्वमंच पर खड़ी हिन्दी के सामने यह बहुत बड़ी चुनौती है कि वह सायबर स्पेस की दुनिया में अपने को पूरी सशक्तता के साथ स्थापित करे, अपनी क्षमता प्रदर्शित करे. हिन्दी की अभिव्यक्ति को बेहतर और ताजा बनाये रखने के लिए आत्ममुग्धतता की लक्ष्मण रेखा से बाहर निकलकर पाचनशक्ति की विशालता का परिचय देना होगा. जैसे- हिन्दी में तिथि, दिनांक, तारीख और समानार्थी हैं. लेकिन उनकी प्रयुक्ति उन्हें विशिष्ट अर्थवत्ता प्रदान करती है. इसी आधार पर पुण्यतिथि को पुण्य तारीख नहीं लिखी जा सकती है. अदालतें तिथि नहीं, तारीख तय करती है. कोई लड़की डेट पर जाय तो तो उसे तिथि या तारीख पर भेजना उचित नहीं होगा. इसलिए अब हिन्दी में तिथि के साथ ही साथ तारीख और डेट को भी अपनाना होगा. हिन्दी शब्द भण्डार में किसी भी भाषा और बोली के शब्दों को स्वीकार लेना इस सदी की चुनौती ही है. मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, गायना की हिन्दी तो और भी भिन्न है. इन सारी भाषिक और लोकप्रचलित व्यवहारों की विविधता के बीच हिन्दी को को योग्य बनना होगा. तभी हिन्दी हिंग्लिश और हिन्ग्रेजी के बीच से अपनी सही राह का संधान कर सकेगी. आइए, हम इन चुनौतियों से जूझ रही एक समर्थ भाषा, एक जीवंत भाषा के प्रति अपनी सोधेश्य प्रतिबधिता साकार करें. हिन्दी का रथ आगे बढ़ चुका है, इसे कोई रोक नहीं सकता. विश्वशक्ति और महाशक्ति बनने की दिशा में आगे कदम बढ़ा चुके भारत के मुंह में उसकी अपनी जुबान होगी, अपनी जिह्वा होगी, अपनी हिन्दी होगी. इसमें कोई संदेह नहीं.

कविता

स्वाभिमान है हिंदी

डॉ संगीता नाथ
शिक्षाविद्, साहित्यकार

हमारी शान है हिंदी,
प्रखर दिनमान है हिंदी.
करे हल प्रश्न दर्शन के,
अतुल प्रज्ञान है हिंदी.

रही गुंजित सदा उर में,
मधुर बन कर वो स्पंदन.
किशन की बांसुरी बन कर,
करे झंकृत हृदय कानन.
गगन धरती हो आह्लादित,
करे जड़ को भी स्पंदित.
भुला अंतर युगों के सब,
करे समभाव प्रज्ञापित.
अमन का गान मनभावन,
प्रणय की वेदिका पावन.
अमिय रस शांति का जग में,
सतत आह्वान है हिंदी.

बिहारी देव पद्माकर,
कबीरा सूर वरदायी.
सवैया छंद मीरा के,
कहीं मानस की चौपाई.

सरल सुंदर सहज भाषा,
सुगंधित नेह परिभाषा.
बहाते श्वेद खेतों में,
कृषक श्रमिक की अभिलाषा.
सजे शब्दों के आभूषण,
समाहित वांङमय दर्शन,
कहीं केशव कहीं भूषण,
कहीं रसखान है हिंदी.

नहीं हिंदी महज भाषा,
मधुर रिश्तों की है कुंजी,
यही बलिदान मानवता,
दया औ त्याग की पूंजी.
सुता संस्कृत ब्रह्मज्ञानी,
पराक्रम शौर्य की वाणी.
विरह औ हास का संगम,
नयन का है यही पानी.
स्वयंभू की कहानी है,
सुभद्रा की रवानी है.
धरोहर चिर सनातन की,
नवल निर्माण है हिंदी.

लघुकथा

हैप्पी वर्ल्ड हिंदी डे

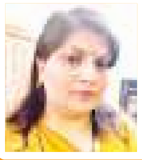

रश्मि सिंह
साहित्यकार

तालियों की गड़गड़ाहट लगातार जारी थी. राघवेन्द्र जी को "हिंदी साहित्य सजग प्रहरी" सम्मान से नवाज़ा जा रहा था. हिंदी कविता और कहानियों की उनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी थी. ऐसे साहित्य पुरोधाओं को आज विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री जी द्वारा सम्मानित किया जा रहा है. सम्मान पत्र, शॉल, स्मृति चिन्ह आदि से लदे फदे पत्रकारों के सवालों का जवाब देते अपनी गाड़ी में बैठकर घर रवाना हो जाते हैं. मोबाइल निकाल कर फेसबुक पर आज की उपलब्धि तस्वीर सहित डालने में लगे ही थे कि छोटे पोते का फोन आ गया... दादाजी आज मुझे हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला है...."

एक्सेलेंट माई चाइल्ड कॉन्ग्रेच्युलेशन ,बट योर ग्रैंडपा टोल्ड यू दैट यू शुड टॉक इन इंग्लिश, आफ्टरऑल यू आर स्टडिंग इन अ रेप्युटेड स्कूल माई चाइल्ड......"राघवेन्द्र जी ने पोते को समझाते हुए कहा.

झारखंड

अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत

कोडरमा । जिले में हुए अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई. पहली घटना में बीती रात चंदवारा थाना अंतर्गत टोल टैक्स के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से ट्रेलर वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान गया निवासी रविंद्र कुमार (35) के रूप में हुई है. दूसरी घटना तिलैया थाना क्षेत्र के महतो अहरा के समीप हुई है. बीती रात साइकिल से अपने घर जा रहे उमेश यादव (40) को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया, जिसमें उनकी मौत हो गई.

बालू के अवैध भंडारण के खिलाफ चला अभियान

चतरा । एनजीटी के नियमों की अवहेलना कर बालू का अवैध भंडारण करने के खिलाफ जिला प्रशासन ने शुक्रवार को कार्रवाई की है. यह कार्रवाई शिवपुर-कठौतिया रेल लाइन निर्माण कार्य में जुड़ी कंपनी के साइट पर की गई है. सिमरिया एसडीएम सन्नी राज व सीओ टंडवा विजय दास ने रेलवे निर्माण में लगी रॉयल इंफ्रा लिमिटेड कंपनी के निर्माण साइट से एक लाख टन अवैध रूप से जमा किया गया बालू को जब्त किया है.

किसान बिजली और बारिश की दगाबाजी से परेशान : प्रसाद

संवाददाता।बिश्रामपुर (पलामू)

जानकारी देते बीडी प्रसाद

कांडी प्रखंड में पिछले एक पखवारे से बारिश नहीं होने से यहां के किसान चिंतित हो उठे हैं. दूसरी तरफ पिछले एक माह से अधिक समय से बिजली की अनियमित आपूर्ति से कई किसानों की बिजली मोटर भी बेकार साबित हो रही है. यानी सुदूर प्रखंड के अधिकतर किसान दोहरी मार झेलने को अभिशप्त हैं. इसकी चिंता जतायी है ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने. श्री प्रसाद का कहना है कि वैसे तो पलामू प्रमंडल अकाल के लिए जाना जाता है, लेकिन सिंचाई परियोजना की बदहाल स्थिति इसके लिए पूर्णतया जिम्मेवार है. कई सुदूर प्रखंडों का लंबे समय से यही हाल है. इसपर राज्य की सभी सरकारों ने कभी इसपर ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा. किसानों ने सुनाई बीडी प्रसाद को अपनी व्यथा

श्री प्रसाद ने शुक्रवार को अपने कार्यालय से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि खेतों में लगी मकई सहित अन्य फसलें पटवन के अभाव में सूखने लगी हैं. खेतों में दरारें दिखने लगी हैं. किसानों को भारी नुकसान का डर सताने लगा है. श्री प्रसाद से मंच के कार्यालय में मिलने आए कांडी के कई किसानों ने उन्हें बताया कि प्रखंड में बिजली की बदतर हालत और बारिश की दगाबाजी से ऊपरी क्षेत्र के धान की फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है. वहीं सिंचाई के समुचित साधन नहीं होने से खेतों में दरारें पड़ने लगी हैं. किसानों की बातें सुनने के बाद श्री प्रसाद ने बहुत जल्द बिजली विभाग और जिला कृषि पदाधिकारी से बात करने का आश्वासन दिया है. बीडी प्रसाद से मिलने आए कांडी के किसानों में प्रमुख रूप से अयोध्या केशरी, सुखदेव यादव, नवल किशोर विश्वकर्मा, रहमान कुरैशी, राम नारायण राम, कौशल चौधरी, रूपलाल कसेरा आदि शामिल थे.

निजीकरण और झारखंड का रोजगार संकट के सवाल पर छात्र-युवा कन्वेंशन

झारखंड में तेजी से बढ़ रहा निजीकरण : दीपंकर

- सार्वजनिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों में कटौती, रोजगार के अवसर भी घट रहे

संवाददाता।रांची

केंद्र राज्य में मिलने वाली सहायता में कर रही कटौती : विनोद

बगोदर विधानसभा के विधायक विनोद सिंह ने राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने में बाधाएं उत्पन्न की जा रही है. इसके साथ ही अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा राज्य को मिलने वाली सहायता में कटौती की जा रही है.

पुराने विधानसभा हॉल में आइसा और इंकलाबी नौजवान सभा द्वारा छात्र-युवा कन्वेंशन का आयोजन शुक्रवार को किया गया. इसकी अध्यक्षता आरवाईए के राज्य अध्यक्ष संदीप जायसवाल ने की. मुखय वक्ता के रूप में शामिल भाकपा (माले) के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने निजीकरण के बढ़ते प्रभावों पर चिंता व्यक्त की. उन्होंने बताया कि निजीकरण विशेषकर झारखंड में तीव्र गति से बढ़ रहा है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्रों और शैक्षणिक संस्थानों में कटौती हो रही है और रोजगार के अवसर घट रहे हैं. उन्होंने धार्मिक कट्टरवाद के प्रसार और आरक्षण के मुद्दों पर भी चर्चा की. उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदाय के छात्रों को आरक्षण के खिलाफ हमलों का सामना करना पड़ रहा है, और रोजगार के अवसरों की कमी के कारण पलायन बढ़ रहा है, उन्होंने सम्मानजनक रोजगार गारंटी की मांग की.

आइसा इन मुद्दों पर लगातार आंदोलन करती रहेगी : आइसा के नेशनल प्रेसिडेंट नीलाशीष बोस ने शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों पर हो रहे हमलों की चर्चा की, उन्होंने कहा कि छात्रहित की बात करने वाले कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है और नई शिक्षा नीति के नाम पर फीस में वृद्धि और अनुदान राशि में कटौती की जा रही है. उन्होंने आश्वस्त किया कि आइसा इन मुद्दों पर लगातार आंदोलन करती रहेगी. कन्वेंशन में आइसा और आरवाईए (इंकलाबी नौजवान सभा) के अविनाश रंजन, विभा, दिव्या भगत, रंजित सिंह, गुड्डू भुइयां, संजना मेहता,जयबीर हसंदा, सोनू, शिव समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे. संचालन आइसा के राज्य सचिव त्रिलोकीनाथ ने किया.

सऊदी अरब में फंसे झारखंड के 14 मजदूरों की घर वापसी

- 31 मजदूर अब भी फंसे, वापसी का प्रयास जारी

संवाददाता।रांची

सऊदी अरब में पिछले कई महीनों से फंसे झारखंड के 45 मजदूरों में से 14 की घर वापसी हो गई है. बाकी 31 मजदूरों की वापसी का प्रयास जारी है. ये सभी लोग हजारीबाग, गिरिडीह और बोकारो जिले के रहने वाले हैं. इन्हें केरल के एजेंटों ने अलग-अलग कंपनियों में मजदूरी के लिए भेजा था. मजदूरों से वहां कठिन परिस्थितियों में न सिर्फ जबरन काम कराया जा रहा है, बल्कि ज्यादातर की कई महीनों की मजदूरी भी बकाया है.

झारखंड सरकार के श्रम विभाग के आग्रह पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप से मजदूरों की वापसी के प्रयास चल रहे हैं. वापस आए मजदूरों ने बताया कि उन्हें केरल निवासी एजेंट आरएस पांडियन एवं एलके स्वामी ने सऊदी अरब भेजा था. वहां रोजगार दिलाने के एवज में हर मजदूर से 55 हजार रुपये लिए गए थे. 11 मई 2023 को वे सऊदी रवाना हुए, लेकिन उन्हें कठिन परिस्थितियों वाले काम में लगा दिया गया. सैलरी भी वादे के अनुसार नहीं दी गई.

ये मजदूर घर पहुंचे

वापस आए मजदूरों में हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के बलमक्का निवासी तिलक महतो, उच्चघना निवासी नंदलाल महतो, सुकर महतो व सुनील महतो, करगालो निवासी बहादुर महतो, नागेश्वर महतो, नागी निवासी चुरामन महतो, गालोबार निवासी भुवनेश्वर महतो, गोरहर थाना क्षेत्र के भैयाडीह निवासी बाल गोविंद महतो, गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के नावाडीह निवासी सोहन कुमार, बेको निवासी कामेश्वर साव, निमियाघाट थाना क्षेत्र के पोरदाग निवासी गणेश साव व बोकारो जिले के चतरोचट्टी क्षेत्र के बड़की सीधा बारा निवासी मनोहर महतो शामिल हैं. इन सभी ने शुक्रवार को गिरिडीह के झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू से भी मुलाकात की.

सम्मान

शाबाश योजना के तहत सेल के 29 अधिकारियों व कर्मचारियों को किया पुरस्कृत

कमियों को ठीक करने वाले देश को आगे बढ़ाते हैं : बीरेंद्र तिवारी

संवाददाता । किरीबुरु

सेल, बीएसएल के प्रभारी निदेशक बीरेंद्र कुमार तिवारी ने ऑफिसर्स क्लब, किरीबुरु में आयोजित सेल, शाबाश योजना 2023-24 (कैटेगरी-दो) के तहत किरीबुरु, गुवा व खदान के 29 सेल अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने-अपने खदान व विभाग में बेहतर कार्य कर सेल को लाभ पहुंचाने के लिए पुरस्कृत किया. बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि जितनी नकारात्मक चीजें हैं वह समाज व मीडिया में सुर्खियां बन जाती हैं. उसपर अधिक चर्चाएं होने लगती हैं. समाज में निराशाजनक वातावरण बन जाता है, जो नहीं होना चाहिए. लेकिन नकारात्मक चीजों से अधिक सकारात्मक कार्य हमारे खदान व समाज में होते हैं, लेकिन हम उन चीजों की चर्चा नहीं करते हैं. यह शाबाश अवार्ड इसलिए शुरू किया गया, क्योंकि जिस दिन कोई अच्छी चीज हो उस दिन ही हम उसे प्रोत्साहन दे पाएं. उन्होंने कहा कि समाज में तीन प्रकार के लोग होते हैं, पहला कि कोई भी काम पर कमियां निकालते हैं. दूसरा वह जो काम की सराहना करते हैं तथा तीसरा वह जो कमियां हैं उसे बिना शिकायत किये ठीक कर बेहतर बनाने का काम करते हैं. हमें तीसरा व्यक्ति बनने की जरुरत है. हमें अपने रुटीन वर्क से कुछ अलग करने की कोशिश करनी होगी. यह तभी होगा जब अपने काम को इन्ज्वॉय करते हुए दिल, दिमाग व मेहनत लगाएंगे.

ग्रुप फोटो में अधिकारी व पुरस्कृत सेलकर्मी

सफलता के पीछे पूरे परिवार का योगदान रहता है : उन्होंने कहा कि किसी की सफलता के पीछे उसका पूरा परिवार का योगदान व सहयोग रहता है. इसलिए हम हर सेलकर्मियों व श्रमिकों के परिवार के तमाम सदस्यों को भी शुभकामनाएं देते हैं. सेल की खदानों में यह मेरा पहला दौरा है. पिछले तीन वर्षों से यहां आने के लिए प्रयासरत था, आज सफलता मिली. यहां का माहौल, खदान प्रबंधनों द्वारा सीएसआर के क्षेत्र में महिला स्वरोजगार, गरीब छात्रों की निःशुल्क शिक्षा, खिलाड़ियों के लिए बेहतर मंच देकर आगे बढ़ाने का जारी प्रयास आदि तमाम कार्य सराहनीय हैं. सेल, बीएसएल के कार्यपालक निदेशक (खान) जे दासगुप्ता ने कहा कि सेल, बीएसएल ने पिछले 2-3 वर्षों से अपने सेलकर्मियों के बेहतर कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिये कई पुरस्कार योजनाओं को शुरू किया गया है. इससे सेल व कर्मी दोनों को काफी लाभ हुआ है.

इन्हें किया गया पुरस्कृत : पुरस्कार पाने वालों में प्रवीण कुमार (उप महाप्रबंधक), रथिन विश्वास एवं अरुण कुमार प्रधान (सहायक महाप्रबंधक), रोहित टोप्पो (वरिष्ठ प्रबंधक), उमाकांत मल्लिक एवं हेमंत कुमार सस्मल (उप प्रबंधक), कामिल सोय मुरूम, हीरालाल सुंडी, लोकपति टुडू, ब्रज मोहन दास, संजय कुमार, नाबा किशोर नायक, नेहेमिया भेंगरा, भगवान दास, बासु हेस्सा, प्रभात कुमार पांडा, धीरेन्द्र कुमार प्रुस्टी, अनिल कुमार हेम्ब्रोम, मनोज कुमार चौधरी, बिमल लोम्गा (सभी किरीबुरु), डीके मंडल (उप महाप्रबंधक), देबाशीष पटनायक (दोनों चिड़िया), श्यामल शाश्वत, धर्मेंद्र सेठिया, तुलसी नाथ केशरी, संजय कुमार प्रधान, रंजीत कुमार महापात्रो, मन्ना राम तानी, समरक रंजन नायक (सभी गुवा) शामिल हैं.

मानवाधिकार बोर्ड ने कैदी मौत मामले में लिया संज्ञान

- जेल जाकर की जांच नशे का आदी था कुंदन, समय पर ड्रग्स नहीं मिलने के कारण तोड़ा दम : जेल अधीक्षक

संवाददाता। पलामू

मानवाधिकार आयोग परिषद पलामू बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती संध्या देवी एवं लीगल सेल के सचिव सह अधिवक्ता रुचिर कुमार तिवारी, जिला कोऑर्डिनेटर सदस्य शीला कुजूर, मेंबर अंकित कुमार कश्यप ने शुक्रवार को कैदी कुंदन कुमार पांडे मौत मामले की जांच की. केन्द्रीय कारा में 11 सितंबर को कैदी कुंदन कुमार पांडे की मौत हो गयी थी. परिजनों जेल प्रशासन पर पिटाई से मौत हो जाने का आरोप लगाया था. बोर्ड की अध्यक्ष एवं अन्य ने जेल अधीक्षक भागीरथ करजी एवं जेलर प्रमोद कुमार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली. जेल अधीक्षक ने कहा कि कैदी कुंदन के साथ किसी भी प्रकार से मारपीट नहीं की गयी थी. मृत्यु का कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि कुंदन ड्रग्स का आदी था. जेल में नशा करने के लिए ड्रग्स नहीं मिलने के कारण मौत वाली रात 11 बजे उसके शरीर में ऐंठन एवं कंपन्न होने लगा था. जेल डॉक्टर रोहित पांडे ने उसका इलाज किया. सुधार नहीं होने पर सुबह 4 बजे जेल से एमआरएमसीएच में भेजा गया, जहां उसने दम तोड़ा.

रुचिर तिवारी ने सुनील कुमार नामक कैदी का आधार कार्ड नहीं बनने से बेल होने के बाद भी उसके जेल में बंद रहने की जानकारी दी.

साख, लोकतंत्र और इंसाफ

लोकतंत्र एक शासन प्रणाली से कहीं अधिक है. यह मुख्य रूप से सम्मिलित जीवन जीने तथा संयुक्त संचारित अनुभव की प्रक्रिया है. व्यक्ति समुदाय का निर्माण कर सकते हैं, लेकिन संस्थाएं ही राष्ट्र का निर्माण कर सकती हैं. कोई भी सरकार मजबूत विपक्ष के बिना लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह सकती. लोकतंत्र का मूल तत्व इन्हीं विचारों के इर्दगिर्द निर्मित होता है, लेकिन आज के भारत में लोकतंत्र, संविधान, संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता और राजनीतिक दलों के बीच के अंतरसंबंधों में बढ़ती शत्रुता के तत्वों को ले कर अनेक तरह के सवाल उठते रहे हैं. समावेश, सहकार और राजनीतिक सहअस्तित्व के बुनियादी सवाल भी मौजूद हैं. कुछ घटनाएं बताती हैं कि लोकतंत्र के उच्चतर मूल्यों के ऊपर राजनीति प्रेरित लाभ हानि का भाव किस तरह प्रभावी होता जा रहा है. भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि देश का प्रधानमंत्री सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश के आवास पर एक निजी धार्मिक आयोजन में शामिल होते हैं. इसके पहले भी प्रधानमंत्री एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश के सर्वोच्च अदालत के चेंबर में चाय पी चुके हैं. आमतौर पर भारत के प्रधानमंत्रियों की सर्वोच्च अदालत के प्रमुख से सार्वजनिक कार्यक्रमों में मुलाकात की परंपरा रही है. लेकिन भारत की राजनीति नए प्रयोग के कारण पैदा होने वाले साख के संकट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. ऐसा पहले भी कम हुआ है कि सर्वोच्च अदालत के आदेश के बावजूद आंदोलनरत रेजिडेंट डाक्टरों ने कार्यस्थल पर वापसी न की हो. आरजी मेडिकल कॉलेज की घटना के बाद से कोलकता में डाक्टरों की हड़ताल अब भी जारी है. पूछा जा रहा है कि मकसद इंसाफ पाना है या फिर राजनीति करना. इसी क्रम में बंगाल के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा देने तक की बात की है. आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की पेशकश की है. उन्होंने कहा है कि 'मुझे पद की चिंता नहीं है. मुझे न्याय चाहिए, सिर्फ न्याय मिले मुझे इसकी चिंता है.' उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा बैठक का सीधा प्रसारण करने के उनके अनुरोध को ठुकरा दिए जाने के बाद जूनियर डॉक्टरों के 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने से इनकार कर दिया. मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से चर्चा का इंतजार कर रही है. उन्होंने साफ़ किया कि वह हड़ताली जूनियर डॉक्टरों के ख़िलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं करेंगी. तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले में एक बयान जारी कर कहा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दो घंटे तक इंतज़ार किया. इसने कहा है कि दो बार वार्ता को खारिज किए जाने के बाद भी बातचीत का प्रयास किया गया. शुरुआत में 15 प्रतिनिधियों के लिए मंजूरी थी, जिसको बाद में 30 तक बढ़ाई गई. इसने कहा है कि उनके लिए सौहार्दपूर्ण समाधान से ज़्यादा ज़रूरी लाइव स्ट्रीमिंग है.

> मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से चर्चा का इंतजार कर रही है. उन्होंने साफ़ किया कि वह हड़ताली जूनियर डॉक्टरों के ख़िलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं करेंगी.

सुभाषित

खलः सर्षपमात्राणि पराच्छिद्राणि पश्यति ।
आत्मनो बिल्वमात्राणि पश्यन्नपि न पश्यति ।।

दुष्ट मनुष्य की यही प्रकृति होती है कि उसे दूसरों का सरसों जैसा दोष भी बहुत बड़ा होकर दिखायी पड़ने लगता है, लेकिन अपने भीतर बेल के फल के समान बड़ा दोष भी दिखायी नहीं पड़ता. अर्थात दुष्टों को हमेशा दूसरों के भीतर के दोष अधिक दिखाई देते हैं. परंतु स्वयं के अंदर कोई दोष नहीं दिखाई देता है.

राजनीति में चील-कौवों का रहस्य

कुछ ही काल बाद राज्य में चुनाव की तैयारी है. यह रहस्य ही है कि चुनाव परिणाम कैसा होगा, लेकिन यह बात रोमांचित करती है कि भाजपा के पास चुनावी लिहाज से चार पूर्व मुख्यमंत्री हैं और पीएम सहित कई बड़े-बड़े राजनेता हैं, जिनका मुकाबला हेमंत के नेतृत्व को करना है. हेमंत सरकार ने खजाने का मुंह खोल रखा है. बेशक यह राशि अवाम की है. इसमें से कुछ हजार देकर लोगों को जीने-खाने लायक बनाये रखा जा सकता है.

• देश-काल

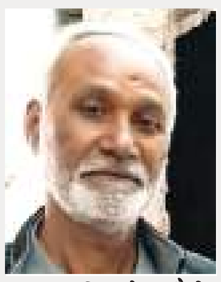

श्याम किशोर चौबे

झारखंड भाजपा के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने नौ सितंबर को रांची पहुंचते ही कहा, कांग्रेस के 12-14 और झामुमो के 2-3 विधायक संपर्क में हैं. सभी भाजपा में शामिल होना चाहते हैं. सियासत का यह रहस्य है. उनकी अगली लाइन रोमांच पैदा करती है कि इन सबको शामिल करा लिया जाय, तो पार्टी के लोग नाराज हो जाएंगे. भाजपाई भी अपने नेतृत्व से नाराज होते हैं, यह बात रोमांचित करती है. कांग्रेस के कुल जमा 17 ही तो विधायक हैं, 12-14 भागने की सोच रहे हैं तो बचेंगे कितने? यूं, जब चम्पाई सोरेन जैसा मुख्यमंत्री रहा शख्स पाला बदल सकता है तो विधायकों-मंत्रियों की क्या बिसात? खबर है कि भाजपा के परम पुरुष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 15 सितंबर को झारखंड में चुनाव अभियान का श्रीगणेश करेंगे. उसके बाद का रहस्य- रोमांच यह कि भाजपा की प्रमंडलवार परिवर्तन संकल्प यात्रा के सिलसिले में छोटे से झारखंड के लिए फिक्रमंद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी भी शिरकत करेंगे.

दूसरी ओर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नौ सितंबर को एक रहस्य खोला. उनका कहना था कि राज्य में चुनावी घंटी बजना अभी बाकी है, लेकिन राजनीतिक चील-कौवे मंडराने लगे हैं. कोई कहीं से आ रहा है तो कोई कहीं से. जवाब में भाजपा के राज्य चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, झारखंड को चील-कौवे के जैसे नोंचकर खा रहे सत्ताधारी दल के लोग. चुनाव की घोषणा होने और उसके बाद जब सबकुछ पीक पर होगा, तब न जाने कौन-कौन से वचन सुनने को मिलेंगे. यह है हमारे परिपक्व प्रजातंत्र का रहस्य-रोमांच.

कुछ ही काल बाद राज्य में चुनाव की तैयारी है. यह रहस्य ही है कि चुनाव परिणाम कैसा होगा, लेकिन यह बात रोमांचित करती है कि भाजपा के पास चुनावी लिहाज से चार पूर्व मुख्यमंत्री हैं और पीएम सहित कई बड़े-बड़े राजनेता हैं, जिनका मुकाबला हेमंत के नेतृत्व को करना है. हेमंत सरकार ने खजाने का मुंह खोल रखा है. बेशक यह राशि अवाम की है. इसमें से कुछ हजार देकर लोगों को जीने-खाने लायक बनाये रखा जा सकता है. युवा वर्ग को भलीभांति शिक्षित कर और हुनरमंद बनाकर पूरे समाज को तरक्की के जिस रास्ते पर ले जाने की दरकार है, उस पर न तो राज्य सरकार केंद्रित है, न ही केंद्र सरकार. यह एक बड़ा मिशन हो सकता है, जो सुचिंतित कदम उठाकर पूरा किया जा सकता है. हेमंत सरकार ने मईंयां सम्मान योजना सहित अन्य महत्वाकांक्षी योजनाएं चला रखी है. दूसरी ओर मोदी सरकार की पीएम आवास योजना के तहत एक लाख तेरह हजार से अधिक लाभुकों के खाते में 15 सितंबर को दो-दो लाख रुपये डालने की संभावना रोमांचित करती है. हमारी सरकारें मतलब माल महाराज का, मिरजा खेलें होरी. जैसे हर किसी के वोट की गारंटी है, वैसे ही वे हर किसी के रोजगार की गारंटी देतीं तो खजाने का रुख कुछ और बड़े और स्थायी विकास की ओर मुड़ता. जीने के लिए हजार-दो हजार नकद या घर-मकान के लिए दो लाख रुपये के लिए लगी लंबी लाइनें बता रही हैं कि 57-58 साल की तरक्की पर हम चाहे जितना लहालोट हो लें, गरीबी और अशिक्षा से लस्त-पस्त हैं.

चुनाव आयोग राज्य में चुनाव की तैयारियां कर रहा है. समय हो चला है. इसी संदर्भ में राजनीतिक दल तरह-तरह के पैंतरे भांज रहे हैं. देश का सबसे बड़ा दल भाजपा हो कि दूसरे नंबर वाली कांग्रेस या राज्य का सबसे बड़ा दल झामुमो, कोई भी अकेलेदम मैदान मारने की स्थिति में नहीं है. इनको कई छोटे दलों का सहारा लेना ही लेना है. वे दल मोल-तोल में लगे हुए हैं. इनमें अद्भुत बैलेंसिंग पावर है. अलग-अलग लड़कर ये भले ही पिट-मिट जाएं, बड़े दलों को जबर्दस्त नुकसान पहुंचाने की हैसियत रखते हैं. 2019 में इस रहस्य का रोमांचकारी अनुभव हुआ था. इस रहस्य से रोमांचित अभी राज्य में सबका वजन मापा जा रहा है. दस साल राज्य की राजनीति से आउट रहा जदयू इस बार अचानक सक्रिय हो गया है. हालिया लोकसभा चुनाव का यह रहस्य है. भाजपा को दिल्ली में जदयू का सहारा मिला तो वह झारखंड में पूर्व भाजपाई सरयू राय को पाकर रोमांचित हो उठा है. जातीय समीकरण के लिहाज से नया नवेला झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा दोनों गठबंधनों की नजरों से ओझल नहीं है. अभी यह रहस्य है कि उसका कहीं एडजस्टमेंट होता है या नहीं. लोकसभा चुनाव की नाईं वह एकला चलो की नीति पर डटा रहा तो रोमांचक परिणाम की स्थिति बना सकता है. यूं, लोजपा, हम, आप, वामदल, टीएमसी आदि-आदि का भी अलग-अलग रहस्य है और वे इधर-उधर से अपनी-अपनी हैसियत के अनुसार मोल-भाव के लिए रोमांचित हैं. बाकी नई-नई उग रहीं कुछ पार्टियों के अलावा निर्दलीय भी झारखंड के लिए कम रहस्यमय नहीं होते. चुनावों में जीत-हार एक-दो वोटों से भी होती है. अभी बड़े दल सियासी रहस्य बढ़ाने में लगे हुए हैं. परत-दर-परत जब वे उसे खोलेंगे, तब रोमांच बढ़ना स्वाभाविक है. यूं, सियासत अपने आप में गूढ़ रहस्य है, जो समय-समय पर रोमांचित करती है. अपनी कीमत से अधिक वसूलने के बावजूद वह अवाम को उसका देय देने के बदले लाइन में खड़ा कर देती है. ठीक ही कहा गया है, चुनाव दो चरणों में होते हैं, पहले वे आपके चरणों में होते हैं और फिर आप उनके चरणों में होते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

वैराग्य की कसौटी

विकार उत्पन्न करने वाले कारणों से बचना, उनसे भागना और विकार उत्पन्न करने वाले कारणों के बीच भी विकार रहित बने रहना दो अलग-अलग चीजें हैं. संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी दूसरे पक्ष की ही अधिक सराहना करते हैं. और यह स्थिति दुर्लभतम है. भोगों का अभाव अथवा भोगों की अनुपलब्धता त्याग और वैराग्य के अंतर्गत नहीं आता है. जैसे किसी का विवाह नहीं होता है और कुछ लोग विवाह नहीं करते. दोनों स्थितियों में बहुत अंतर है. कई लोगों के जीवन में त्याग और वैराग्य के बीच में संघर्ष चलता रहता है. एक लोग बता रहे थे कि एक व्यक्ति ने विवाह नहीं किया. यह त्याग हुआ. फिर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि किसी स्त्री को स्पर्श नहीं करेंगे और न किसी स्त्री से चरण स्पर्श करवाएंगे. फिर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि बस और ट्रेन में यात्रा नहीं करेंगे, क्योंकि बस और ट्रेन में महिलाएं भी चलती हैं. इसलिए बस और ट्रेन में यात्रा करने से स्त्री से स्पर्श हो जाने की सम्भावना रहेगी. यह त्याग और वैराग्य के मध्य संघर्ष है. एक संत कह रहे थे कि एक बार किसी अच्छे संत ने कहा था कि हीरे, सोने, मणि, माणिक्य आदि की सड़कें, भवन आदि बनवा दिए जाएं तो उसे देखकर भी मेरे मन में लोभ-विकार नहीं आएगा. यह मैं बड़ी दृढ़ता और बड़े विश्वास से कह सकता हूं. लेकिन यही बात इतनी दृढ़ता और विश्वास के साथ मैं स्त्रियों के सम्बंध में नहीं कह सकता. लेकिन संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी के सिद्धांतों की बात की जाए तो वैराग्य की असली कसौटी जंगल में अथवा एकांत में नहीं होती है. जिससे विकार उत्पन्न होता है अथवा हो सकता है उन कारणों से दूरी बनाने अथवा भागने से नहीं होता है. जो विकार उत्पन्न कर सकने वाले कारण के बीच विकार रहित रह सके उसे गोस्वामी जी ने धीर-महापुरुष कहा है. और यही वैराग्य की असली कसौटी है. और इस कसौटी पर खरा उतरने वाला महापुरुष आज के समय में दुर्लभ ही है. त्याग और वैराग्य के बीच संघर्ष करने वाले बहुत लोग मिल जाते हैं-ते धीर अछत बिकार हेतु जे रहत मनसिज बस किएं. इसी तरह गोस्वामी जी रामजी, सीताजी और लक्ष्मण जी के त्याग और वैराग्य की अपेक्षा भरत जी के त्याग और वैराग्य की सराहना करते हैं. क्योंकि रामजी, सीताजी और लक्ष्मण जी वन में त्याग और वैराग्य से रहते हैं और तपस्या करते हैं लेकिन वन में वैभव नहीं है.

श्रीलंका चुनाव किस दिशा की ओर

• देशांतर

अरुण कुमार श्रीवास्तव

श्रीलंका में 21 सितंबर, 2024 को राष्ट्रपति चुनाव होंगे, जिसमें 220 लाख की कुल आबादी में से 170 लाख लोग मतदान करेंगे. विदेशी समाचार विश्लेषकों का मानना है कि श्रीलंका 'नयी दृष्टि, साहसिक सुधार और स्थिर नेतृत्व' का चयन करेगा. कुल 38 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भी शामिल हैं, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार हैं. विक्रमसिंघे ने खाद्यान्न, ईंधन, रसोई गैस और दवा की सामान्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कठोर मितव्ययिता उपाय लागू किये और करों में वृद्धि की, और उन्हें उम्मीद है कि मतदाता उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लाने के लिए एक और मौका देंगे. हालांकि, छह बार प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे को पुरानी पीढ़ी के उन राजनेताओं में से एक माना जाता है, जिन्हें मौजूदा आर्थिक गड़बड़ियों के लिए स्वयं को भी जिम्मेदार मानना चाहिए. विक्रमसिंघे के लिए मार्क्सवादी गठबंधन, नेशनल पीपुल्स पावर के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके एक प्रमुख चुनौती बनकर उभरे हैं. एक अन्य चुनौती विक्रमसिंघे की पार्टी, यूनाइटेड पीपुल्स पावर के सजित प्रेमदासा हैं. विभाजन के बाद, प्रेमदासा, जो राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के डिप्टी थे, अब इस पार्टी के नेता हैं. वह श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में एक और उम्मीदवार हैं. राजपक्षे वंश से, महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमिल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं. इन चार नेताओं में से एक के श्रीलंका के अगले राष्ट्रपति के रूप में उभरने की उम्मीद है.जबकि इन उम्मीदवारों ने अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है, सीमित संसाधनों और भारी बाहरी ऋणों के सामने पैंतरेबाज़ी के लिए सीमित जगह को देखते हुए, उनके चुनावी वायदों को शायद ही गंभीरता से लिया जाता है. जबकि दिसानायके उन युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं, जो एक कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहते हैं, प्रेमदासा अल्पसंख्यक तमिल वोटों पर भरोसा कर रहे हैं, और विक्रमसिंघे ने हाल ही में मुस्लिम वोटों पर नज़र रखते हुए एक मुस्लिम मंत्री को नियुक्त किया है. जबकि हर कोई चाहता है कि भ्रष्टाचार खत्म हो और अर्थव्यवस्था की सामान्य स्थिति बहाल हो, कोई भी केंद्रीय मुद्दा चुनाव पर हावी नहीं है.पूर्व वित्त मंत्री एरन विक्रमरत्ने का कहना है कि श्रीलंका में सबसे बड़ी समस्या अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि कानून के शासन की अनुपस्थिति है. 'यदि कानून का शासन कायम रहता है और हर नागरिक को लगता है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है, चाहे वह किसी भी स्थिति, शक्ति या धन का हो, तो हर नागरिक सम्मान के साथ रह सकता है. यह जानकर कि कानून काम करता है, विदेशी निवेशकों को इस देश में निवेश करने के बारे में विश्वास मिलेगा. साजिथ प्रेमदासा के एसजेबी ब्लूप्रिंट - समागी जन बलवेगया (एसजेबी) - के अनावरण के अवसर पर बोलते हुए मैंने दोहराया कि एसजेबी सरकार कानून के शासन को बनाये रखेगी और बढ़ावा देगी, अर्थव्यवस्था को वास्तविक सुधार और तीव्र विकास की ओर ले जाएगी,' उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा. श्रीलंका के सरकारी कर्मचारियों और सैन्य कर्मियों ने डाक से अपने वोट डालना शुरू कर दिया है. लगभग 700,000 सरकारी कर्मचारी वोट देने के पात्र हैं. हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, अंतरराष्ट्रीय शक्तियां श्रीलंका में प्रभाव के लिए होड़ करती हैं. पड़ोसी क्षेत्रीय शक्तियां भारत और चीन अक्सर इस द्वीप राष्ट्र में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा करते देखे जाते हैं. जबकि चीन ने कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बनायीं और हंबनटोटा बंदरगाह और लगभग 15,000 एकड़ जमीन 99 साल के पट्टे पर हासिल की, भारत ने आर्थिक संकट के दौरान 4अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह बाहरी ऋणों, ज्यादातर चीनी के बोझ तले दब न जाये. महिंद्रा राजपक्षे (2005-2015) के शासनकाल के दौरान, श्रीलंका ने चीनी ऋणों द्वारा वित्तपोषित कई महंगी अवसंरचना परियोजनाएं शुरू कीं, जिन्हें कई लोग सफेद हाथी मानते हैं, जो किसी वास्तविक उद्देश्य की पूर्ति नहीं करते. भारत और चीन के अलावा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित कई अन्य देश और ब्लॉक, श्रीलंका में इसके रणनीतिक स्थान के कारण प्रभाव डालने के इच्छुक हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> विभाजन के बाद, प्रेमदासा, जो राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के डिप्टी थे, अब इस पार्टी के नेता हैं. वह श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में एक और उम्मीदवार हैं. राजपक्षे वंश से, महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमिल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं. इन चार नेताओं में से एक के श्रीलंका के अगले राष्ट्रपति के रूप में उभरने की उम्मीद है.

रात भर जगते हैं, नींद नहीं आती है

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अनिद्रा सबसे बड़ी समस्या के रूप में उभरी है और इससे हर आयुवर्ग के लोग परेशान हैं. मेरे पास एक पीड़ित सज्जन अपनी नींद की समस्या लेकर आए. उनकी दीदी, जो स्वयं एक डॉक्टर थी, उन्होंने अपॉइंटमेंट लेते समय मुझे बताया था कि मेरे भाई को फैटी लीवर की भी समस्या है. मैंने जब उनसे बात की तो उनकी मुख्य समस्या थी कि उन्हें रात में नींद ही नहीं आती थी. वह रात भर जगे रहते थे. उनको सोने में बहुत कठिनाई होती थी. वह सो ही नहीं पाते थे. उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि वह सो क्यों नहीं पा रहे हैं. हालांकि वह सोचते भी बहुत थे. उसके ठीक दूसरे दिन मैंने 'शुभम संदेश' में प्रकाशित एक लेख पढ़ा, जिसमें एक रिसर्च के बारे में बताया गया था कि नींद की समस्या फैटी लीवर की समस्या से भी जुड़ी हुई है. चलिए आज हम नींद की समस्या के बारे में ही बात करते हैं. नींद की समस्या को इनसोम्निया भी कहा जाता है. अनिद्रा एक नींद संबंधी विकार है. अगर आपको अनिद्रा है तो आपको सोने या सोते रहने में कठिनाई होती है. अनिद्रा में निम्नलिखित समस्याएं शामिल हो सकती हैं. जैसे नींद आने में कठिनाई, रात में जाग जाना और दोबारा सोने में परेशानी होना बहुत जल्द जग जाना और दोबारा सो न पाना, जागने पर तरोताजा महसूस न करना आदि. अनिद्रा के कारण निम्नलिखित लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं जैसे तनाव, सिर दर्द, अवसाद, चिंता. अनिद्रा के लिए कई उपचार हैं, जिसमें स्लिप हाइजीन या नींद की स्वच्छता में अच्छी आदतें बनाना शामिल है, जो आपको अच्छी नींद लेने में मदद करेगी. यदि आपकी अनिद्रा खराब नींद की स्वच्छता के कारण होती है तो उपचार में पहला कदम स्वस्थ नींद की आदतों को अपनाना सीखना और किसी भी जीवनशैली कारकों को बदलना है. नींद की स्वच्छता संबंधी आदतों में आप यह कर सकते हैं. जैसे नियमित नींद के पैटर्न को बनाए रखें. हर दिन लगभग एक ही समय पर सोने और जागने की कोशिश करें और दिन में झपकी लेने से बचें. बिस्तर पर बहुत ज़्यादा देर तक न रहें. सुनिश्चित करें कि आपका बेडरूम आरामदायक हो. यह शांत और अंधेरा होना चाहिए. न बहुत गर्म और न ही बहुत ठंडा. अपने बेडरूम से घड़ियां हटाने पर विचार करें, ताकि आपको बार-बार समय न देखना पड़े. अपने बेडरूम में स्क्रीन न रखें और सोने से एक घंटे पहले तक स्क्रीन का इस्तेमाल न करें. निकोटीन का सेवन बंद कर दें. शराब का सेवन कम कर दें या बंद कर दें तथा कैफीन का सेवन केवल सुबह के समय ही करें. नियमित रूप से व्यायाम करें. यदि आपको नींद नहीं आ रही हो तो दूसरे कमरे में चले जाएं और कोई शांत गतिविधि करें जैसे पढ़ना, जब तक कि आप थक न जाएं. फिर पुनः प्रयास करें सोने से पहले कुछ ऐसा करें, जो आपको आरामदायक लगे. जो भी बात आपको परेशान कर रही हो, उसे सोने के समय के बजाय दिन में पहले ही निपटाने का प्रयास करें. सोने से पहले अपने शरीर और दिमाग को आराम देना सीखें. इससे आपको चिंताओं से छुटकारा पाने और अपने शरीर को सोने के लिए तैयार करने में मदद मिल सकती है. सांस लेने के व्यायाम, प्रगतिशील मांसपेशी विश्राम और ध्यान सोने से पहले उपयोगी तकनीकें हो सकती हैं. संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (सीबीटी) आमतौर पर उपचार की पहली पंक्ति होती है. यदि नींद की रणनीतियों और विश्राम से आपको मदद नहीं मिली हैं तो सीबीटी एक उपचार है, जो इस विचार पर आधारित है कि आप कैसे सोचते हैं और कार्य करते हैं. यह आपके महसूस करने के तरीके को प्रभावित करता है. यह आमतौर पर एक मनोवैज्ञानिक द्वारा प्रदान किया जाता है. सीबीटी अनिद्रा, चिंता और अवसाद के लिए प्रभावी हैं. नींद की गोलियां सीबीटी की तुलना में कम प्रभावी हैं और अनिद्रा का इलाज नहीं हैं. वे थोड़े समय के लिए उपयोगी हो सकती हैं, लेकिन यदि आप उन्हें बहुत बार लेते हैं तो वे कम प्रभावी हो जाते हैं. कभी-कभी, नींद की गोलियां अनिद्रा को बदतर बना सकती हैं, खासकर यदि आप उन्हें नियमित रूप से लेते हैं. नींद की गोलियों से मनोरोग की आशंका भी बढ़ जाती है. अनिद्रा के कारण दिन भर में कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं और इससे सामान्य रूप से काम करना मुश्किल हो सकता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> अनिद्रा एक नींद संबंधी विकार है. अगर आपको अनिद्रा है तो आपको सोने या सोते रहने में कठिनाई होती है. अनिद्रा में निम्नलिखित समस्याएं शामिल हो सकती हैं. जैसे नींद आने में कठिनाई, रात में जाग जाना और दोबारा सोने में परेशानी होना बहुत जल्द जग जाना और दोबारा सो न पाना, जागने पर तरोताजा महसूस न करना आदि.

मीडिया में अन्यत्र

अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट से आबकारी नीति घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई है. सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दो याचिकाओं पर फैसला सुनाया. न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आबकारी नीति भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को नियमित जमानत देने का फैसला सुनाया. इस संबंध में न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने उनके फैसले पर सहमति जताई. कोर्ट ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी. सीबीआई की गिरफ्तारी से जुड़ी याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अपीलकर्ता की गिरफ्तारी अवैध नहीं थी. ईडी मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी. ऐसे में अब उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है. उन्होंने 103 दिन पहले यानी 2 जून को अंतरिम जमानत की मियाद पूरी होने के बाद सरेंडर किया था. माना जा रहा है कि वे आज ही जेल से बाहर आ सकते हैं. दरअसल, केजरीवाल ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में अपनी गिरफ्तारी और जमानत से दिल्ली हाईकोर्ट के इनकार को चुनौती देते हुए दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं. पीठ ने पांच सितंबर को केजरीवाल की याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था. सीबीआई ने इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख को 26 जून को गिरफ्तार किया था. जस्टिस कांत ने कहा कि तर्कों के आधार पर हमने 3 प्रश्न तैयार किए हैं. क्या गिरफ्तारी अवैध थी? क्या अपीलकर्ता को नियमित जमानत दी जानी चाहिए? क्या आरोप पत्र दाखिल करना परिस्थितियों में इतना बदलाव है कि उसे ट्रायल कोर्ट में भेजा जा सके? उन्होंने आगे कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को गिरफ्तार करना कोई गलत बात नहीं है. हमने पाया है कि सीबीआई ने अपने आवेदन में उन कारणों को बताया है कि उन्हें क्यों ये जरूरी लगा. धारा 41ए (iii) का कोई उल्लंघन नहीं है. हमें इस तर्क में कोई दम नहीं लगता कि सीबीआई ने धारा 41ए सीआरपीसी का अनुपालन नहीं किया. उन्होंने कहा कि जमानत पर हमने विचार किया है. मुद्दा स्वतंत्रता का है. लंबे समय तक कारावास आजादी से अन्याय के बराबर है. फिलहाल हमें लगता है कि केस का नतीजा जल्द निकलने की संभावना नहीं है. सबूतों और गवाहों से छेड़छाड़ को लेकर अभियोजन पक्ष की आशंकाओं पर विचार किया गया. उन्हें खारिज करते हुए हमने निष्कर्ष निकाला है कि अपीलकर्ता को जमानत दी जानी चाहिए.कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता मामले के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेगा. ईडी मामले में लगाई गई शर्तें इस मामले में भी लागू होंगी.

(अमर उजाला)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उपेक्षा/अपेक्षा

चालीस साल पहले की बात है. मैं उस समय नामकुम में लक्ष्मी नारायण मंदिर में वहां के पूज्य पुजारी पंडित बुद्धेश्वर मिश्र के सौजन्य से रहा करता था. जब रांची में काम-धाम की व्यवस्था हो गयी तो उनसे विदायी मांगी. पंडित जी ने कहा-आप जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं-नापेक्षा, नोपेक्षा. मतलब न अपेक्षा है और न ही उपेक्षा. आपसे न तो कोई अपेक्षा है और न ही आपकी उपेक्षा. यानी न तो मैं आपसे कोई उम्मीद रखता हूं और न ही आपका तिरस्कार करता हूं. ये दोनों शब्द एक दूसरे के विरोधी हैं. एक पूरब की ओर देखता है तो दूसरा पश्चिम की ओर. व्याकरण की भाषा में दोनों एक दूसरे के विलोम शब्द हैं. जैसे रात का दिन, प्रकाश का अंधकार, उत्तर का दक्षिण, बायां का दायां आदि. अब समस्या यह है कि दोनों चूंकि सुनने में एक-से लगते हैं, इसलिए इनके प्रयोग में कई लोग प्रायः गलतियां कर बैठते हैं, बोलने में भी और लिखने में भी. इस समस्या के चलते अर्थ का अनर्थ हो जाता है. जिससे आपको उम्मीद करनी होती है, उसका आप अनादर कर बैठते हैं. या फिर जिस पर ध्यान देने की भी आवश्यकता नहीं समझते, उससे उम्मीद कर बैठते हैं. इस समस्या का समाधान बस इतना ही है कि इन दोनों के अर्थ को हृदयंगम कर लिया जाये. उसे दिमाग में एकदम बैठा लिया जाये. वर्धा हिंदी शब्द कोश के अनुसार तत्सम शब्द अपेक्षा का अर्थ संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप है-आशा, उम्मीद, अभिलाषा, आकांक्षा, इच्छा, चाहत, भरोसा, आवश्यकता, जरूरत, कार्य कारण का अन्योन्य संबंध. इसी शब्द का अर्थ क्रिया विशेषण के रूप में बताया गया है-तुलना में. दूसरा शब्द उपेक्षा भी तत्सम ही है. इसका अर्थ है-किसी की इस प्रकार अवहेलना करना कि वह अपमान जनक प्रतीत हो, तिरस्कार, अनादर. उदाहरण के लिए आलोचकों की उपेक्षा से साहित्यकार दुःखी है. इस शब्द का एक अर्थ और भी है-जहां ध्यान देने की आवश्यकता हो, वहां ध्यान न देना, उदासीनता, लापरवाही. इस उदाहरण से इसका अर्थ इस प्रकार समझा जा सकता है. सभी बीमारियों के मूल में स्वास्थ्य नियमों की उपेक्षा ही है.

जल्दी करो, वरना बाद में पछताओगे!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

वह सवेरे सवेरे आ धमके. बोले, लौटाया या नहीं, जल्दी करो, वरना बाद में पछताओगे, कहे देता हूं. मैंने पूछा, किसका क्या लौटाना है भाई ! मैंने न तो कुछ खरीदा, जो खराब निकल गया हो और उसे लौटाना पड़े और न किसी का कुछ लिया. न दान लिया, न उधार लिया, फिर लौटाने की यह बात कहां से आ गई? हां, याद आया. कल एक पैन ज़रूर खरीदा था. लीक कर रहा है. शायद उसी को लौटाने की बात कर रहे हो क्या ? लेकिन इन्हें कैसे पता चला? मित्र बोले, भोले मत बनो. दुनिया जानती है और एक तुम हो जिसे मालूम ही नहीं. सिर्फ दान और उधार या खरीदा माल ही नहीं लौटाया जाता, सम्मान और पुरस्कार भी लौटाया जा सकता है. वह भी तो दान या भिक्षा की तरह ही दिया जाता है. साहित्य अकादमी का सम्मान तो लिया होगा, उसी को लौटाना है. कितनों को तो मिल गया. तुम्हें नहीं मिला? जब बंट रहा था, तुम कहां थे ? उसे लेने की दौड़ में तुम दौड़े थे या नहीं? बस, तुममें यही खराबी है, दौड़ में हमेशा पीछे रह जाते हो. जब बांटा जा रहा था तो पीछे रह गए. अब जब लौटाया जा रहा है तो भी पीछे रह गए. नहीं भाई मैंने अकादमी का कोई पुरस्कार लिया ही नहीं है, न ही मुझे मिला. तो लौटाने का प्रश्न ही कहां उठाता है? अरे इतने साल हो गए कलम घिसते हुए, तुम्हें अभी तक कोई पुरस्कार ही नहीं मिला. जब कालेज स्कूल में पढ़ते थे तब तो कोई न कोई पुरस्कार मिला होगा, कुछ नहीं तो अकादमी का समझ कर उसी को लौटा दो. जल्दी करो, समय निकला जा रहा है. फिर मत कहना कि मैंने तुम्हें आगाह नहीं किया. यही समय है जब लोहा गरम है. फायदा उठा लो. शहीद हो जाओगे. लेखन की आजादी के झंडाबरदार बन जाओगे. स्वतन्त्रता सेनानियों में तुम्हारा नाम दर्ज हो जाएगा. तुम लेखनी की स्वतंत्रता के लिए इतना सा बलिदान नहीं कर सकते कि अपना कोई भूला-बिसरा पुरस्कार लौटा सको. लौटाओगे तो कम से कम लोगों को पता तो चलेगा कि तुम्हें भी कभी एक पुरस्कार मिला था. वह अंधेरे में गुम हुआ सम्मान दुबारा प्रकाश में आ जाएगा. खुद ही देख लो. साहित्य अकादमी का सम्मान लौटाने वालों में कितने ही ऐसे थे, जो गुमनामी का जीवन जी रहे थे, लौटाते ही अब फिर लाइम-लाईट में आ गए. तुम भी आ जाओगे. लौटाओ, जल्दी करो. मैं अपना सर खुजलाने लगा. सोचने लगा मुझे कब, कहां, कौन सा पुरस्कार मिला था. याद ही नहीं आ रहा था. कुछ देर बाद, कुछ कुछ याद आया कि शायद जब मैं नवीं कक्षा में पढ़ता था तो स्कूल की मैगजीन में मेरी एक कविता छपी थी, जिसे छपने वाली रचनाओं में प्रथम पुरस्कार मिला था. लेकिन मेरी मूर्खता देखिए कि उस पुरस्कार का प्रमाणपत्र मैंने सहेज कर नहीं रखा. मैगज़ीन तो शायद कहीं पडी भी हो. लेकिन पुरस्कार का प्रमाण पत्र यदि कहीं मिल भी जाए तो उसे लौटाऊंगा कहां. सुनते हैं उस स्कूल का तो नाम ही बदल गया है.

करम परब

फुआ के करम सिद्धांत में बेचारी फंसी मैं

गुलांचो कुमारी

भादो माह आता नहीं कि, 'करमइति' बच्चे कांस फूल की तरह खिल उठते. मन में ढोल नगाड़े बजते. जुबां करम गीत से खुलती और बंद होती. सोते -जागते, घर, स्कूल हो या फिर गाय बैल हांकते, गोरखी करते, जंगल पहाड़ में हों, जगह समय देखे बिना कहीं भी शुरू हो जाते और करम गीत गुनगुना उठते-भादो कर एकादसि करम गढ़ाइल रे ...या अइलय भादर मास, लागल इ नइहरेक आस दिना चारि ससुर..!

अतिथि संपादक गुलांचो कुमारी के दिशा-निर्देशन में तैयार हुआ आज का करम स्पेशल पृष्ठ

पारंपरिक प्राकृतिक 'करम' परब में करम और धरम की जितनी अहमियत फुआ करम करते समय बताती थीं, अब लुप्त प्रायः सा दिखने लगी है. छोटी फुआ 'करम पेड़' और 'जाउआ डाला 'से जुड़ी नवसृजन व 'बहिनेक करम भाइएक धरम' के सिद्धांत पर आधारित अनेक कहानियां सुनाया करती थीं. उन सिद्धांतों को मनवाने के लिए, कितनी अंधविश्वासों की कहानी उन्होंने खुद गढ़ी या सुनकर मनवायी थी. उन्हीं दिनों के कुछ किस्से आपसे साझा करती हूं.

फुफु गो, मके पियास लागलहव

मैं दस साल की थी जब दूसरी बार करम उपवास रखा था. करम उपवास पर रहना मतलब घर के सारे काम से पूरे दिन भर के लिए आजादी. कोई रोक टोक नहीं. पूरे टोले में कहीं, किसी के भी घर धड़ल्ले से जाकर बैठ सकती थी. गप्पे लड़ाते हुए नाच-गा सकती थी. दिन भर दोस्तों के साथ अखड़ा में नाचने के बाद शाम को घर लौटी. घर क्या लौटी फुआ द्वारा जबरदस्ती लायी गयी क्योंकि फूल (लोहरने) तोड़ने का समय हो गया था. एक टोकि (टोकरी का छोटा रूप जिसमें फूल तोड़ने का नेग किया जाता है) उठा कर, हम घर से बाहर निकल गये. बाहर निकाल कर फुआ ने मुझे उस जगह खड़ा कर दिया जहां से खोइर (सड़क) में चलने वाले लोग दोनों तरफ़ से दिखे. डाली पकड़ कर वहीं खड़ा रहने का आदेश दे फुआ इधर-उधर देखने लगीं. जब तक अखड़ा में नाचने गाने में मग्न थी, तब तक कुछ नहीं लगा. घर आते ही भूख प्यास सबने एक साथ मिलकर हमला कर दिया. पेट पेड़ में बने खोड़र की तरह अंदर घुस गया था. प्यास से मरी जा रही थी. गला सूख गया था. लगा, थोड़ी देर और ऐसे खड़ी रही तो सच में पाताल चली जाऊंगी. थोड़ी रोनी सूरत बनाई और बोली-' ऊं..फुफु गो, मके पियास लागलहव, घरवा से एक टुकु ढोइंक आइओ?' उनका ध्यान मेरी ओर मुड़ा. वो पास आयीं. माथे पर हाथ फेर दुलारते हुए कहा - नाय बेटी पानि नाइ पिहे नि तो दीया टा बुताई लागतो..! (पानी नहीं पीना चाहिए, पानी पीने से करम के नाम पर जलाया गया 'दीया' बुझ जाएगा.) मैं ज़िद्द पर अड़ गयी. मुझे लगा थोड़ी जिद्द करूंगी तो कुछ खाने को जरूर मिलेगा. लेकिन फुआ भी जिद्दी थी. उसकी आस्था, तर्क के सामने मेरी एक न चली. वो बोली -'करम राजा रगाइ जाबथून बेटि.. फिर फलनी से तुलना करते हुए - 'संजति नुनि टी तोर ले छोटो आहिक गो मकिन उ फरिछ आहि, तोंय लरूवाई लागलें. '

जहां फलनी की तुलना में चिलनी अच्छी साबित कर दिया जाए, वहां मैं कैसे पानी पी सकती थी. ऊपर से करम राजाक नाराजगी का डर, प्यास बिजली की तरह छू मंतर हो गयी. थोड़ी ही देर में गीत गाती हुई करीब दस बारह लड़कियां दिखीं. सबके बाल खुले थे. हाथ में टोकि था और मुंह में गीत. उनको आते देख फुआ खुश हो गयी. बांये हाथ से मेरा हाथ कस कर पकड़ा और उनकी टोली में शामिल हो, गाने लगीं -

'कने देला डाला टकि,
कने देल करम साड़ि
अझ्अ रे कने रे देला,
कने देला टिकअलि सिंदूर?

आगे आगे 'नया' की पत्नी गा रही थी और पीछे-पीछे फुआ की टोली दुहरा रही थीं. यह कारवां सीधे 'कुड़ुम तालाब' में जाकर रूकी. फुआ ने तब तक हाथ पकड़ रखा था. अब मैं आजाद थी. देखा, 'नयाइन' ने कुछ बड़बड़ाते हुए तालाब की ओर किसी को प्रणाम किया और हरी घास तोड़ने लगी. उसे देख मैं भी भागी. फुआ पीछे से चिल्लायीं..रूको! तुम पीछे हटो! बच्चों को नहीं तोड़ना है. और वो भी उस घास को तोड़ने लगी. मैंने पूछा - क्यों नहीं तोड़ सकती? तोड़े गये घास को टकि में रखते हुए वह बोली- 'इटा बेलि फूल हेकइ बेटि डंगुआ नाहि भांगहत!' (यह बेली फूल है, बच्चों को नहीं तोड़ना चाहिए) बाद में बताया कि वहां हमारे देवता रहते हैं. मैं छोटी थी. कुछ ऊंच नीच हो जाता तो मेरी मां उसे गरियाती, इसलिए मुझे रोक दिया था.

रात और धान के खेत

टोली फिर आगे बढ़ी. हम अब खेतों में चल रहे थे. रात में पानी खेत में चलने का अनुभव बिल्कुल नहीं था. मैं डरने लगी. फुआ ने फिर हाथ पकड़ा और मुझे टोकि थमा दी -'तुम पकड़ो मैं फूल तोड़ती हूं.' रात में हरे भरे धान खेत में चलना उपर से टोकि पकड़ना पहाड़ सा मुश्किल लगा मुझे. नीचे से पैर छिल रहे थे धान के पत्तों से. अंदर से फुआ को करमैनी कांटा चुभा कर, खूब गरियाने का मन कर रहा था किंतु, करम राजाक डर से चुप थी. फुआ बांये हाथ से मुझे पकड़ती और दांये हाथ से सटासट धाने के पत्तों को तोड़ते हुए आगे बढ़ती जाती. मैं रास्ते में घिसिया कर छपाक से गिर जाती. बार-बार, छपाक-छपाक गिरते देख फुआ खिलखिलाकर हंस पड़ी. मेरी हालत देख 'टोकि' से मुक्त कर दिया. अब वो खुद ही एक हाथ से पकड़ती और दूसरे से तोड़ती जाती. मैं उसकी बांह पकड़ कर चलने लगी.

'चाल्हो सियार 'के नाम

उसी रास्ते में आगे, करम राजा खड़े थे मतलब वो करम पेड़ जिसकी डालियां अखड़ा में पूजने के लिए गाड़ी जाती है. पूरे गांव के अखड़ा में एक ही पेड़ से डालियां लायी जाती है और यह परंपरा वर्षों से चलती आ रही है. फुआ ने पहले ही समझा दिया था कि पेड़ के नजदीक जाते ही आंख बंद कर लेना नहीं तो आगे बड़ा सा खूंखार बाघ रास्ते में मिलेगा, जो हमें खा जाएगा. यहां खुली आंख से मैं पानी में छपाक छपाक गिर रही थी, उपर से आंखें बंद करके चलना मुझ जैसी मासूम बच्ची को कितना कठिन लगा होगा आप समझ सकते हैं. पेड़ के नजदीक से कुछ पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल, नगाड़ा की आवाजें आ रही थी. बहुत आगे निकल जाने के बाद, थोड़ा सा देख लिया था. चटाक से 'चाटा' खायी थी. तालाब में नहाने के पहले फुआ 'चाल्हो सियार 'के नाम पर झिंगी के पत्तों में झिंगा फूल और एक -एक दतुवन रखवायीं. फिर आदेशानुसार मैंने तालाब का पानी अंजुरी में भरकर, उसके ऊपर चारों ओर घुमाते हुए छिड़क दिया.

छिड़कने के बाद घुटनों पर बैठी, पुरखों को याद कर प्रणाम किया, फिर नहाने गयी. उन्होंने हिदायत दी थी कि हाबु होकर नहीं नहाने की अर्थात् तालाब में नहाते समय 'परबइति' को पीठ की ओर मुड़कर नहीं नहाना चाहिए नहीं तो मेरा 'जाउआ' भी पीछे की ओर झुक जाएगा! फुआ के अनुसार एक सशक्त परंपरा यह भी थी कि मंडप थान ' में भीगे कपड़ों में ही जाना चाहिए. मैं ठंड से कांप रही थी और फुआ हमें डाइन के नजरों से बचाये रखने के लिए गा रही थीं -

' पहिले जे खंइहो डइनि बेटा भतार गे
तबे मन हिंछबे हमार...!'

घर आकर कपड़े बदली. मुझे नए कपड़े पहनाए गए. सज कर चटाई पर तब तक बैठने का आदेश मिला जब तक गोड़ाइत हांक कर ये न बता दे कि अखड़ा में करम गाड़ दिया गया है. मुझे नींद आ रही थी. सो चटाई पर ही सो गयी. फुआ कहीं व्यस्त होने के कारण नहीं देखी पर मां आ टपकी और तुरंत उठा के बैठा दी और बोली -'करवट नहीं सोना चाहिए वरना 'जाउआ' भी करवट ले लेगा.' मैं बेचारी नींद में बैठे-बैठे ही हिलने डुलने लगी.

करम कर जावा उठल

राकेश रमण 'रार'

करम परब आय गेलक. ऐसों बुझातहे एकादसी दिन भादो अखरा में कादो करबे करी. करम कर अखरा में कादो नि रहले नाचेक में बेसो नि लागे ल. कहैंन गुनी गेयानी जे करम कर गछ सउब गछमन से बगरा परान हवा माने ऑक्सिजन देवे ल. राइतो के आऊर दिनो के. सेहे करम कर डाइर का एकला सारधा लागिन अंगना में गडाय़ला! ऊ तो कहे ल, ए भाई ! जिनगी में जान चाही खने करम के जोगाय के रखनाय तो असली धरम हेके !

आऊर धरम हेके नदी कर बाला के डाला में लाईन के जावा के उठायाक. का ले नदिये कर बाला? पुरखामन अंइते बुइधगर रहैं. हामरे के बताय के जाय हैं कि नदी के बंचाय के राख ब. का ले? तो भाई सावन भादो में नदी कर पानी से निकसाल बाला माटी मेसा रहे ल. माटी मेसा बाला में जावा सुपट बेस जईर धरे ल आऊर बनबनाय के बाढ़े ल.

बहिनमन जब उपास पियास राईख के जावा के सेवैं न, तब जावा हर लहलहाय लागे ल. करम कर अईसन जावा देईख के उमनक मुंह में गीत पझरेक लागे ल—

ओ दे... ओ दे रे करम जावा उठि गेल
नदिया केर अंचरा में
गांव-घरक अंचरा में
करम जावा उठि गेल...
आपन करम, भईया कर धरम
बुझि राखू जिनगी कर मरम
भादो कर बरखा में
गांव घरक अखरा में
करम जावा उठि गल...
ओ दे... ओ दे रे करम जावा उठि गेल...
आब तो आबैं करम राजा
बाली ढोल मांदर बाजा
आपन आपन झखरा में
गांव घरक अखरा में
करम जावा उठि गल...
ओ दे... ओ दे रे करम जावा उठि गेल...
चल तो चांदो जावा सेवब
उके कटिक पानी देवब
डाला कर सेजरा में
गांव घरक अखरा में
करम जावा उठि गल...
ओ दे... ओ दे रे करम जावा उठि गेल...

करम कर जावा जब बेस से लहलहाते उठेल, तब गांव घर कर असराव लहके ल आऊर अखरा में नाचेक ले गोड़ आपने टुभकेक लागे ल.

गुणकारी है देव वृक्ष 'करम'

युगल किशोर पंडित

करम परब के अवसर पर करम डाइर की पूजा का खास महत्व है. जंगल से करम डाइर लाने के लिए करमइत सब गीत गाते हुए जंगल तक जाती हैं. वहां पेड़ की पूजा कर उससे एक डाली की याचना करती हैं. डाली लाकर अखरा में गाड़ दिया जाता है जहां करम डाइर की पूजा होती है. करमइत सब रात भर उसके चारों ओर करम गीत गाते हुए नाचती हैं. अगले दिन नदी या तालाब में जावा डाली के साथ करम डाइर को भी विसर्जित कर देती हैं.

देव वृक्ष माना जाता है करम

झारखंड के आदिवासियों ने करम पेड़ को देव वृक्ष की संज्ञा दी है. यह बहुत ही पूजनीय वृक्ष है. ऐसी मान्यता है की इसमें देवता का निवास होता है. कहा जाता है कि करम पेड़ 24 घंटे ऑक्सीजन देता है और इसमें बारिश को आकर्षित करने की अद्वितीय क्षमता है. इसलिए करम पेड़ से जुड़े करम गीतों द्वारा आकाश में बादलों को आकर्षित करने और बारिश प्रार्थना की जाती है.

औषधि के रूप में होता है उपयोग

इसका वैज्ञानिक नाम हल्दिना कोर्डिफोलिया है. यह भारत के साथ ही चीन, वियतनाम आदि देशों में भी पाया जाता है. इस पेड़ का उपयोग कई बीमारियों के इलाज में किया जाता है. इसकी छाल गैस्ट्रिक में फायदेमंद होती है. छाल को सुबह खाली पेट चबाते हुए उसके रस को धीरे-धीरे चूसने से 15 दिनों में गैस्ट्रिक की बीमारी ठीक हो जाती है. अल्सर, मलेरिया जैसी बीमारियों में भी फायदेमंद है.

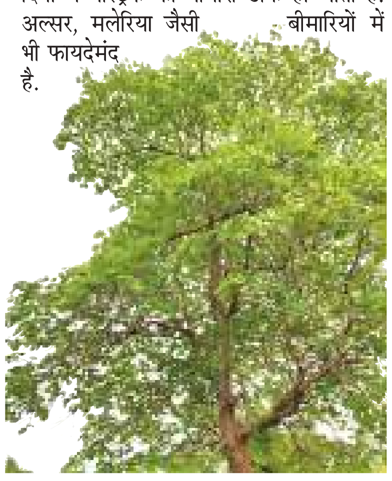

आपन धरम भाइयेक करम

डॉ. हाराधन कोईरी

झारखंड, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ और उड़ीसा आदि राज्यों में करम पर्व मनाया जाता है. लेकिन पांच-परगना क्षेत्र का करमोत्सव अनूठा है. भाद्र मास के एकादशी को मनाये जाने वाला करम परब एक वर्षा कालीन पर्व है. करम को अंग्रेज़ी भाषा के प्रभाव से लोग करमा कहते हैं, जबकि इसका असल नाम करम है. धान रोपनी का काम पूरा होने के बाद कृषक वर्ग इत्मीनान हो जाते हैं. नाचने-गाने को तैयार रहते हैं. इसी बीच करम आ जाता है. इस पर्व का मुख्य ध्येय है- प्रकृति की सुरक्षा. करम राजा का पूजन करने के बाद सभी करमति बहनें करम की डाली को पकड़कर भेंट लगती हैं. मन-ही-मन करम देवता से मन्नतें मांगती हैं. उन्हें सुयोग्य वर मिले, अच्छा घर परिवार मिले. ससुराल में किसी प्रकार का कष्ट न हो आदि. भेंट लगने की रीति जैसे ही पूरी होती है तब पाहन बाबा या पंडित जी पूछते हैं- बताओ ? (डारइ धइर धइर का पाला?) अर्थात करम डाली को पकड़-पकड़ कर क्या पायीं? सभी करमति बहने एक स्वर में कहती हैं- "आपन धरम भाइयेक करम!" पाहन दूसरी बार पूछते हैं और क्या पाया ? तब उत्तर देती हैं- "एकटा बेटा आर एकटा बेटी." फिर तीसरी बार पूछते हैं और क्या पाया ? वे सभी एक स्वर में कहती हैं- "गांव ग्रामेक सउब बेसे बेस रहुक." अर्थात गांव में खुशहाली रहे, सभी प्रसन्न रहे. जबकि अपने मने की बात को गुप्त ही रखती हैं. यदि इस बातचीत के मूल में जाकर देखें तो पता चलेगा कि करम पर्व पूरी तरह- 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की भावना से ओतप्रोत है.

बहनें बांधती तागा

करम उपवास मुख्य रूप से कुंवारी कन्या करती हैं. लेकिन विवाह बाद भी करती हैं जिनके ससुराल वाले करम गाड़ते हैं. मान्यता है कि करम पूजा आरंभ करने के बाद सम संख्या में नहीं छोड़ सकते हैं. इसके लिए विषम संख्या का होना जरूरी है. जैसे तीन डाला, पांच डाला, सात डाला आदि. करम पर्व में बाली (बालू) उठाने का रिवाज है. ये भी तीन, पांच, सात या फिर नौ दिन का उठाया जाता. बाली उठाकर जिसमें रखा जात है, उसे जावा कहते हैं. उस जावा के अंदर सघन रूप से धान, चना, कुरथी और बटुरे के बीज डाले जाते हैं. नदी या सतिया से बालू उठाकर सभी करमति बहनें नहा धोकर घर आती हैं. घर आकर आंकरी थापती हैं. आंकरी थापना अर्थात बीजों को अंकुरित होने के लिए दिया जाता है. साथ में खीरा रखती हैं. उसमें एक बेटा खीरा, एक आंकरी ओगरा (पहरेदार) और तीसरा आढ़ाई कामर (उपवास तोड़ती हैं उस समय खाने के लिए). कुल मिलाकर तीन खीरे होते हैं. इसके अतिरिक्त प्रसाद के लिए अलग से खीरे रखे जाते हैं. बहनें करम पूजन करने के बाद सबसे पहले अपने सहोदर भाई को धागा (तागा) बांधती हैं. दूर के भाई-बहन को भी बांधती हैं.

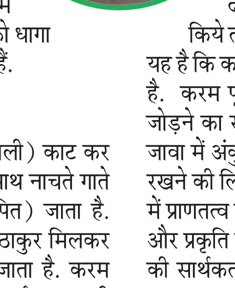

भाई काटता डाइर

करम पूजा के दिन करम के वृक्ष से भाई डाइर (डाली) काट कर लाता है. डाली को करमति बहनें बाज-बाजना के साथ नाचते गाते हुए घर को लाती हैं और आंगन में गाड़ा (स्थापित) जाता है. तत्पश्चात करम का पूजन पाहन, पंडित और नाई ठाकुर मिलकर सम्पन्न कराते हैं. फिर रात भर नाच-डेग किया जाता है. करम विर्सजन के बाद हमारे पांच-परगना क्षेत्र में पुरुष वर्ग द्वारा डारी गाड़ने की प्रथा है. डारी (डाली) भी भिन्न-भिन्न प्रकार की होती है. जैसे किसी खेत में धान की रोपनी बात में हुई है और उस खेत पर बोंखी (रोग) लग गया है तो उस खेत पर मकई या बेलवा की डाली गाड़ा जाता है, जिससे धान की बीमारी ठीक हो जाए.

हर नेगाचार के गीत

हर नेगाचार में अलग -अलग तरह के गीत गाया जाता है. जैसे जावा उठाने का गीत, जावा जगाने का गीत, करम डाली को पूजन के लिए लाने के गीत, पुष्प चुनने का गीत (फूल लड़हा गीत) करम पूजन के समय गाये जाना वाला गीत (पूजा समइएक गीत), करम डाली विर्सजन गीत (करम भांसाएक गीत) रीझ-रंग के गीत आदि.

यह है कथा

करम राजा दोनों भाई करमा और धरमा से रूठ गये थे, जिसके कारण उन दोनों भाई का हर कर्म का विपरीत परिणाम होता था. बूढ़े-बुजुर्ग से पता चलता है कि करम राजा बाम (रुठ) हो गये हैं. इसके बाद वे दोनों भाई भादर भास के एकादशी तिथि को करम पूजा किये तब जाकर सब सामान्य हो गया. इस कथा के मूल में भाव यह है कि कर्म और धर्म को साथ लेकर चलने से जीवन सफल होता है. करम पूजा व्यक्ति को पेड़-पौधों व वृक्षों से भावनात्मक रूप जोड़ने का संदेश देता है. वहीं धान, चना, कुरथी आदि बीजों को जावा में अंकुरित करना अर्थात सृष्टि के नियम को गतिशील बनाये रखने की लिए संतति को जन्म देने का द्योतक भी है. ईश्वरीय सृष्टि में प्राणतत्व देने की शक्ति केवल नारी और प्रकृति को प्राप्त है. नारी और प्रकृति को यदि हम सुरक्षित रख सकेगें तभी हमारा करम पूजा की सार्थकता है अन्यथा सिर्फ परम्परा का निर्वाह मात्र है. जोहार करम राजा!

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

हॉकी के मैदान में 350 दिन बाद आज एक-दूसरे से भिड़ेंगे भारत-पाक

एजेंसी। मोकी

भारत और पाकिस्तान की टीम के बीच हॉकी का मैच शनिवार को खेला जाना है. वैसे तो जब भी किसी खेल में भारत-पाक की टीम आमने-सामने होती है, तो मुकाबले की सरगर्मी बढ़ जाती है.

खेलप्रेमी भी मैच का बेसब्री से इंतजार करते हैं. अब चीन में जारी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान की टीमें 350 दिन बाद भिड़ने वाली हैं. पिछली बार दोनों टीमें इसी टूर्नामेंट में 30 सितंबर 2023 को मुकाबला खेला था. टीम इंडिया टूर्नामेंट में 4 जीत और 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल पर पहले नंबर पर है. वहीं पाकिस्तानी टीम ने 3 मुकाबलों में 2 ड्रॉ खेले हैं और 1 में जीत दर्ज की है. इसके साथ ही 5 अंक के साथ वह टेबल में दूसरे नंबर पर है. अब ये टॉप दो टीमें सेमीफाइनल से पहले शनिवार 14 सितंबर को ग्रुप मैच में भिड़ने वाली हैं.

टक्कर का होगा मुकाबला : हॉकी के इतिहास में भारत और पाकिस्तान के बीच 180 मुकाबले खेले गए हैं. इसमें पाकिस्तान की टीम भारी रही है. पाकिस्तान ने इसमें 82 मैच जीते हैं, वहीं भारत ने 66 मुकाबलों में जीत दर्ज की है. वहीं 32 मैच ड्रॉ रहे हैं. हालांकि, पिछले 11 सालों में यानि 2013 के बाद से पाकिस्तान पर भारत हावी रहा है. इस दौरान 25 मैच खेले हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 16 और पाकिस्तानी हॉकी टीम ने 5 मैच जीते हैं, जबकि 4 ड्रॉ मुकाबले ड्रॉ रहे. वहीं बात करें एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की तो इसमें भी टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है. इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें 11 बार भिड़ चुकी हैं, जिसमें 7 मैच भारत के नाम रहा और 2 पाकिस्तान के नाम और 2 मुकाबले ड्रॉ रहे. एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में जब पिछली बार दोनों टीमें आमने-सामने हुई थीं तब भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था. इसलिए पिछले कुछ सालों और मौजूदा टूर्नामेंट के प्रदर्शन को देखें तो टीम इंडिया पाकिस्तान पर भारी नजर आ रही है.

चीन में चल रही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले का पहला सेमीफाइनल मैच आज

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

दोनों टीमों के कप्तान ने क्या कहा

भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का फॉर्म बरकरार है और वह पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर काफी उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भाई जैसा बताया. हरमनप्रीत ने पाकिस्तान की तारीफ करते हुए उनकी टीम मजबूत है और कभी भी वापसी कर सकती है. वहीं पाकिस्तान के कप्तान अम्माद बट्ट ने भी भारतीय टीम की तारीफ की और टक्कर देने की बात कही.

यहां देख सकते हैं मैच

भारत और पाकिस्तान का ये हॉकी मुकाबला शनिवार 14 सितंबर को दोपहर 1 बजकर 15 मिनट से शुरू होगा. दर्शक इसे सोनी स्पोर्ट्स टेन 1 और टेन 1 एचडी चैनल पर देख सकते हैं. वहीं सोनीलिव ऐप पर मुकाबले की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी.

बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी टीम, मुकाबले से पहले होगा अभ्यास कैंप

चेन्नई में टीम इंडिया की तैयारी शुरू

एजेंसी। चेन्नई

रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम ने शुक्रवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है. भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत 19 सितंबर को यहां टेस्ट सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश से भिड़ने से करेगा. यह मुख्य कोच गंभीर और उनके नए सहयोगी स्टाफ के तहत भारत की पहली टेस्ट सीरीज होगी, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को भी नए गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है. बीसीसीआई ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर टीम की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, टीम इंडिया ने रोमांचक घरेलू सत्र के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है. ।

कप्तान रोहित शर्मा, करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली और भारतीय टीम के अन्य सदस्य जैसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, कुलदीप यादव और केएल राहुल गुरुवार रात चेन्नई पहुंचे. भारतीय टीम के चेन्नई पहुंचने का वीडियो न्यूज एजेंसी एनआई ने शेयर किया. वीडियो में केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह से लेकर कई क्रिकेटर्स नजर आए, जो होटल जाने के लिए बस पर सवार होते दिखाई दिए. वीडियो में फैंस का अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के बाद का उत्साह अलग ही नजर आ रहा है. कप्तान रोहित शर्मा ही नहीं लंदन से विराट कोहली भी समय पर चेन्नई पहुंचे. चेन्नई में इस प्रैक्टिस कैंप की शुरुआत कोच गौतम गंभीर के ज्ञान से हुई. उन्होंने खिलाड़ियों को आगे का ब्लूप्रिंट बताया और इसके बाद हर खिलाड़ी ने नेट्स पर कड़ा पसीना बहाया. प्रैक्टिस सेशन की सबसे बड़ी खबर ये है कि विराट कोहली और बुमराह ने खासतौर पर नेट्स पर जमकर मेहनत की.

बता दें कि 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने से टेस्ट से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ी अभ्यास कैंप का हिस्सा लेंगे. यह कैंप 18 सितंबर तक चलने की खबर है. तमाम भारतीय खिलाड़ी लंबे ब्रेक के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर रहे हैं. भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तो करीब ढाई महीने के ब्रेक के बाद क्रिकेट के फील्ड पर लौट रहे हैं. इससे पहले भारतीय तेज गेंदबाज टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल खेलते हुए दिखाई दिए थे.

इसके अलावा विराट कोहली और रोहित शर्मा करीब एक महीने के ज्यादा वक्त बाद वापसी कर रहे हैं. विराट कोहली और रोहित शर्मा इससे पहले अगस्त की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में नजर आए थे. हालांकि टीम में कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं जो दिलीप ट्रॉफी खेल रहे थे. नजमुल हुसैन शांतो की कप्तानी वाली बांग्लादेशी टीम पहले टेस्ट की शुरुआत से चार दिन पहले 15 सितंबर को चेन्नई पहुंचेगी.

चेन्नई में पहला टेस्ट 23 सितंबर को समाप्त होने के बाद, कानपुर का ग्रीन पार्क स्टेडियम 27 सितंबर से 1 अक्टूबर तक दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा. दोनों टेस्ट मैच चल रहे 2023-2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा हैं, जहां भारत 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर है.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम

नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद, जेकर अली अनिक.

भारत डब्ल्यूटीसी टेबल में टॉप पर

बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2–0 से हराया है. यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है. भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज और ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर सीरीज खेलनी है. भारत डब्ल्यूटीसी में 68.52 प्रतिशत अंक लेकर टॉप पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया 62.52 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर है. बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत अंक लेकर चौथे स्थान पर है. दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा.

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल.

प्रधानमंत्री से किया वादा पूरा किया सुमित अंतिल ने

सुमित ने अपना दूसरा पैरालंपिक स्वर्ण पीएम को किया समर्पित

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के दो बार के विश्व चैंपियन और पैरालंपिक पदक विजेता सुमित अंतिल ने पेरिस पैरा खेलों में अपना लगातार दूसरा स्वर्ण पदक हासिल करते हुए इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित किया. इससे टोक्यो पैरालंपिक में जीत के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री से किया वादा पूरा किया. सुमित ने लगातार पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले पैरा-एथलीट बनकर इतिहास रच दिया. उन्होंने पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में सनसनीखेज पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ पीला पदक जीता. 26 वर्षीय भारतीय पैरा-एथलीट ने स्टेड डी फ्रांस में 70.59 मीटर के नए पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ यह उपलब्धि हासिल की. अविश्वसनीय रूप से, सुमित ने टोक्यो 2020 में स्वर्ण पदक जीतने के लिए बनाए गए पिछले पैरालंपिक रिकॉर्ड को तीन बार तोड़ा. प्रधानमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर भारत के अग्रणी पैरालिंपियनों से मुलाकात की और उन्हें पेरिस खेलों में 29 पदकों के रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के लिए बधाई दी. पीएम मोदी से बात करते हुए सुमित ने तीन साल पहले टोक्यो में स्वर्ण पदक जीतने के बाद प्रधानमंत्री से अपनी मुलाकात को याद किया, जिसके दौरान प्रधानमंत्री ने उनसे खेलों में दो और स्वर्ण पदक लाने का वादा करने को कहा था.

सुमित ने पीएम से कहा, यह मेरा लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है. मुझे याद है कि जब मैंने टोक्यो में स्वर्ण पदक जीता था, तो आपने मुझसे वादा लिया था कि मैं दो स्वर्ण पदक जीतूंगा. यह दूसरा स्वर्ण आपके लिए है. उन्होंने कहा, मैंने उन पसंदीदा एथलीटों की सूची वाले लेख पढ़े, जो अपने स्वर्ण पदक बचा सकते हैं, और मेरा नाम भी उनमें था. लेकिन जब हमने 20 अगस्त को बात की, तो मुझे टोक्यो पैरालिंपिक का वह पल याद आ गया. अपनी पूरी टीम की ओर से मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं. भारत ने सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया और कुल 29 पदक जीते.

मैकमिलन न्यूजीलैंड को ज्ञान देने को इच्छुक

लिंकन। यूएई में 3 अक्टूबर से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के पूर्व पुरुष ऑलराउंडर क्रेग मैकमिलन ने कहा कि वह सोफी डिवाइन की अगुआई वाली टीम को वैश्विक टूर्नामेंटों में खेलने का अपना सारा ज्ञान देने के इच्छुक हैं. मैकमिलन, जो वर्तमान में न्यूजीलैंड की महिला टीम के सहायक कोच हैं, ने पुरुष टीम के लिए 260 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें तीन वनडे विश्व कप और 2007 में दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप का उद्घाटन संस्करण शामिल है. मैं भाग्यशाली था कि मैं चार व्हाइट-बॉल विश्व कप में खिलाड़ी के रूप में और तीन बार ब्लैक कैप्स के बल्लेबाजी कोच के रूप में गया, इसलिए मुझे विश्व कप के मामले में बहुत अनुभव है. वे अलग तरह के खिलाड़ी हैं, यह एक टूर्नामेंट जैसा प्रारूप है, इसलिए यह सामान्य दौरे से अलग है. मैकमिलन ने लिंकन से आईसीसी डिजिटल से कहा, मैं निश्चित रूप से उस ज्ञान का उपयोग करूंगा.

राफेल ने बर्लिन में होनेवाले लेवर कप से अपना नाम वापस लिया

एजेंसी। नयी दिल्ली

पूर्व विश्व नंबर 1 राफेल नडाल ने अगले सप्ताह बर्लिन में होने वाले लेवर कप से नाम वापस ले लिया है, टूर्नामेंट ने इसकी घोषणा की. सोशल मीडिया पर इवेंट द्वारा जारी किए गए ट्वीट में नडाल ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत निराशा हो रही है कि मैं अगले सप्ताह बर्लिन में होने वाले लेवर कप में भाग नहीं ले पाऊंगा. यह एक टीम प्रतियोगिता है और टीम यूरोप का वास्तव में समर्थन करने के लिए, मुझे उनके लिए सबसे अच्छा करने की आवश्यकता है और इस समय अन्य खिलाड़ी भी हैं, जो टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकते हैं. लेवर कप खेलने से जुड़ी मेरी बहुत सारी शानदार, भावनात्मक यादें हैं और मैं अपने साथियों और कप्तान के रूप में अपने अंतिम वर्ष में ब्योर्न बोर्ग के साथ होने का वास्तव में बेसब्री से इंतजार कर रहा था. मैं टीम यूरोप को शुभकामनाएं देता हूं और दूर से ही उनका उत्साहवर्धन करूंगा.

स्पेन के इस खिलाड़ी ने लेवर कप के सातवें संस्करण के लिए टीम यूरोप का साथ दिया था, जिसका आयोजन 20-22 सितंबर तक बर्लिन के उबेर एरिना में किया जाएगा. पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद, नडाल ने पुष्टि की थी कि 2024 के लिए लेवर कप उनका अगला इवेंट होगा. बर्लिन लेवर कप में नडाल का चौथा प्रदर्शन होता, इससे पहले उन्होंने 2017 में प्राग, 2019 में जिनेवा और फिर 2022 में लंदन के ओ2 में फेडरर के करियर के आखिरी मैच के लिए करीबी दोस्त और लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी रोजर फेडरर के साथ युगल में हिस्सा लिया था.

आयरलैंड ने कैप्टन बालबर्नी को किया बाहर

एजेंसी। डबलिन

अपनी टी20आई टीम में नयी जान फूंकने के लिए आयरलैंड ने टेस्ट कप्तान एंडी बालबर्नी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम से बाहर करने का फैसला किया है. यह सीरीज इस महीने के आखिर में अबू धाबी में खेली जाएगी. टी20 में आयरलैंड के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बालबर्नी के लिए यह साल चुनौतीपूर्ण रहा है. 12 पारियों में उनका औसत 24.83 रहा है और उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 113.74 रहा है, जो उनके सामान्य मानकों से कम है. हाल ही में लीस्टर लाइटनिंग के टी20 मैच से उनकी अनुपस्थिति, जिसमें लोर्कन टकर ने ओपनर के तौर पर कदम रखा, इस बात के संकेत हैं कि टकर संभवतः बालबर्नी की जगह पॉल स्टर्लिंग के साथ शीर्ष क्रम में जोड़ीदार के तौर पर खेल सकते हैं. आयरलैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने इस निर्णय के पीछे के तर्क को स्पष्ट किया, इस दौरे पर हम जिस एक क्षेत्र पर विचार करेंगे, वह है हमारी टी20 टीम में शीर्ष क्रम. हम एक नया आयाम पेश करने पर विचार कर रहे हैं, जिसमें एंड्रयू बालबर्नी इस अवसर पर टी20 से बाहर रहेंगे. आगामी श्रृंखला में केवल दो टी20 हैं, लेकिन वे महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेंगे क्योंकि हम अपने प्रदर्शन के स्तर को फिर से बढ़ाने का प्रयास करेंगे. टी20 टीम से बाहर होने के बावजूद, बालबर्नी भविष्य के लिए आयरलैंड की योजनाओं का अभिन्न अंग बने हुए हैं, उन्हें बाद की तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है.

व्हाइट ने प्रशंसकों को आश्वस्त करते हुए कहा, एंड्रयू हमारे विचारों के केंद्र में हैं और एकदिवसीय मैचों में बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे. टी20 श्रृंखला में आयरलैंड जोश लिटिल की सेवाओं के बिना खेलेगा, जो ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ कैरेबियन प्रीमियर लीग में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं. लिटिल और बालबर्नी आयरलैंड की टी20 विश्व कप टीम से उल्लेखनीय रूप से अनुपस्थित थे, जिसमें बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रीज़ को शामिल किया गया था. विश्व कप में आयरलैंड के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण, जहां वे अपने तीनों पूर्ण मैच हारकर और एक मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद ग्रुप चरण में ही बाहर हो गए थे, टीम में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता है. आगे की बात करें तो आयरलैंड 2026 और 2027 के विश्व कप को अपने व्हाइट-बॉल क्रिकेट के लिए निर्णायक क्षण के रूप में देख रहा है. व्हाइट ने कहा, 2026 और 2027 हमारी व्हाइट-बॉल टीमों के लिए निर्णायक वर्ष हैं.उनकी समय-सीमा को देखते हुए, इसका मतलब है कि हम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस आगामी श्रृंखला को एक नए चक्र की शुरुआत के रूप में देख रहे हैं.

दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध आयरलैंड की टी20 टीम

पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, मैथ्यू हम्फ्रीज़, ग्राहम ह्यूम, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग. दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध आयरलैंड की वनडे टीम : पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहेनी, गेविन होए, फिओन हैंड, ग्राहम ह्यूम, मैथ्यू हम्फ्रीज़, एंडी मैकब्राइन, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, क्रेग यंग. कार्यक्रम : 27 और 29 सितंबर – टी20, 2, 4 और 7 अक्टूबर – वनडे (सभी अबू धाबी)

हालैंड को पीएल प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड

लंदन। मैनचेस्टर सिटी के साथ सीजन की ऐतिहासिक शुरुआत के बाद एर्लिंग हालैंड को अगस्त के लिए प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है. नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने इस सीजन में तीन मैचों में सात गोल करके यह पुरस्कार जीता है, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा किसी भी अभियान के पहले तीन प्रीमियर लीग मुकाबलों में किए गए सबसे अधिक गोल हैं. स्ट्राइकर के गोलों में इप्सविच टाउन और वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ लगातार हैट्रिक शामिल हैं, साथ ही चेल्सी में एक गोल करके मैन सिटी को तीन मैचों में तीन जीत के साथ सीजन की शुरुआत करने में मदद की. वह एक सीजन में टीम के पहले तीन लीग मैचों में से दो में हैट्रिक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए, इससे पहले पॉल ज्वेल ने 1994/95 में लीग टू में ब्रैडफोर्ड सिटी के लिए ऐसा किया था. हालैंड ने बताया, मुझे इस सीजन की शुरुआत में ही यह पुरस्कार जीतने की खुशी है.

एथलेटिक्स

बेल्जियम के ब्रुसेल्स में किंग बौडौइन स्टेडियम में आयोजित हो रहा लीग

डायमंड लीग में नीरज और अविनाश पर रहेगी नजर

एजेंसी। ब्रुसेल्स

पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और स्टीपलचेजर अविनाश साबले 2024 डायमंड लीग फाइनल में भारतीय उम्मीदों की अगुआई करेंगे, जो 13 और 14 सितंबर को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में किंग बौडौइन स्टेडियम में होने वाली है.

इस साल के डायमंड लीग के अंतिम संस्करण के रूप में, एलियांज मेमोरियल वैन डेम में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीट अपने-अपने वर्गों में जीत हासिल करने और अपनी छाप छोड़ने के लिए एक आखिरी मौके की तलाश में होंगे. पहले दिन, भारतीय 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल में पदार्पण करेंगे. वर्तमान में अपने अनुशासन के लिए स्टैंडिंग में 14वें स्थान पर, सैबल सैमुअल फायरवु (इथियोपिया), अमोस सेरेम (केन्या), अब्राहम किबिवोट (केन्या) और गेटनेट वेले (इथियोपिया) जैसे प्रमुख दावेदारों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे. दूसरे दिन पेरिस 2024 के रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे.

चोपड़ा, जो वर्तमान में दोहा और लुसाने में अपने प्रदर्शन से 14 अंकों के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर हैं, उन्हें पेरिस 2024 के कांस्य पदक विजेता और अंक लीडर एंडरसन पीटर्स (ग्रेनाडा) के साथ-साथ जर्मनी के जूलियन वेबर से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा. डायमंड लीग फाइनल में दुनिया के कुछ बेहतरीन एथलीट भाग लेंगे, जिनमें पोल वॉल्टर आर्मंड ''मोंडो'' डुप्लांटिस (स्वीडन) और 400 मीटर बाधा दौड़ स्टार सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन (400 मीटर बाधा दौड़<bha>;</bha> यूएसए) जैसे कई विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले एथलीट शामिल हैं, साथ ही पेरिस 2024 के पदक विजेता जैसे लंबी दूरी की धावक फेथ किपयेगॉन (केन्या), 200 मीटर सनसनी लेट्साइल टेबोगो (बोत्सवाना), लंबी दूरी के धावक जैकब इंगेब्रिग्त्सेन (नॉर्वे), 100 मीटर धावक शा''कैरी रिचर्डसन (यूएसए) और जूलियन अल्फ्रेड (सेंट लूसिया) शामिल हैं.

कोहली और स्मिथ के बीच मुकाबला देखना रोमांचक होगा: ग्लेन मैक्सवेल

एजेंसी। नयी दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में प्रीमियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और विराट कोहली के बीच मुकाबला देखना काफी रोमांचक होगा. स्मिथ ने भारत के खिलाफ 19 टेस्ट मैचों में 65.87 की औसत से 2042 रन बनाए हैं, जिसमें नौ शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं. दूसरी ओर, कोहली ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 टेस्ट मैचों में 47.48 की शानदार औसत से इतने ही रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक शामिल हैं. ऑस्ट्रेलिया में कोहली ने 13 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 54.08 की औसत से 1,352 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं. मुझे लगता है कि जिस तरह से दो सुपरस्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और विराट कोहली आमने-सामने होंगे, मुझे लगता है कि इस सीरीज में उनका दबदबा देखने को मिलेगा और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी कौन जीतेगा, इस पर इसका कितना असर होगा. मैक्सवेल ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, उन दोनों में से कोई एक बहुत रन बनाएगा और हमारी पीढ़ी के दो बेहतरीन खिलाड़ियों को आमने-सामने देखना काफी रोमांचक होगा. 2024/25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया 22 नवंबर से 7 जनवरी, 2025 तक पर्थ, एडिलेड (गुलाबी गेंद वाला मैच), ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में टेस्ट मैच खेलेंगे. भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पिछली दो बार 2018/19 और 2020/21 में जीती है. यह 1991/92 के बाद से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज भी होगी.

ब्रीफ खबरें

पूर्व मुखिया की पत्नी को सांप ने काटा, मौत

औरंगाबाद । औरंगाबाद जिले के देव प्रखंड में गुरुवार की रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब पूर्व प्रखंड प्रमुख राकेश पासवान की 30 वर्षीय पत्नी संगीता कुमारी की सांप के काटने से मौत हो गई. यह घटना उस वक्त घटी जब संगीता घर की छत पर खाना बनाने के लिए गोइठा (उपला) लेने गई थी. छत पर पहले से ही एक विषैला सांप बैठा था, जैसे ही वह गोइठा लेकर नीचे उतर रही थी, सांप ने उसे डस लिया. सांप काटने के बाद देव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

वन विभाग ने हिरण का सींग किया बरामद

नवादा । नवादा में वन विभाग ने जंगली हिरण के सींग को बरामद किया है. वहीं जंगली इलाके में हिरण के सींग मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मिली जानकारी अनुसार रजौली थाना क्षेत्र के जंगली इलाके जमुदाहा के जंगलों में वन विभाग की टीम ने यह हिरण का सींग बरामद किया है. हिरण का सींग मिलने से तस्करी की आशंका जताई जा रही है. वन विभाग के अधिकारियों ने इसकी सूचना मिलते ही जंगल से कुछ हिरण के सींग को अपने कब्जे में लिया है. अक्सर हिरण का शिकार उसके मांस और सींग के लिए किया जाता रहा है. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि खूंटी से आए आदिवासी कई सालों से इन इलाकों में अवैध तरीके से रह रहे हैं.

पटना में पेपर मिल में लगी आग, मचा हड़कंप

पटना । पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में भीषण अगलगी की घटना हुई है. शुक्रवार को लगभग दोपहर के डेढ़ बजे का बताया जा रहा है जहां बाईपास के पास ज्ञान पेपर मिल विजय नगर स्थित गोदाम में भीषण अगलगी की घटना हुई जिससे इलाके में अफरा तफरी का माहौल बन गया. आनन-फानन में स्थानीय लोगो ने स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना अग्नि शमन विभाग को दी. जिसके बाद 5 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच आग बुझाने में जुटी है. बताया जा रहा है कि इस घटना में लाखों के संपत्ति का नुकसान हुआ है.

गया जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र के चकसेव गांव में मचा हड़कंप

अस्पताल के बाहर लगी भीड़

कुएं में दम घुटने से तीन की मौत

संवाददाता । गया

जिले में जहां कुएं में दम घुटने से तीन युवकों की मौत हो गई. मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया. घटना की सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को पास के सीएचसी अस्पताल ले गए. जहां चिकित्सकों ने तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया. मौके से पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. वहीं, घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. उक्त घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है. यह पूरा मामला गया जिले के वजीरगंज थानाक्षेत्र के चकसेव गांव का है.

जानकारी के मुताबिक, मृत तीनों युवकों की पहचान ललन कुमार (25), चिंकू तिवारी और सुभाष कुमार के रूप में हुई है. मृत तीनों युवक एक ही गांव के रहने वाले हैं. बताया जा रहा है कि शुक्रवार को दोपहर करीब एक बजे गया जिले के वजीरगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत चकसेव गांव का एक युवक चिंकू तिवारी सफाई के लिए कुएं में उतरा था. कुएं की सफाई के दौरान चिंकू तिवारी का दम घुटने लगा. यह देख दूसरा साथी सुभाष कुमार कुएं में कूद पड़ा. तभी दोनों युवकों का कुएं के अंदर दम घुटता देख, तीसरे साथी ललन कुमार ने भी छलांग लगा दी. इस दौरान तीनों युवकों का दम घुटने लगा और वे युवक बेहोश हो गए.

उसके बाद गांव वालों ने डायल 112 की पुलिस को सूचना दी और कुएं से तीनों युवकों को बाहर निकाला गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों की इलाज के लिए पास के सीएचसी अस्पताल ले गए. जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया. मौत की सूचना के बाद गांव में मातम छा गया. वहीं, मृत तीनों युवकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. फिलहाल पुलिस ने मृत तीनों युवकों की शवों को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. साथ ही मामले की छानबीन में जुट गई.

शराब पीने से मना किया तो युवक ने दे दी जान

बेगूसराय । बेगूसराय में पत्नी के नशा करने से मना करने पर नाराज होकर पति ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. घटना मुफस्सिल थानाक्षेत्र के हरदिया वार्ड-9 की है. मृतक युवक की पहचान हरे राम महतो के बेटे नीरज कुमार के रूप में की गई है. जानकारी के मुताबिक, नीरज कुमार नशे का काफी आदी था. नशे को लेकर घर में कई बार पत्नी के साथ विवाद भी हुआ.

बताया जा रहा है कि पत्नी ने नशा करने से नीरज कुमार को मना किया. इसे बात को लेकर दोनों में फिर विवाद हुआ. विवाद होने के बाद पत्नी अपने बच्चों को स्कूल से लाने के लिए चली गई. बताया जा रहा है कि इस दौरान पत्नी से नाराज नीरज ने घर में खुद अकेला पाकर गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. जब पत्नी घर आई तो अंदर से दरवाजा लगा हुआ था. खिड़की से जब झांककर देखा तो नीरज कुमार फंदे से लटका हुआ था. आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर जब उसे फंदे से नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक नीरज की मौत हो चुकी थी. वहीं, स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना मुफस्सिल थाना पुलिस को दी. उसके बाद मौके पर पहुंचकर मुफस्सिल थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई.

स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई

दो किन्नरों की मौत, दो घायल

एजेंसी । गोपालगंज

गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थानाक्षेत्र के भोजपुरवा गांव के पास तेज रफ्तार में जा रही स्कार्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई. इस दर्दनाक हादसे में दो किन्नरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए. जानकारी के मुताबिक, सभी किन्नर स्कॉर्पियो में सवार होकर जिले के जादोपुर थानाक्षेत्र से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम को लौट रहे थे. दुर्घटना में मृत दोनों किन्नरों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है, जबकि गंभीर रूप से जख्मी की पहचान नेहा किन्नर और अंजला किन्नर के रूप में हुई है. गाड़ी में सवार चालक और तीन अन्य लोग घटना के बाद फरार हो गए हैं.

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो गाड़ी का चालक बहुत तेजी से गाड़ी को लेकर आ रहा था. तभी भोजपुरवा गांव के पास अचानक चालक को झपकी आने से कार डिवाइडर से टकरा गई और डिवाइडर को तोड़ते हुए पलट गई. इस हादसे में दो किन्नर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल है. घायलों को ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को नाजुक देखते हुए अंजला किन्नर को बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया. हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है.

उधर इस मामले में माझागढ़ थाना अध्यक्ष संग्राम सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में दो नर्तकियों की मौत हुई है. वहीं, दो लोग गंभीर रूप से जख्मी भी हैं. मृतकों की शिनाख्त की जा रही है. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मामले की जांच की जा रही है.

नाबालिग के साथ छह दोस्तों ने गैंगरेप कर वीडियो वायरल किया

मोतिहारी । जिले के केसरिया थाना क्षेत्र के बिजधरी ओपी थाना क्षेत्र में बीते दिनों खेत में काम करने गए नाबालिग लड़की के साथ छह दोस्तों ने गैंगरेप की घटना की अंजाम दिया और वीडियो बना लिया. इसके बाद वीडियो को सोशल मीडिया में वायरल कर दिया. इस मामले में पीड़ित लड़की के पिता ने थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है. बिजधरी ओपी थाना को आवेदन मिलते ही गुरुवार को छापेमारी कर तीन युवक को गिरफ्तार कर थाने लेकर लाई. गिरफ्तार तीनों युवकों शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा. जिले के केसरिया थाना के बिजधरी ओपी क्षेत्र के एक गांव की 13 वर्षीय लड़की बीते विगत दिनों खेत में काम करने गई थी.

ईओयू ने डीजीपी को लिखा पत्र

बिहार सिपाही भर्ती घोटाले में एसके सिंघल पर होगी कार्रवाई

संवाददाता । पटना

सिपाही भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में केंद्रीय चयन पर्षद के तत्कालीन अध्यक्ष और पूर्व डीजीपी एसके सिंघल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. उन पर लापरवाही और नियमों की अनदेखी के आरोप लगे हैं. इसके बाद अब आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की है. एडीजी ने बिहार के डीजीपी को इस संबंध में पत्र भेजा है. ईओयू ने जांच में पाया है कि पर्षद के तात्कालिक अध्यक्ष एसके सिंघल ने लापरवाही के अलावा नियमों एवं मानकों की अनदेखी की. पत्र में यह भी लिखा हुआ है कि एसके सिंघल ने अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरती है. उनके विरुद्ध आपराधिक अभियुक्तकरण के लिए अब तक के अनुसंधान में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन्होंने अपने पद के दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन नहीं करते हुए स्थापित नियमों एवं मानकों की अनदेखी की है. आर्थिक अपराध इकाई का कहना है कि विज्ञापन संख्या 1/2023 सिपाही भर्ती परीक्षा के पेपर लीक प्रकरण में सुनियोजित ढंग से एक संगठित अपराधिक गिरोह के द्वारा पेपर लीक मामले में इनकी भूमिका संदेह के दायरे में है. अनुशासनिक कार्रवाई के लिए पर्याप्त साक्ष्य है.

पटना में अपराधियों ने प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी

पटना । पटना में बेखौफ अपराधियों ने एक प्रॉपर्टी डीलर को गोलियों से भून डाला, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान दतियाना बिक्रम निवासी सुदर्शन वर्मा (45) के रूप में की गई है. घटना फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के एम्स गोलंबर के पास की है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई. पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी को खंगाला है, जिसमें अपराधी दिख रहे हैं. पुलिस का कहना है कि प्रॉपर्टी डीलर सुदर्शन वर्मा ऑफिस से निकलकर अपनी कार में बैठने जा रहे थे. तभी बाइक से आये अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलियों की बौछार कर दी. जिससे उसकी मौत हो गयी.

पारिवारिक कलह में महिला ने दो बच्चों के साथ दे दी जान

संवाददाता । मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के मलाही थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली. बताया जा रहा है कि सुभावती देवी का पति भोलाराम दूसरे राज्य में कमाने जा रहा था. लेकिन वह बाहर जाने से मना कर रही थी. जिससे नाराज होकर उसने इस तरह का कदम उठाया. वहीं डीएसपी रंजन कुमार का कहना है कि पति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने जहर खाया है. बताया कि घटना के बाद से भोलाराम फरार है. मामले की जांच की जा रही है. जल्द भोलाराम को गिरफ्तार किया जायेगा और मामले का खुलासा किया जायेगा. भोलाराम की पत्नी का कहना था कि वह यहीं रहकर काम करें. इसी को लेकर गुरुवार रात को दोनों के बीच विवाद हुआ था. कहा जा रहा है कि भोलाराम ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की थी. ऐसे में नाराज होकर सुभावती देवी ने पहले अपनी दोनों बेटी परी और उजाला को जहरीला पदार्थ खिलाया. इसके बाद खुद भी जहर खा लिया. आनन-फानन में परिजनों ने तीनों को पहाड़पुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. जहां शुक्रवार को इलाज के दौरान सुगावती देवी और परी की मौत हो गयी. वहीं उजाला को बेहतर इलाज के लिए बेतिया रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उजाला की भी मौत हो गयी.

मध्याह्न भोजन में मिली छिपकली, 23 बच्चे हुए बीमार, अस्पताल में भर्ती

नालंदा । नालंदा में एक बार फिर से मध्याह्न भोजन में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है. घटना हिलसा अनुमंडल के मध्य विद्यालय हरबंशपुर मड़वा की है. जहां खाने में छिपकली मिलने के बाद स्कूल के 23 बच्चे बीमार हो गए, जिन्हें इलाज के लिए हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मध्य विद्यालय हरबंशपुर मड़वा के छात्र गोलू कुमार ने बताया कि खाने में एक छिपकली निकली, उक्त खाने को सभी बच्चों ने खाया था. इसके बाद एक-एक कर सभी की तबीयत बिगड़ने लगी. उल्टी और चक्कर आने लगे. मध्याह्न भोजन में पुलाव और छोले की सब्जी मिली थी. पुलाव में छिपकली मिली थी.

कारोबार

माय मुद्रा फिनकॉर्प के शेयर हुए लिस्टिंग

नयी दिल्ली । लोन बांटने वाली कंपनी माय मुद्रा फिनकॉर्प के शेयरों की लिस्टिंग शेयर बाजार के एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो गई. इस आईपीओ को निवेशकों द्वारा बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला था और इसे कुल 102 गुना से ज्यादा भरा गया था. कंपनी के शेयर बाजार में 130 रुपये पर लिस्ट हुए हैं. वहीं आईपीओ में शेयरों का प्राइस बैंड 110 रुपये पर जारी किया गया था. ऐसे में निवेशकों को 18.2 फीसदी का लिस्टिंग गेन हासिल हुआ है. खास बात यह रही है कि ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 33 फीसदी प्रीमियम पर ट्रेंड कर रहे थे.

एक साल में बैलेंस्ड फंड ने दिया 31% मुनाफा

नयी दिल्ली । बैंक के फिक्स्ड डिपॉजिट सहित निवेश के अन्य साधनों को पीछे छोड़ते हुए बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने एक साल में 31 फीसदी तक का मुनाफा दिया है. यानी इस दौरान बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में 10,000 रुपये का निवेश किया होगा तो शुक्रवार को वह 13,000 रुपये से ज्यादा हो गया होगा. म्यूचुअल फंड की यह स्कीम इक्विटी बाजार में शून्य से लेकर 100 फीसदी तक निवेश करती है. एम्फी के जारी आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी फंड में निवेशकों का रुझान बना हुआ है.

एडीबी ने दी 10 करोड़ डॉलर की दी मंजूरी

नयी दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने श्रीलंका के जल आपूर्ति और स्वच्छता क्षेत्र के सुधारों का समर्थन करने के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है. एडीबी ने बुधवार को बताया कि स्वीकृत ऋण जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति देश के लचीलेपन को बढ़ाने और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद करेगा. यह सहायता 100 मिलियन अमरीकी डॉलर के दो उप-कार्यक्रमों से बना होगा. एडीबी के अनुसार, उप-कार्यक्रम 1 के तहत राष्ट्रीय स्तर पर और राष्ट्रीय जल आपूर्ति और जल निकासी बोर्ड (एनडब्ल्यूएसडीबी) के लिए नीतियां और रणनीतियां बनाई जाएंगी.

फोटो के लिए पोज

मॉडल और अभिनेत्री शेफाली जरीवाला और पति पराग त्यागी अपने कुत्ते के साथ शुक्रवार को मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचते हुए फोटो के लिए पोज देते हुए.

केंद्र सरकार ने जारी किया निर्देश : सोने की शुद्धता के मानक और सख्त होंगे

9 कैरेट गोल्ड की भी होगी हॉलमार्किंग

केंद्र सरकार ने 9 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी पर हॉल मार्किंग को अनिवार्य करने का फैसला लिया है

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार के निर्देश पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) जल्दी ही 9 कैरेट सोने से बने आभूषणों की हॉलमार्किंग को भी अनिवार्य करने जा रहा है. सोने की कीमत में आई तेजी के कारण पिछले कुछ अरसे से देश में 9 कैरेट सोने से बने आभूषणों की मांग में भी काफी तेजी आई है. ऐसी स्थिति में इस सोने की शुद्धता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं. इसी वजह से केंद्र सरकार ने 9 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी पर हॉल मार्किंग को अनिवार्य करने का फैसला लिया है. भारतीय मानक ब्यूरो ने 9 कैरेट गोल्ड से बने आभूषणों की हॉलमार्किंग के लिए मार्केट के सभी स्टेकहोल्डर्स से बातचीत शुरू कर दी है. आने वाले दिनों में 9 कैरेट सोने से बने आभूषणों की शुद्धता की जांच कर ग्राहकों को उसका सर्टिफिकेट दिया जाएगा.

फिलहाल देश में 24 कैरेट, 23 कैरेट, 22 कैरेट, 18 कैरेट और 14 कैरेट सोने से बनी ज्वेलरी पर हॉलमार्किंग करना अनिवार्य है. 2022 से ही हॉलमार्किंग का ये नियम पूरे देश में लागू कर दिया गया है.

जानकारों का कहना है कि सोने की कीमत में आई तेजी की वजह से इन दिनों 9 कैरेट से लेकर 14 कैरेट और 18 कैरेट सोने से बनी ज्वेलरी की मांग भी काफी ज्यादा बढ़ गई है. जबकि कुछ समय पहले तक सोने की ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता था. इसकी वजह सोने की कीमत के बड़ा अंतर को भी माना जा रहा है. फिलहाल 24 कैरेट सोना घरेलू सर्राफा बाजार में 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि 9 कैरेट सोने की कीमत 25 हजार रुपये के आसपास है. यही कारण है कि इन दिनों आभूषण की खरीद में कम शुद्धता वाले सोने की मांग ज्यादा बढ़ गई है. मांग में बढ़ोतरी होने से अब इनकी शुद्धता पर भी सवाल उठाए जाने लगे हैं. यही वजह है कि केंद्र सरकार ने भारतीय मानक ब्यूरो को 9 कैरेट से बने आभूषण की भी हॉलमार्किंग करने का निर्देश दिया है, ताकि ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी न हो.

उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार सोने की खरीद के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है. इस साल सोने की डिमांड 750 टन तक पहुंचाने की संभावना जताई जा रही है. पिछले साल की तुलना में इस साल अभी तक सोने की मांग में 1.58 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

माना जा रहा है कि कीमत में तेजी आने के बावजूद इस साल के अंत तक सोने की मांग में 2 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हो जाएगा. ऐसी स्थिति में सोने के खरीदारों के हितों की सुरक्षा पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है. यही वजह है कि 9 कैरेट तक के गहनों की हॉल मार्किंग को अनिवार्य करने पर विचार किया जा रहा है.

96 प्रतिशत भारतीय मिड-मार्केट फर्म जनरेटिव एआई को दे रही प्राथमिकता

नई दिल्ली । मिड-मार्केट सेगमेंट की करीब 96 प्रतिशत भारतीय कंपनियां (250 से 1,500 कर्मचारी) जनरेटिव एआई को प्राथमिकता दे रही हैं, जबकि बाकी दुनिया में यह आंकड़ा 91 प्रतिशत है. एक रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी सामने आई. 2024 में भारतीय मिड-मार्केट कंपनियों द्वारा जनरेटिव एआई को अपनाने की वजह संस्था को साइबर खतरों के खिलाफ तैयार होना और बिजनेस के संचालन को अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाना है. एसएपी इंडिया की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में संस्थाएं अपने बिजनेस में बदलाव लाने के लिए दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले अधिक प्राथमिकता दे रही हैं. भारत उपमहाद्वीप में एसएपी के मैनेजिंग डायरेक्टर और अध्यक्ष मनीष प्रसाद ने कहा कि भारत का मिड मार्केट बिजनेस देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. उन्होंने आगे कहा, एआई इन कंपनियों के लिए गेम-चेंजर होने वाला है. इससे इन कंपनियों को काम करने के लिए इनसाइट्स और डिजिटल अर्थव्यवस्था में आगे बढ़ने में मदद करेगा. सर्वे में भाग लेने वाली मिड-मार्केट कंपनियों में 67 प्रतिशत ने एआई को प्राथमिकता देने की वजह साइबर हमले, 65 प्रतिशत ने ऑपरेशन को पर्यावरण टिकाऊ योग्य बनाना, 55 प्रतिशत ने प्राइवेसी और सिक्योरिटी, 52 प्रतिशत ने निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना माना है.

शेयर बाजार — हफ्ते का आखिरी कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए रहा शानदार

मिड-कैप इंडेक्स 60000 के ऑलटाइम हाई पर हुआ बंद

एजेंसी । मुंबई

हफ्ते का आखिरी कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा है. सेंसेक्स-निफ्टी में भले ही गिरावट रही हो लेकिन शुक्रवार के सत्र में बाजार में दो नए कीर्तिमान बने. मिड-कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स पहली बार 60,000 के आंकड़े को पार करते हुए 60189.35 के ऑलटाइम हाई पर जा पहुंचा है. स्मॉल-कैप शेयरों में भी शानदार तेजी देखने को मिली. मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में खरीदारी के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप पहली बार 469 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक हाई पर

जा पहुंचा. कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 72 अंकों की गिरावट के साथ 82,890 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 32 अंकों की गिरावट के साथ 25,356 अंकों पर बंद हुआ है. शुक्रवार के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो, मीडिया, रियल एस्टेट, मेटल्स और फार्मा सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. जबकि एफएमसीजी, एनर्जी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में मुनाफावसूली रही. मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में सेशन में भारी खरीदारी रही. निफ्टी का मिडकैप 100 ऑलटाइम हाई पर जा पहुंचा और 60034 पर बंद हुआ है. निफ्टी का स्मॉल कैप इंडेक्स भी 151 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ है.

बैंकिंग आईटी शेयरों में तेजी देखी गयी : मिड-कैप स्मॉल-कैप समेत बैंकिंग आईटी शेयरों में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में जोरदार उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 468.80 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जबकि पिछले सेशन में ये 467.36 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. शुक्रवार के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.44 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है.

शुक्रवार के ट्रेड में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 शेयर तेजी के साथ जबकि 19 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 20 तेजी के साथ और 30 गिरकर बंद हुए. बजाज फाइनेंस 2.31 फईसदी, बजाज फिनसर्व 2.17 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.19 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.18 फीसदी, टाटा स्टील 1.09 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.80 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.61 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले शेयरों में अडानी पोर्ट्स 1.37 फीसदी, आईटीसी 1.01 फीसदी, भारती एयरटेल 0.88 फीसदी एनटीपीसी 0.78 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

आरबीआई के पास फिर से देंगे आवेदन

नयी दिल्ली । पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्यूनिकेशन लिमिटेड के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने एलान किया है कि कंपनी बैंकिंग सेक्टर के रेगुलेटर आरबीआई के पास फिर से पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन करेगी. वन97 कम्यूनिकेशन लिमिटेड की 24वीं एजीएम बैठक को संबोधित करते हुए विजय शेखर शर्मा ने ये बातें कही है. उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में हम आरबीआई के पास पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन करेंगे.

आरबीआई गवर्नर बोले

भारत की विकास क्षमता 7.5% से अधिक होने की संभावना

एजेंसी । सिंगापुर/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत में कम से कम 7.5 फीसदी की वृद्धि की संभावना है. वह सिंगापुर में ब्रेटन वुड्स कमेटी द्वारा आयोजित 'फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024' को संबोधित कर रहे थे. दास ने कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है. उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं. आरबीआई गवर्नर का यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान से थोड़ा ऊपर है. हालांकि, दास ने मुद्रास्फीति में गिरावट के बावजूद फिलहाल ब्याज दरों में कटौती से इनकार किया. उन्होंने ब्रेटन वुड्स कमेटी के वार्षिक फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि को वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मुझे लगता है कि आज भारत की संभावित वृद्धि...लगभग साढ़े सात फीसदी से अधिक है. दास ने दुनिया को बढ़ते वैश्विक कर्ज के बारे में आगाह किया है, जो 2024 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 333 फीसदी के बराबर 315 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया है.

गवर्नर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ रही चुनौतियों के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया.

न्यूज अपडेट

गाजा की स्वास्थ्य प्रणाली वेंटिलेटर पर

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया है कि 23 जुलाई तक गाजा संघर्ष में कम से कम 22,500 लोग गंभीर चोट का शिकार हुए हैं. इन जख्मों ने उन्हें जीवन भर का दर्द दिया है. विकलांगता का दंश सहने को मजबूर हुए हैं. शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि गुरुवार को प्रकाशित रिपोर्ट में गाजा की पहले से ही कमजोर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर भारी बोझ पड़ा है. उन्होंने कहा कि 13,455 से 17,550 लोग बुरी तरह जख्मी हुए हैं. इसकी वजह से लगभग 4,000 लोगों के अंग काटे गए हैं.

द. कोरिया ने हटाये चीन निर्मित कैमरे

सोल। उत्तर कोरिया की सीमा के पास स्थित सैन्य ठिकानों के अलावा सीमा से सटे विभिन्न अड्डों पर स्थापित 1,300 से अधिक चीन निर्मित निगरानी कैमरों को दक्षिण कोरियाई सेना ने हटा दिया है. योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि सेना ने सुरक्षा चिंताओं के चलते सभी संबंधित उपकरणों को हटा दिया और अब उन्हें घरेलू उपकरणों से बदल रही है. वर्तमान में उनमें से लगभग 100 को नए सिरे से लगाया गया है. इन सीसीटीवी को ऐसे डिजाइन किया गया था कि ये चीनी सर्वर तक रिकॉर्डेड फुटेज भेजने में सक्षम थे.

दक्षिण कोरिया-अमेरिका की चिंता बढ़ी

वाशिंगटन। उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपण ने दक्षिण कोरिया और उसके सहयोगी अमेरिका की चिंता बढ़ा दी हैं. दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने फोन पर बातचीत की है. पेंटागन के मुताबिक वार्ता में वॉशिंगटन-सोल गठबंधन की मजबूती पर जोर दिया गया. योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने गुरुवार को बातचीत की. यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब प्योंगयांग ने इस सप्ताह की शुरुआत में बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रक्षेपण किया.

सांसद के रिश्तेदारों के ठिकानों पर छापे

चंडीगढ़। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को सांसद और सिख कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह के रिश्तेदारों और सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापेमारी की. अमृतपाल आतंकवाद और गैंगस्टर नेटवर्क के सिलसिले में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं. बता दें कि यह छापेमारी 2023 की एक घटना से जुड़ी है जिसमें खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ओटावा में भारतीय उच्चायोग के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया था और लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमला किया था.

'गैर-हिंदुओं की एंट्री बैन' पर सियासत

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग में गैर-हिंदुओं और रोहिंग्या मुसलमानों व फैरी वालों के गांव में एंट्री बैन को लेकर प्रदेश की सियासत एक बार फिर गरमा गई है. विपक्ष इस मामले को लेकर सरकार को आड़े हाथों ले रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने सरकार पर तंज कसते हुए इसे भाजपा की कायराना हरकत करार दिया है. रावत ने कहा कि यह भाजपा की कायराना हरकत थी. कायरों में स्थितियों को झेलने का साहस नहीं होता है. जैसी ही मीडिया में ये समाचार आए तो भाजपा ने पोस्टर हटा लिए.

मायावती का अखिलेश यादव को जवाब

लखनऊ। बसपा की प्रमुख मायावती ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को गठबंधन टूटने के मुद्दे पर फिर घेरा है. उन्होंने कहा अब इतने साल बाद सफाई देना कितना उचित है. उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट किया. मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव-2019 में यूपी में बीएसपी के 10 व एसपी के 5 सीटों पर जीत के बाद गठबंधन टूटने के बारे में मैंने सार्वजनिक तौर पर भी यही कहा कि सपा प्रमुख ने मेरे फोन का भी जवाब देना बंद कर दिया था.

तीन शातिर बदमाश धराया, दो घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने चेकिंग के दौरान तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है. पुलिस जब बदमाशों को देर रात माल की बरामदगी के लिए उनके बताए ठिकाने पर ले गई, तब आरोपियों ने उन पर गोलियां चला दी. पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए. पुलिस को इनके पास से दो तमंचे, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, लूट की एक चैन, लूट व स्नेचिंग के सामान को बेचकर मिले 32,300 रुपये व घटना में इस्तेमाल चोरी की बाइक बरामद की है.

चांदीपुर में मिसाइल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली। भारत ने वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के एक के बाद एक सफल उड़ान परीक्षण किए हैं. 12 सितंबर को भी चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया था. शुक्रवार को एक बार फिर ओडिशा के चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन व भारतीय नौसेना ने मिसाइल का सफल परीक्षण किया.

अदालत ने हिंदू पक्ष की याचिका की खारिज

वाराणसी। अदालत ने ज्ञानवापी मामले में शुक्रवार को हिंदू पक्ष की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें यह मांग की गई थी कि व्यास जी तहखाने की छत पर मुस्लिमों के नमाज अता करने पर रोक लगाई जाए. हिंदू पक्षकारों ने कमजोर छत को अपनी मांग की वजह बताते हुए तर्क दिया था कि छत किसी भी वक्त क्षतिग्रस्त हो सकती है. व्यास जी के तहखाने में हिंदू जहां पूजा-अर्चना करते हैं, वहीं मुस्लिम उसकी छत पर नमाज अता करते हैं. ऐसे में यह जगह दोनों ही समुदायों के लिए आस्था के साथ कानूनी लड़ाई का भी अखाड़ा बन गया है.

राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश

आगरा में भारी बारिश से चंबल उफान पर

एजेंसी। आगरा

आगरा में बारिश से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. आगरा के पिनाहट कस्बे में चंबल नदी उफान पर है, जिससे क्षेत्र में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है. बताया जा रहा है कि कोटा बैराज से छोड़े गए 3 लाख क्यूसेक पानी के कारण नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है. चंबल नदी का पानी पास के ही तटवर्ती तीन दर्जन गांवों के संपर्क मार्गों में भर गया है, जिससे इन गांवों की स्थिति गंभीर हो गई है. प्रशासन ने तटवर्ती गांवों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है और नदी के किनारे रहने वाले ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है. राजस्व टीमों को नदी के किनारे के गांवों में तैनात किया गया है और ग्रामीणों को नदी के किनारे न जाने की हिदायत दी है.

गाजियाबाद में भारी बारिश से मकान की छत गिरी, महिला की मौत, दो बेटियां घायल

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर में बीते गुरुवार सुबह से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है. बारिश के चलते गाजियाबाद के लोनी थाना इलाके में एक जर्जर मकान की छत गिर गई. इसके नीचे घर में सो रही महिला और उसकी दो बेटियां दब गईं. पुलिस टीम और आसपास के लोगों ने सभी को रेस्क्यू कर बाहर निकाला. इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया. महिला की मौत हो गई है और उसकी दो बेटियां घायल हैं. पुलिस के मुताबिक, दोनों लड़कियों की हालत ठीक है.

दिल्ली में भारी बारिश, नबी करीम इलाके में गिरी दीवार 1 व्यक्ति की मौत, 5 घायल

नयी दिल्ली। दिल्ली के कई इलाकों में दो दिन से बारिश हो रही है. इस बीच नबी करीम इलाके में एक मकान की दीवार गिर गई, जिसके मलबे में दबकर पांच लोग घायल हो गए और एक व्यक्ति की मौत हो गई. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यह जानकारी दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी ने दी. स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर मौजूद हैं. वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह अचानक बहुत तेज आवाज सुनाई दी, कुछ लोग वहां पहुंचे और देखा कि दीवार के मलबे में कुछ लोग दबे हुए हैं.

टीएमसी सांसद महुआ ने किया दावा- लोकपाल ने दर्ज कर लिया है मामला

सेबी प्रमुख के खिलाफ लोकपाल में शिकायत दर्ज, अडानी को भी घसीटा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच के खिलाफ लोकपाल में शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में उन पर भ्रष्टाचार और शेयर के हेर-फेर में शामिल होने का आरोप लगाया गया है. महुआ मोइत्रा ने लोकपाल से मामले की जांच करने की अपील की है.

देश में भ्रष्टाचार के मामलों की निगरानी करने वाली संस्था ने महुआ मोइत्रा की इलेक्ट्रॉनिक शिकायत दर्ज कर ली है और जवाब दिया है कि मामले की जांच की जा रही है.महुआ मोइत्रा ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, माधवी पुरी-बुच के खिलाफ मेरी लोकपाल में शिकायत दर्ज हो गई है. लोकपाल को 30 दिन के अंदर इसे शुरुआती जांच और फिर फुल एफआईआर जांच के लिए सीबीआई या ईडी को भेजना चाहिए. उन्होंने आगे कहा, इसमें शामिल हर शख्स को तलब किया जाना चाहिए और हर लिंक की जांच की जानी चाहिए. महुआ मोइत्रा अपनी शिकायत में कहा, माधवी बुच को अप्रैल 2017 से अक्टूबर 2021 तक सेबी का फुल टाइम सदस्य और उसके बाद मार्च 2022 में सेबी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. लगभग रोज हो रहे खुलासों को देख कर ऐसा प्रतीत होता है कि बुच एक सीरियल अपराधी हैं जिन्होंने ऐसे काम किए हैं, जो एक पब्लिक सर्वेन्ट के तौर पर पूरी तरह गलत है और यह भारत के राष्ट्रीय हितों को खतरा पहुंचाते हैं.

सेबी प्रमुख पर क्या हैं आरोप : यह शिकायत 11 सितंबर को दर्ज की गई थी. इससे पहलेअमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने दावा किया था कि सेबी प्रमुख और उनके पति ने ऑफशोर फंड में निवेश किया था जो अडानी समूह की कंपनियों से जुड़े हैं. यह उस दौरान हुआ जब सेबी अडानी समूह के खिलाफ शेयर के हेर-फेर की शिकायतों की जांच कर रहा था. सेबी प्रमुख पर अडानी समूह के खिलाफ शिकायतों से निपटने से खुद को अलग न करने के लिए हितों के टकराव और भ्रष्टाचार का आरोप है.

सेबी प्रमुख ने आरोपों को किया है खारिज : सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने हाल की घटनाओं पर व्यक्तिगत क्षमता में एक संयुक्त बयान जारी किया. उन्होंने शुक्रवार को महुआ मोइत्रा औ कांग्रेस द्वारा लगाए गए अनियमितता और हितों के टकराव के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि ये गलत, प्रेरित और अपमानजनक हैं. बयान में कहा गया है, माधबी ने सेबी में शामिल होने के बाद कभी भी अगोरा एडवाइजरी, अगोरा पार्टनर्स, महिंद्रा समूह, पिडिलाइट, डॉ रेड्डीज, अल्वारेज़ एंड मार्सल, सेम्बकॉर्प, विसू लीजिंग या आईसीआईसीआई बैंक से जुड़ी किसी भी फाइल पर निर्णय नहीं लिया है. जैसा कि उपरोक्त तथ्यों और कंपनियों के संचार से स्पष्ट है, आरोप पूरी तरह से झूठे, दुर्भावनापूर्ण और सम्मान को हानि पहुंचाने वाले हैं... लगाए गए सभी आरोप झूठे, गलत, दुर्भावनापूर्ण और राजनीति से प्रेरित हैं.

अडानी बंधुओं और सेबी के बोर्ड सदस्य भी जवाबदेह

भ्रष्टाचार निवारण कानून का हवाला देते हुए महुआ मोइत्रा ने कहा कि इस कानून की धारा 21 के तहत, माधवी बुच, धवल बुच (उनके पति), गौतम अडानी, विनोद अडानी, सिरिल श्रॉफ मुख्य रूप से जवाबदेह हैं. उन्होंने दावा किया कि सेबी के बोर्ड सदस्यों को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए. उन्होंने कहा, भारतीय शेयर बाजार में अब लगभग 10 करोड़ नागरिक हैं, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेशक हैं. इसके अलावा, विदेशी निवेशकों ने भी भारत के शेयर बाजारों और इसकी विश्वसनीयता पर गहरी चिंता जताई है. इसलिए यह राष्ट्रीय हित का एक गंभीर मामला है और इसलिए जांच की जानी चाहिए.

हिंडनबर्ग रिसर्च का नया खुलासा, स्विट्जरलैंड प्रशासन ने अदाणी ग्रुप के फंड्स को फ्रीज किया

अहमदाबाद। अदाणी ग्रुप ने शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा गया कि ये तर्कहीन, बेतुके और आधारहीन हैं. अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म द्वारा कहा गया था कि स्विट्जरलैंड प्रशासन द्वारा अदाणी ग्रुप के फंड्स को फ्रीज कर दिया गया है. इन आरोपों को खारिज करते हुए अदाणी ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा कि ये बिल्कुल बेतुके और आधारहीन हैं. अदाणी ग्रुप की स्विट्जरलैंड की किसी कोर्ट कार्यवाही में भाग नहीं लिया है और हमारा कोई भी खाता किसी भी प्रशासनिक संस्था द्वारा जब्त नहीं किया गया है. प्रवक्ता ने आगे कहा कि आरोपों में जिस आदेश की बात की जा रही है उसमें कही भी अदाणी ग्रुप की कंपनियों का नाम नहीं है और किसी भी एजेंसी से हमें स्पष्टीकरण देने के लिए कोई पत्र नहीं प्राप्त हुआ है. आगे कहा कि हमारी ओवरसीज होल्डिंग पूरी पारदर्शी है और कंपनी सभी जरूरी कानूनों का पालन करती है. शॉर्टसेलर फर्म द्वारा लगाए गए सभी आरोप आधारहीन, बेतुके और तर्कहीन हैं. प्रवक्ता ने कहा कि हमें यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि यह हमारे ग्रुप की प्रतिष्ठा और बाजार मूल्य को अपरिवर्तनीय क्षति पहुंचाने के लिए एक ही समूह द्वारा एकजुट होकर किया गया एक और सुनियोजित और घृणित प्रयास है.

पुतिन ने दी रूस और नेटो के बीच जंग छिड़ने की चेतावनी

- कहा-यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियार मुहैया कराने से पश्चिमी देशों के रूस-यूक्रेन संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने का खतरा

एजेंसी। मॉस्को

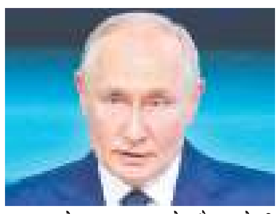

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियार मुहैया कराने से पश्चिमी देशों के रूस-यूक्रेन संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है. रूसी मीडिया के मुताबिक पुतिन ने कहा कि ऐसे हालात में रूस नए खतरों के आधार पर "उचित फैसले" लेने के लिए मजबूर होगा.

पश्चिमी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, यूक्रेन अपने पश्चिमी सहयोगियों से मिली मिसाइलों के इस्तेमाल के लिए परमिशन मांग रहा है. इनमें लंबी दूरी की मिसाइलें भी शामिल हैं, ताकि वह रूसी क्षेत्र में अंदर तक हमला कर सकें. पुतिन ने रूसी सरकारी टीवी से कहा कि केवल नाटो देशों के सैन्यकर्मी ही इन मिसाइल प्रणालियों के लिए फ्लाइट असाइनमेंट कर सकते हैं. यूक्रेनी सैन्यकर्मी ऐसा नहीं कर सकते. कहा कि इसलिए सवाल यूक्रेन को इन हथियारों के साथ रूस पर हमला करने की अनुमति देने का नहीं है, बल्कि यह है कि कि नाटो देश किसी सैन्य संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होते हैं या नहीं. पुतिन ने कहा कि यदि यह निर्णय लिया जाता है, तो इसका अर्थ कुछ और नहीं बल्कि यूक्रेन युद्ध में नाटो सदस्यों - अमेरिका और यूरोपीय देशों - की प्रत्यक्ष भागीदारी होगी. एक रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस यूक्रेन को दिए अपने हथियारों के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंधों को कम करने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है. इनमें रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिकी पार्ट्स वाली लंबी दूरी की ब्रिटिश मिसाइलों का उपयोग भी शामिल है.

डॉक्टरों की हड़ताल के बीच ममता का एलान

मरने वाले 29 लोगों के स्वजनों को मिलेगी 2-2 लाख की मदद

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया कि आरजी कर मामले पर चल रही जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है. इस कारण अभी तक 29 लोगों की जान जा चुकी है. राज्य सरकार ने पीड़ित परिवारों को 2-2 लाख रुपये की वित्तीय मदद देने की घोषणा की है. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, "जूनियर डॉक्टर्स की बीते कई दिनों से चल रही हड़ताल का राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ा है. ये दुख की बात है कि इस कारण अभी तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है. हम इन शोकाकुल परिवारों की मदद करना चाहते हैं.

चंडीगढ़ विस्फोट : मुख्य आरोपी पंजाब में धराया गोला व बारूद बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में हुए ग्रेनेड विस्फोट के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. यह विस्फोट एक घर में हुआ था. बुधवार को एक घर में विस्फोट हुआ था. चंडीगढ़ पुलिस ने गुरुवार को दो संदिग्धों की गिरफ्तारी की सूचना देने वाले को दो लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी.

पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान में ग्रेनेड विस्फोट मामले के मुख्य अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अमृतसर ग्रामीण निवासी रोहन मसीह की गिरफ्तारी और अन्य आरोपियों की पहचान के साथ मामला सुलझ गया है. उसके पास से 9 एमएम ग्लॉक पिस्टल और गोला-बारूद बरामद किया गया है.

'सामना' के संपादकीय में शिवसेना (यूबीटी) ने कहा-पीएम मोदी ने भारतीय राजव्यवस्था के अंतिम स्तंभ को भी ध्वस्त किया, पूछा

जस्टिस चंद्रचूड़ को रिटायरमेंट के बाद कहां ले जाएंगे पीएम मोदी

एजेंसी। मुंबई

पीएम नरेंद्र मोदी और चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की मुलाकात का शिवसेना (यूबीटी) ने फिर हमला किया है. पार्टी ने यहां तक सवाल उठा दिए हैं कि नवंबर में रिटायर होने के बाद पीएम मोदी जस्टिस चंद्रचूड़ को कौन-सा पद देंगे. बुधवार को सीजेआई के आवास पर आयोजित गणेश पूजा में पीएम मोदी भी शामिल हुए थे. शिवसेना (यूबीटी) पहले भी इस मीटिंग पर आपत्ति जता चुकी है. पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि पीएम मोदी ने भारतीय राजव्यवस्था के अंतिम स्तंभ को भी ध्वस्त कर दिया है. यह देश की प्रतिष्ठा का पतन है. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे. संपादकीय में मोदी की बुधवार को चंद्रचूड़ के आवास की यात्रा पर कहा गया है, प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश के बीच निजी मुलाकात ने प्रोटोकॉल को लेकर सवाल खड़े किए हैं. मोदी की इस यात्रा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. संपादकीय में कहा गया है कि रिटायरमेंट के बाद की सुविधा न्यायपालिका में सबसे बड़ी खतरेकी घंटी है. चंद्रचूड़ पर तंज करते हुए शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि सेवानिवृत्ति के बाद पीएम मोदी उन्हें कहां ले जाकर बिठाते हैं.

सामना के संपादकीय में दावा किया गया है कि जिन जजों ने लोकतंत्र और संविधान को कुचलने में सरकार की मदद की है, उन्हें उनकी सेवानिवृत्ति के बाद इनाम मिला है. इसमें कहा गया है कि

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ के बारे में लोगों की राय अलग थी और अब भी है. एक तो चंद्रचूड़ के घराने की न्यायदान की महान परंपरा रही है. इंदिरा जी (पूर्व पीएम) के दौर में यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ देश के चीफ जस्टिस थे और वे मौजूदा चीफ जस्टिस के पिताश्री हैं. संपादकीय में कहा गया है कि चंद्रचूड़ महाराष्ट्र के सुपुत्र हैं, इसलिए यह निश्चित था कि वे किसी दबाव या राजनीतिक प्रलोभन में नहीं आएंगे.

ईवीएम के खिलाफ नहीं सुनी बात : ईवीएम पर संपादकीय में कहा गया है कि ईवीएम के खिलाफ देश और दिल्ली में जबरदस्त बड़े आंदोलन हुए. ईवीएम लोकतंत्र का हत्यारा है, इसके सारे सबूत देने के बावजूद ईवीएम का विरोध करनेवाली सभी याचिकाएं खारिज कर दी गईं. सरकार बिल्कुल यही चाहती थी.

संजय राउत ने दी केस से अलग होने की सलाह : इससे पह शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भी पीएम मोदी के सीजेआई के घर जाने पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि ऐसी परंपरा है कि ऐसे मामलों में अगर जज और पार्टी का कोई संबंध होता है, तो वह खुद के केस से अलग कर लेते हैं. अब मुझे लगता है कि चंद्रचूड़ साहब को खुद को इससे अलग कर लेना चाहिए. शिवसेना (यूबीटी) नेता सुनील प्रभु ने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर के फैसले को चुनौती दी है, जो तीन साल से सुप्रीम कोर्ट में लटका है.

राष्ट्रपति चुनाव पहली बहस में हारने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने किया ऐलान

हैरिस के साथ अब और प्रेसिडेंशियल डिबेट नहीं

एजेंसी। वाशिंगटन

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ अब किसी अन्य प्रेसिडेंशियल डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगे. एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने गुरुवार को दावा किया कि उन्होंने मंगलवार रात को फिलाडेल्फिया में एबीसी न्यूज द्वारा आयोजित बहस जीती है.

रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने हैरिस पर आरोप लगाया कि उन्होंने फॉक्स न्यूज, एनबीसी न्यूज और सीबीएस न्यूज की तरफ से बहस के निमंत्रण को स्वीकार नहीं किया. वहीं डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैरिस ने

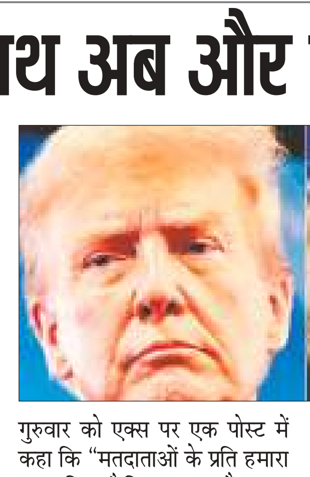

गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि "मतदाताओं के प्रति हमारा यह दायित्व है कि हम एक और बहस करें." हैरिस की प्रचार टीम ने भी पहली बहस में जीत का दावा किया है. टीम की ओर से पहले जारी एक बयान के अनुसार, "उपराष्ट्रपति हैरिस ने अमेरिकी लोगों के लिए महत्वपूर्ण हर मुद्दे को लेकर मंच पर अपनी पकड़ बनाए रखी."

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बहस देखने वालों के सीएनएन सर्वे से पता चला है कि 63 प्रतिशत लोग इस बात से सहमत थे कि हैरिस ने फिलाडेल्फिया बहस में बेहतर प्रदर्शन किया. फॉक्स न्यूज के मुताबिक, पैनल में शामिल 12 मतदाताओं ने सोचा कि हैरिस ने बहस जीती, जबकि पांच का मानना था कि ट्रंप जीते. कई लोगों ने कहा कि ट्रंप को नहीं पता कि राष्ट्रपति पद की दौड़ में अपने नए प्रतिद्वंद्वी पर कैसे हमला किया जाए. न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में कहा गया कि बहस के बाद, कई डेमोक्रेटिक रणनीतिकारों और अधिकारियों ने हैरिस के प्रदर्शन की तारीफ की, जबकि रिपब्लिकन समर्थकों ने मॉडरेटरों के "प्रश्नों के लहजे" के बारे में शिकायत की और डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 'हमले के अवसर' खोने को स्वीकार किया.

मिथुन को राहुल गांधी ने भेजा स्पेशल गिफ्ट

रायबरेली। रायबरेली में मिथुन (नाई) सैलून चलाते हैं. परिवार में चार भाई-तीन बहन और माता-पिता हैं. मिथुन का कहना है कि एक वक्त था, जब उनके सैलून पर सीमित कस्टमर ही आते थे, लेकिन, अब तीन गुना ज्यादा कस्टमर आते हैं. यह सब राहुल गांधी की वजह से हुआ है. दरअसल, रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान मिथुन (नाई) की सैलून में दाढ़ी और बाल कटवाए थे. अब राहुल गांधी ने मिथुन के लिए खास तोहफा भी भेजा है. इसमें एक शैंपू चेयर, दो हेयर कटिंग चेयर व एक इनवर्टर बैटरी शामिल है. राहुल की ओर से मिले इन खास गिफ्ट से मिथुन खुश हैं. मिथुन ने कहा, अब तक हम सैलून में बैठे हैं, नहीं तो पहले इस समय घर चले जाते थे.

बोइंग के कर्मचारी जाएंगे हड़ताल पर

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका की अग्रणी विमानन कंपनियों में से एक बोइंग कर्मचारी यूनियन ने शुक्रवार आधी रात से हड़ताल का एलान किया है.प्रबंधन ने कर्मचारी यूनियन को वेतन में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की पेशकश की थी, जिसे कर्मचारियों ने अस्वीकार कर दिया.

737 मैक्स और 777 जैसे विमान बनाने वाली इस कंपनी में 30,000 वर्कर काम करते हैं. कंपनी पहले ही वित्तीय मुश्किलों का सामना कर रही है और सुरक्षा को लेकर वो आलोचनाओं के घेरे में है. कंपनी की छवि को सुधारने के लिए बोइंग ने केली ओर्टबर्ग को नया चीफ़ एक्ज़ीक्युटिव बनाया था. हड़ताल उनके लिए भी एक झटका है. यूनियन और प्रबंधन के बीच वेतन बढ़ोतरी की

जो सहमति बनी थी, उस पर यूनियन में वोटिंग कराई गई. इसमें 96 प्रतिशत कर्मचारियों ने हड़ताल के समर्थन में मत दिया था जबकि 95 प्रतिशत ने सहमति पर मुहर लगाई थी.

वेतन में 40 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग : इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ़ मशीनिस्ट एंड एयरोस्पेस वर्कर्स के अध्यक्ष जॉन होल्डेन ने कहा, "हमारे सदस्यों ने आज रात साफ़ और स्पष्ट शब्दों में अपनी राय रखी है. हम शुक्रवार की आधी रात से हड़ताल पर जा रहे हैं."बोइंग ने अपने बयान में कहा है, "जिस मोटा मोटी समझौते पर सहमति बनी थी, उसे यूनियन सदस्यों ने खारिज कर दिया है. हम नए समझौते के लिए तैयार हैं." इसी सप्ताह यूनियन प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से प्रस्ताव को मंज़ूर करने की अपील की थी. प्रबंधन और यूनियन के बीच चार सालों में 25 प्रतिशत की वेतन वृद्धि पर सहमति बनी थी. यूनियन ने कर्मचारियों के पैकेज में सुधार की मांगें रखी थीं, जिसमें 40 प्रतिशत वेतन वृद्धि की मांग भी शामिल थी. कंपनी में 2008 में आठ हफ़्ते की हड़ताल हुई थी, जिसके बाद यूनियन और बोइंग के बीच समझौता हुआ था. क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडी के मुताबिक, उस हड़ताल में कंपनी को एक महीने में 1.5 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा था. 2014 में इस समझौते को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी थी जिसकी समय सीमा गुरुवार को ख़त्म हो गई.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)